শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

àß-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 68 | गुवाहाटी | मंगलवार, 3 अक्तूबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मणिपुर सिटीजन फोरम का इंफाल में धरना-प्रदर्शन पेज 3
सांवलिया सेठ में प्रधानमंत्री मोदी ने किया चुनावी शंखनाद, बोले-राजस्थान... पेज 4
समस्या निस्तारण में हीलाहवाली अक्षम्य : मुख्यमंत्री पेज 5
राजस्थान में माफियाराज गहलोत सरकार की देन : गजेंद्र सिंह शेखावत पेज 8

सार्वजनिक सेवा से लालफीताशाही हटाई : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आज कहा कि असम सरकार ने सार्वजनिक सेवा से लालफीताशाही को हटा दिया है। मुख्यमंत्री ने पिछले 2.5 वर्षों में की गई महत्वपूर्ण प्रगति के बारे में बात की, जिसका उद्देश्य विभिन्न विभागों में सरकारी प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना है। ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने से लेकर श्रम विभाग के लाइसेंस और नौकरी के आवेदन तक, सरकारी सेवाओं से निपटने के दौरान असम के लोगों के लिए परेशानी मुक्त अनुभव सुनिश्चित करना मुख्य लक्ष्य है। असाधारण उपलब्धियों में से एक प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) कार्यक्रम है, जो असम में 40 लाख से अधिक लोगों के लिए वित्तीय जीवन रेखा है। हर महीने की 10 तारीख को लागू की गई डीबीटी प्रणाली ने कर्मचारियों या सरकारी अधिकारियों को सरकारी कार्यालयों में जाने की आवश्यकता को समाप्त कर दिया है, जिससे प्रक्रिया तेजी से सरल हो गई है। गांधी जयंती के अवसर पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 1 लाख व्यक्तिगत घरेलू शौचालय (आईएचएचएल) लाभार्थियों के लिए मुख्यमंत्री लोकसेवक आरोग्य योजना और एक औपचारिक प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) लॉन्च किया। असम के राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना, मुख्यमंत्री लोकसेवक आरोग्य योजना के तहत, राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए मौजूदा प्रतिपूर्ति योजना को बदल दिया जाएगा। इस योजना का लक्ष्य सरकारी कर्मचारियों, सेवानिवृत्त कर्मियों और उनके आश्रितों सहित पात्र प्रतिभागियों को प्रत्येक वर्ष प्रति परिवार 5 लाख रुपए तक की वित्तीय स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करना है। इस अवसर पर बोलते हुए, सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने योजना की कुछ प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने घोषणा की कि जिन कर्मचारियों को अधिक लागत वाली स्वास्थ्य जांच की आवश्यकता होती है, जैसे 20 लाख रुपए या 30 लाख रुपए, उनके लिए अग्रिम भुगतान का प्रावधान होगा। पहले वर्ष में, योजना के लिए कर्मचारियों से उनके वेतन से 250 रुपए प्रति माह लिया जाएगा। हम प्रतिपूर्ति के साथ शुरुआत करेंगे और बाद में कैशलेस प्रणाली में बदलाव करेंगे। शर्मा ने कहा कि मासिक वेतन से कटौती के संबंध में जल्द ही एक परिपत्र जारी किया जाएगा, जो कर्मचारी इस प्रस्ताव का लाभ नहीं उठाना चाहते हैं उनके पास इससे बाहर निकलने का विकल्प है। मुख्यमंत्री लोकसेवक आरोग्य योजना चिकित्सा प्रतिपूर्ति प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करती है, जो 27 विभिन्न विशिष्टताओं में चिकित्सा प्रक्रियाओं की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए कवरेज प्रदान करती है। इसका -शेष पृष्ठ दो पर

मेडिकल और इंजीनियरिंग में सरकारी स्कूली छात्रों के लिए पांच प्रतिशत आरक्षण : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आज एक संवाददाता सम्मेलन में राज्य कैबिनेट द्वारा लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णयों की घोषणा किया। राज्य सरकार सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए कदम उठा रही है। सरकारी स्कूलों में कक्षा 7 से कक्षा 12 तक के छात्रों को अब मेडिकल और इंजीनियरिंग सीटों में 5 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। इसके अतिरिक्त, सेबा बोर्ड के तहत पढ़ने वाले कक्षा 7 से 10 तक के छात्रों को भी इन शैक्षिक सुधारों से लाभ होगा। उधर कैबिनेट ने आगामी दुर्गा पूजा में चाय श्रमिकों के लिए 20 प्रतिशत बोनस को मंजूरी दे दी है। राज्य में आदिवासी और चाय श्रमिकों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से कैबिनेट ने सरकारी नौकरियों में दोनों समुदायों के लिए 3 प्रतिशत आरक्षण की शुरुआत की है। यह आरक्षण 7 अक्तूबर से लागू होगा, साथ ही आगामी पुलिस भर्ती अभियान में भी यह लागू होगा। बोजाली जिले में जल्द ही महत्वपूर्ण बदलाव होंगे। बोजाली विधानसभा को पूर्ण जिला बनाने की देखरेख के लिए एक उप समिति का गठन किया गया है। एक जिले में आधिकारिक रूपांतरण 11 अक्तूबर, 2023 को निर्धारित किया गया है। वहीं कैबिनेट ने 250 मिलीलीटर मिनरल वाटर की बोतलों की बिक्री पर प्रतिबंध -शेष पृष्ठ दो पर

बिजली दरों में बढ़ोतरी के खिलाफ प्रदर्शन करेगी असम कांग्रेस

गुवाहाटी। असम में विपक्षी कांग्रेस ने असम पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एपीडीसीएल) द्वारा अक्तूबर से बिजली की प्रति यूनिट कीमत में बढ़ोतरी के विरोध में मंगलवार से राज्यव्यापी आंदोलन करने का फैसला किया है। एपीसीसी अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने कहा कि हमारी पार्टी बिजली दरों में अंधाधुंध और बार-बार बढ़ोतरी के खिलाफ मंगलवार को हर ब्लॉक स्तर पर, 4 अक्तूबर को पंचायत स्तर पर और 5 अक्तूबर को हर जिला मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन करेगी। एपीडीसीएल ने राज्य में बिजली उपभोक्ताओं को जारी एक नोटिस में ईंधन और बिजली खरीद मूल्य समायोजन (एफपीपीपीए) दरों में संशोधन के बाद अक्तूबर 2023 से बिजली की प्रति यूनिट कीमत में वृद्धि -शेष पृष्ठ दो पर

300 यूनिट तक मौजूदा दरों में कोई बदलाव नहीं : हिमंत का दावा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने ऊर्जा लागत में वृद्धि की मीडिया रिपोर्टों का खंडन किया, उन्हें झूठा बताया और दावा किया कि 300 यूनिट तक की मौजूदा टैरिफ दरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। हालांकि, 300 से 500 यूनिट तक 0.20 पैसे अतिरिक्त बिजली शुल्क लिया जाएगा। इसी प्रकार, 500 यूनिट से अधिक बिजली उपभोग करने वाले उपभोक्ताओं (मुख्य रूप से सरकारी कार्यालय) से 0.99 पैसे प्रति यूनिट शुल्क लिया जाएगा। असम पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एपीडीसीएल) की नई अधिसूचना के अनुसार, वाणिज्यिक और अन्य औद्योगिक पर 0.59 पैसे प्रति यूनिट शुल्क लिया जाएगा। दिलचस्प बात यह है कि स्मार्ट प्री-पेड -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

दो अल्फा (स्वा.) कैडर अरुणाचल में गिरफ्तार

इटानगर। सुरक्षा बलों ने सोमवार (2 अक्तूबर) को अरुणाचल प्रदेश में अल्फा (स्वा.) के दो कैडरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जानकारी देते हुए कहा कि सुरक्षा बलों ने तिरप जिले में एक अभियान के दौरान उल्फा कैडरों को गिरफ्तार किया। राज्य के एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि इनपुट के आधार पर असम राइफल्स की खोंसा बटालियन और अरुणाचल प्रदेश पुलिस की एक संयुक्त टीम ने रविवार को विद्रोहियों को गिरफ्तार कर लिया। ये विद्रोहियों म्यांमार से अरुणाचल प्रदेश में एंट्री कर चुके थे और असम में घुसने की कोशिश कर रहे थे। -शेष पृष्ठ दो पर

चुराचांदपुर जिले में पूर्ण बंद का एलान

इंफाल। मणिपुर के आदिवासी बहुल चुराचांदपुर जिले में सोमवार को पूरा शटडाउन देखने को मिला। इस बंद से सामान्य जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित हो गया है। बता दें कि दो नाबालिगों समेत सात लोगों की गिरफ्तारी के विरोध में कुकी संगठनों ने बंद का आह्वान किया था। इस साल जुलाई में दो मणिपुरी युवकों के अपहरण और हत्या के मामले में एनआईए और सीबीआई ने इन लोगों की गिरफ्तारी की है। हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर दोनों युवाओं की तस्वीरें प्रसारित होने के कारण इंफाल घाटी में प्रदर्शन बढ़ गए थे, जिसके बाद मामला सीबीआई को सौंपा गया। पुलिस ने बताया कि चुराकंदपुर जिले में -शेष पृष्ठ दो पर

सबूतों के आधार पर हो रही है गिरफ्तारियां : सुरक्षा एजेंसी

इंफाल। इस साल मई से मणिपुर में जातीय झड़पें हो रही हैं। इसको लेकर एनआईए और सीबीआई लगातार गिरफ्तारी भी कर रही है। आदिवासी समूहों ने एनआईए और सीबीआई पर मनमानी का आरोप लगाया है, लेकिन केंद्रीय एजेंसियों ने सोमवार को कहा कि अशांत राज्य में की गई हर गिरफ्तारी जांच टीमों द्वारा एकत्र किए गए सबूतों पर आधारित हैं। जांच एजेंसियों ने कहा कि यहां काम कर रहे एनआईए और सीबीआई अधिकारियों को 2015 में सेना के जवानों पर हुए हमलों सहित विभिन्न मामलों में जांच पूरी -शेष पृष्ठ दो पर

प्रसाद खाकर 200 से अधिक लोग बीमार

चराईदेउ (हि.स.)। जिला मुख्यालय सोनारी में एक जबर्दस्त फूड पॉयजनिंग का मामला सामने आया है। चराईदेउ के काकोतिबाड़ी दाधरा नामघर में प्रसाद खाने के बाद 200 से अधिक लोग बीमार पड़ गए हैं। इनमे से कई लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है, जिन्हें चराईदेउ सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उल्लेखनीय है कि नामघरों में प्रसाद खाकर लोगों के बीमार होने संबंधी खबरें लगातार आती रही है। बीते भादव माह में -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

बिहार में जातिगणना : एक प्रतिशत भी नहीं है 190 जातियां : रिपोर्ट

पटना। जाति आधारित गणना की रिपोर्ट जारी होने के बाद यह दिलचस्प आंकड़ा भी सामने आया है कि बिहार में जिन 215 जातियों की गणना हुई, उनमें 190 जातियां इस श्रेणी की हैं, जिनकी आबादी एक प्रतिशत भी नहीं। बिहार में केवल 25 जातियां ही इस श्रेणी की हैं, जिनकी संख्या एक प्रतिशत से अधिक है। एक प्रतिशत से कम आबादी वाले लोग अति पिछड़ा, मुस्लिम व सवर्ण समाज में भी हैं। अगड़ी जाति के लोगों की गणना के संबंध में जो रिपोर्ट है उसके अनुसार, कायस्थ सहित मुस्लिम समाज की दो अगड़ी जातियों की संख्या एक प्रतिशत से कम है। कायस्थ की संख्या बिहार की कुल आबादी का 0.6011 प्रतिशत है। मुस्लिम समाज में पठान अगड़ी जाति में हैं। इनकी संख्या 0.7548 प्रतिशत है। सैयद भी मुस्लिम समाज में अगड़ी जाति की गिनती में -शेष पृष्ठ दो पर

एक दिन में 12 नवजातों समेत 24 मरीजों की मौत

मुंबई (हि.स.)। नांदेड़ जिले में स्थित शंकरराव चव्हाण अस्पताल में पिछले 24 घंटों में 24 मरीजों की मौत हो गई है। मृतकों में 12 नवजात बच्चे भी शामिल हैं। शंकरराव चव्हाण सरकारी अस्पताल के प्रमुख डॉ. की एसआर वाकोडे ने बताया कि मरीजों को आखिरी चरण में अस्पताल में लाया गया था। इसके बाद भी मामलों की छानबीन की जा रही है। नांदेड़ जिले में स्थित डॉ. शंकरराव चव्हाण सरकारी अस्पताल में पिछले 24 घंटे में 24 मरीजों -शेष पृष्ठ दो पर

गलत डायरेक्शन के कारण दो डॉक्टरों की दर्दनाक मौत

केरल। केरल के कोच्चि में एक कार पेरियार नदी में गिर गई। इस हादसे में कार में सवार दो डॉक्टरों की मौत हो गई। वहीं, तीन अन्य लोग जख्मी हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों मृतकों के नाम अद्वैत (29) और अजमल (29) हैं। ये एक प्राइवेट अस्पताल के डॉक्टर थे। बताया जा रहा है कि डॉ अद्वैत ही कार ड्राइव कर रहे थे और उन्होंने अपने मोबाइल का गुगल मैप ऑन कर रखा था। घटना शनिवार देर रात की है। वहीं, पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि गोथुरुथ में भारी बारिश हुई है। दृश्यता भी काफी कम थी। कार चला रहा युवक गूगल मैप के बताए रास्ते से जा रहा था। उसे बाएं मोड़ पर गाड़ी -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

एक मनुष्य का सबसे बड़ा कर्म दुसरो की भलाई और सहयोग होना चाहिए; जो एक संपन्न राष्ट्र का निमार्ण करता है।

– ईश्वर चंद्र विद्यासागर

न्यूज गैलरी

असम और मेघालय में 5.2 तीव्रता का भूकंप

शिलांग। मेघालय और आसपास के राज्यों में 5.2 तीव्रता का भूकंप आया है। फिलहाल जानमाल या संपत्ति के नुकसान की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं है। भूकंप शाम 6.15 बजे पूर्वोत्तर राज्य के उत्तरी गारो हिल्स जिले में 10 किमी की गहराई पर आया। भूकंप का केंद्र जिला मुख्यालय रेसुबेलपारा से लगभग 3 किमी दूर था। झटका आस-पास के राज्यों जैसे असम, पश्चिम बंगाल के उत्तरी भाग और सिक्किम में भी महसूस किया गया। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के एक -शेष पृष्ठ दो पर

मध्य प्रदेश को देश के प्रथम तीन शीर्ष राज्यों में लाएंगे : पीएम

ग्वालियर (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि स्वच्छता में मध्य प्रदेश नंबर एक है। मध्य प्रदेश को विकास के क्षेत्र में भी टॉप पर लाने की गारंटी से अवगत कराते हुए यह बताना जरूरी है कि मध्य प्रदेश इस समय देश के 10 टॉप राज्यों में शामिल है। इसे प्रथम तीन शीर्ष राज्यों में लाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी सोमवार को ग्वालियर के मेला ग्राउण्ड में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मध्य प्रदेश को 19 हजार करोड़ रुपए लागत के अनेक विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। आधुनिक अधोसंरचना और अच्छी कानून व्यवस्था से प्रत्येक क्षेत्र में विकास आसान हो जाता है। किसान हों या कारोबारी या फिर साधारण नागरिक सभी फलते-फूलते हैं। एक समय था जब मध्य प्रदेश विशेषकर ग्वालियर-चंबल अंचल क्राइम और करप्शन का शिकार था। लेकिन अब यहां जीवन सुगम हो रहा है। समृद्धि का मार्ग आसान हुआ है। सामाजिक क्षेत्र में भी अन्याय और अत्याचार के स्थान पर विकास की ललक देखने को मिल रही है। सरकार ने सामाजिक न्याय के साथ लोगों की समस्याओं को हल करने और उनकी सुनवाई के माध्यम मजबूत बनाए हैं। आज के युवाओं ने दुरावस्था का वह समय नहीं देखा, प्रगतिशील मध्य प्रदेश ही देखा है। ग्वालियर अंचल में अनेक कार्यों के साथ ही प्रदेश के विभिन्न स्थानों को 19 हजार करोड़ की सौगात मिली है। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने प्रत्येक क्षेत्र में लोगों का कल्याण सुनिश्चित किया है। करीब चार करोड़ -शेष पृष्ठ दो पर

विमान हादसे में भारतीय उद्योगपति व बेटे सहित छह की मौत

हरारे (हि.स.)। जिंबाब्वे में भीषण विमान हादसे में एक भारतीय उद्योगपति व उनके बेटे सहित छह लोगों की मौत हो गई। खनन कंपनी के मालिक हरपाल सिंह रंधावा का निजी विमान तकनीकी खराबी के चलते दुर्घटना का शिकार हुआ। भारतीय उद्योगपति हरपाल सिंह रंधावा की कंपनी रियोजिम जिंबाब्वे में सोने, कोयले का खनन करती है। साथ ही कंपनी में निकल और तांबे जैसी धातुओं की रिफाइनिंग का भी काम होता है। रंधावा चार अरब डॉलर वाली इक्विटी फर्म जेम होल्डिंग के संस्थापक भी हैं। सिंगल इंजन वाले इस विमान का स्वामित्व कंपनी रियोजिम -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

गुवाहाटी में बना जैविक उद्यान

गुवाहाटी। असम के गुवाहाटी के निवासियों को उस जमीन पर 59 करोड़ रुपए की लागत से बना एक वनस्पति उद्यान मिल गया, जहां कभी केंद्रीय जेल हुआ करती थी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 2.58 एकड़ में स्थित जलाशयों सहित 36 बीघा (लगभग 12 एकड़) के क्षेत्र में फैले वनस्पति उद्यान का उद्घाटन किया। उद्यान में 230 से अधिक देशी प्रजातियों की वनस्पतियों से संबंधित 85,000 पौधे हैं। साथ ही परिसर के अंदर औषधीय पौधों के लिए लगभग 2.08 एकड़ का एक समर्पित स्थान रखा गया है। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए शर्मा ने रविवार को कहा कि गुवाहाटी केंद्रीय जेल को लोखरा में स्थानांतरित करने के बाद शुरू में यह निर्णय लिया गया था कि खाली जमीन पर एक शॉपिंग मॉल का निर्माण किया जाएगा। 2016 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार के सत्ता में आने पर यह निर्णय लिया गया कि वहां एक सार्वजनिक उद्यान बनाया जाए। उन्होंने कहा कि वनस्पति उद्यान गुवाहाटी के निवासियों के लिए व्यापक खुली जगह प्रदान करेगा। शर्मा ने कहा कि इसे एक उद्यान के रूप में संदर्भित करने के बजाय क्षेत्र की वनस्पतियों की स्वदेशी और दुर्लभ प्रजातियों के भंडार में बदलने के उद्देश्य से वनस्पति उद्यान का नाम दिया गया है। उन्होंने कहा कि उद्यान में *गाइड* तैनात किए जाएंगे ताकि युवा पीढ़ी के लोगों को क्षेत्र की समृद्ध वनस्पति विरासत से परिचित कराया जा सके। मुख्यमंत्री ने गुवाहाटी को *दक्षिण-पूर्व एशिया का प्रवेश द्वार* बनाने के लिए जारी और आगामी परियोजनाओं की भी जानकारी दी।

ई-सिगरेट रखना पड़ेगा भारी, उल्लंघन करने वालों पर होगा एक्शन

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने ई-सिगरेट को लेकर एक स्पष्टीकरण जारी किया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि ई-सिगरेट रखना कानून का उल्लंघन है। मंत्रालय ने बताया कि ई-सिगरेट और इसी तरह की दूसरी चीजों को रखना इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम (पीईसीए) 2019 का उल्लंघन है। सूत्रों ने बताया कि यह स्पष्टीकरण पिछले महीने नागरिक उड्डयन मंत्रालय को भेजा गया था। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम में ई-सिगरेट के इस्तेमाल पर प्रतिबंध का कोई जिक्र नहीं है। हालांकि, यह कानून ई-सिगरेट के उत्पादन, विनिर्माण, आयात, निर्यात, परिवहन, बिक्री, वितरण, भंडारण और विज्ञापन पर प्रतिबंध लगाने के लिए बनाया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के उप सचिव डॉ पुलकेश कुमार ने बताया कि पीईसीए 2019 के प्रावधानों का उल्लंघन किए बिना देश में ई-सिगरेट रखने पर पाबंदी नहीं है। हालांकि, इस प्रतिबंध में सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक निकोटीन डिलीवरी सिस्टम, हीट नॉट बर्न उत्पाद, ई-हुक्का और इसी तरह के उपकरण शामिल हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि यह जनस्वास्थ्य के हित और लोगों को नुकसान से बचाने के लिए बनाया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने पीईसीए के तहत उल्लंघन की सूचना देने के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल भी शुरू किया है। यह पोर्टल मंत्रालय को उल्लंघन पर आवश्यक कार्रवाई करने की अनुमति देगा।

मणिपुर हिंसा के पीछे खालिस्तानी आतंकियों का हाथ : खुफिया एजेंसी

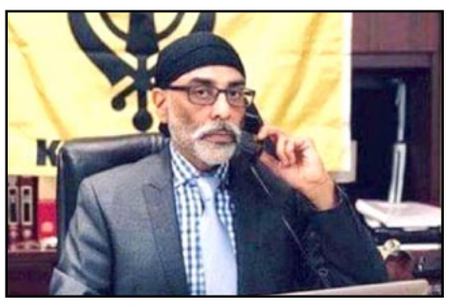

नई दिल्ली। मणिपुर में फिर से शुरू हुई हिंसा के पीछे खालिस्तानी आतंकियों का भी हाथ है। खुफिया एजेंसियों को सबूत मिले हैं कि कनाडा में खालिस्तानी आतंकी निज्जर की हत्या के बाद कुकी समुदाय के एक शीर्ष नेता ने आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के साथ बैठक की। 3 घंटे चली इस बैठक के बाद खालिस्तानी नेटवर्क के जरिए करोड़ों रुपए हवाला से मणिपुर में उपद्रवियों तक पहुंचाए गए। भारतीय एजेंसियों को कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया स्थित सरे के एक गुरुद्वारे में आयोजित खालिस्तानी समर्थकों की सभा का वीडियो मिला है। इसमें कुकी अलगाववादी नेता लीन गंग्ते भी मौजूद है। गंग्ते नार्थ अमेरिकन मणिपुर ट्राइबल एसोसिएशन (एनएएमटीए) यानी नामटा का प्रमुख है। 2 मिनट 20 सेकंड के इस वीडियो में गंग्ते वहां मौजूद लोगों को संबोधित कर रहा है। गंग्ते ने कनाडा के गुरुद्वारे में आयोजित कार्यक्रम में भारत विरोधी भाषण में कहा कि जिस तरह से आप लोग खालिस्तान की मांग कर रहे हैं, उसी तरह हम भी अलग मणिपुर के लिए लड़ रहे हैं। मणिपुर में हमारे समुदाय के नेताओं को सरकार मिटा देना चाहती है। उन्हें कनाडा में राजनीतिक शरण दी जाए। हमारे समुदाय को भी कनाडा में सियासी तौर पर आगे बढ़ने का मौका मिले। इसके बाद गुरुनानक गुरुद्वारा समिति सर्रे की ओर से कुछ खालिस्तानी समर्थकों ने गंग्ते को आगे की रणनीति साथ मिलकर बनाने का भरोसा दिया। एनआईए ने सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने के आरोप में मणिपुर में पहली गिरफ्तारी की है। एनआईए ने चूराचांदपुर से सेइमीन्लुन गंग्ते को हिरासत में लिया है।

पूसीरे में स्वच्छता पखवाड़ा पूरे उत्साह के साथ मनाया गया

गुवाहाटी (हिंस)। प्रधानमंत्री के *स्वच्छ भारत मिशन* के आह्वान के अनुरूप, 16 सितंबर से भारतीय रेल स्वच्छता पखवाड़ा का पालन कर रही है। इस राष्ट्रव्यापी अभियान को जारी रखते हुए पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) ने अपने क्षेत्र में स्वच्छता के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए कई स्वच्छता कार्यक्रमों की शुरुआत की। पखवाड़े का समापन आज हुआ। यह मुहिम लोगों को उचित स्वच्छता के पालन के बारे में जागरूक करने, खुले में शौच न करने के लिए प्रोत्साहित करने और स्टेशनों एवं रेलवे पटरियों को साफ रखने के लिए शुरू किया गया है। पहले दिन से, रेल कर्मचारियों, उनके परिवार के सदस्य और यात्री के बीच जागरूकता फैलाने के लिए रेलवे कॉलोनियों, कार्यस्थलों और स्टेशन परिसरों में कई प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये गये। एक पखवाड़े तक चले इस अभियान के दौरान स्वच्छ जागरूकता, स्वच्छ संवाद, स्वच्छ स्टेशन, स्वच्छ रेलगाड़ी, स्वच्छ परिसर, स्वच्छ आहार, स्वच्छ नीर और स्वच्छ प्रसाधन पर जोर दिया गया। पूसीरे के अंतर्गत सभी पांच मंडलों में स्वच्छता सेमिनार और जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। स्वच्छता के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ नाटक आयोजित किए गए और यात्रियों की जागरूकता के लिए विभिन्न स्टेशनों पर चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान के संदेश दिए गए। स्वच्छता पर सभी प्रकार की गतिविधियों और नवीन प्रथाओं के नियमित अपडेट पूसीरे के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर व्यापक रूप से प्रचारित किए गए। आज महात्मा गांधी की 154वीं जयंती के अवसर पर पूसीरे के अपर महाप्रबंधक यतेंद्र कुमार के नेतृत्व में गुवाहाटी रेलवे स्टेशन के पास वरिष्ठ रेल अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ स्थानीय बच्चों को शामिल करते हुए पौधारोपण के साथ एक प्रमुख स्वच्छता अभियान चलाया गया। गुवाहाटी रेलवे स्टेशन के परिसर पर नुक्कड़ नाटक, गांधीजी के चित्र पर पुष्पांजलि और भजन कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इस अवसर को याद करने के लिए, पूसीरे के पांच मंडलों में प्लेटफॉर्मों, स्टेशन परिसर, विभिन्न रेलवे स्टेशनों के सर्कुलेटिंग एरिया, अस्पताल परिसर आदि में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्वच्छता पखवाड़ा के एक हिस्से के रूप में, पूसीरे के महाप्रबंधक (निर्माण) सुनील कुमार झा ने मालीगांव स्थित पूसीरे (निर्माण) कार्यालय में गांधीजी के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की, जहां निर्माण संगठन के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। रेलवे के लिए स्वच्छता पखवाड़ा ट्रेनों, स्टेशनों, आसपास के क्षेत्रों, रेलवे कॉलोनी, स्कूलों और रेलवे अस्पतालों में उच्चतम स्तर की स्वच्छता बनाए रखने के प्रयासों में अपने कार्यों को प्रदर्शित करने का एक अवसर है।

पृष्ठ एक का शेष

सार्वजनिक सेवा से ...

उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और उनके आश्रितों के लिए चिकित्सा लाभ तक आसान पहुंच प्रदान करना है। इसके अतिरिक्त, सरकार ने शौचालय निर्माण के लिए 1 लाख लाभार्थियों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) शुरू किया, जिसमें प्रति लाभार्थी 9,000 रुपए प्रदान किए गए। बैंक अवकाश के कारण अगले कार्य दिवस पर लाभार्थियों के खाते में धनराशि आ जाएगी। सीएम शर्मा ने बिचौलियों के बजाय सीधे लाभार्थियों को पैसा भेजने के सरकार के दृष्टिकोण के बारे में बताया। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन और खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) गांवों की आवश्यकता के बारे में जागरूकता पैदा करने पर ध्यान देने के साथ, शौचालय निर्माण में लाभार्थियों को प्रशिक्षण देने के महत्व पर भी जोर दिया। शर्मा ने 2026 तक असम के सभी गांवों को ओडीएफ मुक्त बनाने के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के लक्ष्य का हवाला दिया और बताया कि पिछले वर्ष 25,000 गांवों ने ओडीएफ का दर्जा हासिल किया था। अपने संबोधन में, सीएम शर्मा ने प्लास्टिक कचरे का जिम्मेदारीपूर्वक निपटान करके गुवाहाटी को स्वच्छ रखने में नागरिकों की भागीदारी का भी आह्वान किया। उन्होंने स्कूलों और कॉलेजों से प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों के बारे में जागरूकता पैदा करने और जिम्मेदार प्लास्टिक निपटान प्रथाओं को बढ़ावा देने का आग्रह किया।

मेडिकल और इंजीनियरिंग ...

लगाकर एक पर्यावरणीय कदम उठाया है। यह कदम स्थिरता लक्ष्यों के अनुरूप है और इसका उद्देश्य राज्य में प्लास्टिक कचरे को कम करना है। उधर उच्च माध्यमिक परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन को प्रोत्साहित करने के लिए कैबिनेट ने प्रोत्साहन की शुरुआत की है। परीक्षा में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली लड़कियों और 75 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले लड़कों को स्कूटी से पुरस्कृत किया जाएगा। कैबिनेट ने गुवाहाटी और डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालयों के तहत लगभग 11 नए कॉलेजों की संबद्धता को मंजूरी दे दी है। भट्टदेव विश्वविद्यालय, रवींद्रनाथ विश्वविद्यालय और माधवदेव विश्वविद्यालय अपनी संबद्धता का विस्तार करने वाले संस्थानों में से हैं।

बिजली दरों में ...

की घोषणा की थी। अधिसूचना के अनुसार, घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 300 यूनिट तक एफपीपीपीए दर को संशोधित कर 30 पैसे प्रति यूनिट कर दिया गया है; 301 और 500 यूनिट के बीच खपत के लिए 50 पैसे प्रति यूनिट; 500 यूनिट से अधिक खपत पर 1.29 रुपए प्रति यूनिट। अन्य श्रेणियों (वाणिज्यिक, औद्योगिक, आदि) के लिए एफपीपीपीए दर 1.29 रुपए प्रति यूनिट होगी। बोरा ने कहा कि विरोध के निशान के रूप में नवीनतम टैरिफ वृद्धि नोटिस को जलाया जाएगा। हम राज्य के लोगों के सामने प्रतिज्ञा करते हैं कि जिस दिन कांग्रेस असम में सत्ता में लौटेगी, हर परिवार को 200 यूनिट मुफ्त बिजली मिलेगी। मौजूदा राज्य सरकार की आलोचना करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति का आश्वासन देकर सत्ता में आई थी। हालांकि, अब पूरा राज्य गंभीर बिजली कटौती/लोडशेडिंग से पीड़ित है। असम को 2600 मेगावाट बिजली की जरूरत है। हालांकि, यह पहले की तरह 250 मेगावाट बिजली का उत्पादन जारी रखता है कि एपीसीसी प्रमुख ने कहा। उन्होंने आगे बताया कि एपीडीसीएल ने सितंबर 2022 में 33,635 करोड़ रुपए का लाभ दर्ज करने के बावजूद, बार-बार बिजली दरों में बढ़ोतरी की है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बार-बार अत्यधिक बिजली दरों में बढ़ोतरी करके जनता की असुविधा की कीमत पर एपीडीसीएल को मुनाफा कमाने की इजाजत दे रही है।

300 यूनिट तक ...

उपभोक्ताओं के लिए, सितंबर 2023 के महीने के दौरान खपत की गई ऊर्जा के खिलाफ लागू ईंधन और बिजली खरीद मूल्य (एफपीपीपीए) उपभोक्ताओं से दैनिक किस्त (1 अक्तूबर से 31 दिसंबर, 2023) के रूप में 92 दिनों में वसूला जाएगा। एपीडीसीएल के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि प्री-पेड उपभोक्ताओं के लिए, खपत की गई यूनिट के खिलाफ सितंबर 2023 महीने के लिए एफपीपीपीए शुल्क तीन महीने में वसूल किया जाएगा। हम यह रकम एक दिन में नहीं, बल्कि 92 दिनों में वसूलने जा रहे हैं। अधिकारी ने यह भी बताया कि असम विद्युत नियामक आयोग (एईआरसी) द्वारा निर्धारित नई एफपीपीपीए दरें सितंबर 2023 के दौरान खपत की गई ऊर्जा के लिए 1 अक्तूबर, 2023 से लागू की जाएंगी। अन्य पारंपरिक प्रीपेड उपभोक्ताओं के लिए, एफपीपीपीए को संभावित आधार पर लागू किया जाएगा। अधिसूचना में यह भी कहा गया है कि निर्धारित अवधि के भीतर खपत में मौसमी बदलाव के कारण कम/अधिक वसूली के संबंध में किसी भी समायोजन को बाद की अवधि में या सक्षम प्राधिकारी के निर्देशानुसार समायोजित किया जाएगा। बता दें कि इससे पहले एपीडीसीएल ने एक नोटिफिकेशन जारी कर कहा था कि 300 यूनिट तक इस्तेमाल के लिए उपभोक्ताओं से 30 पैसे प्रति यूनिट चार्ज लिया जाएगा। दूसरी ओर, 301 और 500 यूनिट के बीच की खपत में प्रति यूनिट 50 पैसे की वृद्धि देखी जाएगी, जबकि 500 यूनिट से अधिक की खपत में 1.29 रुपए प्रति यूनिट की उल्लेखनीय वृद्धि देखी जाएगी।

दो अल्फा (स्वा.) कैडर ...

अरुणाचल पुलिस के अधिकारी ने कहा कि दोनों कैडरों की पहचान नीलुतपल असोम उर्फ मोनजीत गोगोई और उपेन असोम उर्फ रुहिनी गोगोई के रूप में की गई है। दोनों असम के रहने वाले हैं और पिछले साल संगठन में भर्ती हुए थे। अधिकारी ने कहा कि दोनों के पास से एक प्वाइंट 32 और एक 9 मिमी. पिस्तौल बरामद की गई। पुलिस अधिकारी ने कहा कि म्यांमार से संबंधित आतंकवादी खतरनाक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए भारतीय क्षेत्र में घुसने की कोशिश कर रहे हैं। अधिकारी ने कहा कि इस साल अकेले अरुणाचल प्रदेश के दक्षिणी इलाकों में अल्फा (स्वा.) कैडरों की कई गिरफ्तारियां और आत्मसमर्पण हुए हैं। लगातार हो रही कार्रवाई से प्रतिबंधित संगठन अल्फा (स्वा.) की गतिविधियों को झटका लगा है। बता दें कि अल्फा (स्वा.) पूर्वोत्तर और असम में सक्रिय एक उग्रवादी संगठन हैं। यह संगठन हिंसा संघर्ष के द्वारा असम को एक स्वतंत्र राज्य बनाने की मांग करता है। भारत सरकार ने इसे साल 1990 में बैन कर दिया था, साथ ही इसे आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया था। वहीं नगालैंड पुलिस के साथ शुरू किए गए इसी तरह के एक संयुक्त अभियान में नगालैंड के मोन जिले में एनएससीएन (के) के एक कैडर को गिरफ्तार किया गया। बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया।

चुराचांदपुर जिले में ...

बंद के दौरान सार्वजनिक वाहन सड़कों से नदारद रहे, जबकि बाजार और व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। मणिपुर के मान्यता प्राप्त आदिवासियों के समूह आईटीएलएफ (आईटीएलएफ) ने गिरफ्तारियों के विरोध में सोमवार सुबह 10 बजे से जिले में अनिश्चितकालीन बंद का आह्वान किया है। साथ ही सभी लोगों को 48 घंटे के भीतर रिहा करने की मांग की है। चुराचांदपुर स्थित संयुक्त छात्र निकाय (जेएसबी) ने भी सोमवार सुबह 6 बजे से जिले में 12 घंटे के बंद का आह्वान किया है। गौरतलब है कि 20 वर्षीय युवक फिजाम हेमनजीत और 17 साल की लड़की हिजाम लिनथोइनगांबी 6 जुलाई को लापता हो गए थे। उनके शवों की तस्वीरें 25 सितंबर को सामने आईं, जिसके बाद से छात्रों द्वारा हिंसक विरोध प्रदर्शन होने लगे। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने रविवार को कहा था कि दो मणिपुरी युवकों के अपहरण और हत्या के मामले में सीबीआई ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है और सरकार उनके लिए अधिकतम सजा सुनिश्चित करेगी। सिंह ने बताया कि एनआईए ने भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए म्यांमार और बांग्लादेश स्थित आतंकी संगठनों के नेतृत्व द्वारा एक अंतर्राष्ट्रीय साजिश के मामले में शनिवार को चुराचांदपुर से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति 19 जुलाई को स्वत: संज्ञान से दर्ज मामले में पकड़ा गया दूसरा आरोपी था। वहीं, 22 सितंबर को एनआईए ने इस मामले में मणिपुर से एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। अनुसूचित जनजाति (एसटी) की मैतेई समुदाय की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में *आदिवासी एकजुटता मार्च* के आयोजन के बाद 3 मई को मणिपुर में जातीय झड़पें हुई। अब तक 180 से अधिक लोगों की जान चली गई और कई सैकड़ों घायल हो गए है। जानकारी के लिए बता दें कि मणिपुर की आबादी में मेइतेई लोगों की संख्या लगभग 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं। आदिवासी - नागा और कुकी - 40 प्रतिशत से कुछ अधिक हैं और पहाड़ी जिलों में रहते हैं।

सबूतों के आधार...

करने के कठिन काम का सामना करना पड़ रहा है। कुकी समुदाय का प्रतिनिधित्व करने का दावा करने वाले संगठन इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फ्रंट (आईटीएलएफ) द्वारा लगाए गए आरोपों का दोनों जांच एजेंसियों ने खंडन किया है। अधिकारियों ने कहा कि किसी भी समुदाय, धर्म या संप्रदाय के खिलाफ कोई पक्षपात नहीं दिखाया गया है और केवल भारतीय दंड संहिता की नियम पुस्तिका का पालन किया जा रहा है। अधिकारियों ने हाल ही में एक आदिवासी सेमिनलुन गंगटे की गिरफ्तारी का जिक्र करते हुए कहा कि वह 21 जून को बिष्णुपुर जिले के क्वाक्टा इलाके में हुए एसयूवी विस्फोट मामले में मुख्य आरोपियों में से एक है। आरोपी को अभी एनआईए की हिरासत में भेज दिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि आधारहीन आरोप केवल जांच भटकाने और आम जनता के बीच भ्रम पैदा करने के लिए लगाए जा रहे हैं। 22 सितंबर को एनआईए ने मोइरांगथेम आनंद सिंह को एक अलग मामले में इंफाल से गिरफ्तार किया था। सिंह को चार अन्य लोगों के साथ मणिपुर पुलिस ने पुलिस शस्त्रागार से लूटे गए हथियार रखने के आरोप में गिरफ्तार किया था। हालांकि, सभी पांचों को जमानत मिल गई, लेकिन सिंह को एनआईए ने आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने कहा कि उसे दिल्ली लाया गया और उचित कानूनी प्रक्रिया का सामना करना पड़ रहा है।

प्रसाद खाकर 200 ...

राज्य भर के नामघरों में हुए उत्सव के दौरान जहरीला चना का प्रसाद खाने की वजह से बड़ी संख्या में लोग बीमार पढ़ चुके हैं। बीते सप्ताह राज्य के लखीमपुर जिले में इसी प्रकार से बड़ी संख्या में प्रसाद खाकर लोगों के बीमार होने की खबर आई थी। प्रशासन को चाहिए कि बाजार में जहरीले पुराने चना की बिक्री पर प्रतिबंध लगाए।

बिहार में जातिगणना...

हैं। इनकी संख्या कुल आबादी का 0.2279 प्रतिशत है। जाति आधारित गणना की रिपोर्ट में समेकित रूप से अति पिछड़ा वर्ग के लोगों की संख्या तो सबसे अधिक है, लेकिन अगर इन जातियों का ब्रेकअप देखा जाए तो इनमें एक प्रतिशत से कम संख्या वाली जातियों की संख्या सबसे अधिक है। इन जातियों में अघोरी, अदरखी, अबदल, अमात, अवध बनिया, असुर, अगरिया, इदरीसी, ईटफरोश, गदहेड़ी, ईंटपज इब्राहिमी, ईसाई धर्मावलंबी (हरिजन) उरांव, कपरिया,करमाली, कलंदर, कवार, कसाब, कागजी, कादर, किसान नागोसिया, कुल्हैया, केवट, केवर्त, गोल, कौरा, कोरा, कोस्कू, कौरवा, कोल, कोस्ता, कुरारियार और कंजर एक प्रतिशत से कम संख्या वाली जातियां हैं। इनके अलावा, खटवा, खटिक, खटिक, खलौरी, खरवार, खरिया, खेलटा, खोंड, खंगर, गद्दी, गुलगुलिया, गोड़ी, गोंड, गोराइत, गोस्वामी, संन्यासी, गंगई, गंगोता, गंधर्व, घटवार, घासी, चनऊ, चपोता, चांय, चीक, चिक बराइक, चूड़ीहार, चेरों, छीपी, जट, जटपुतिया, जागा, जोगी, टिकुलहार, ठकुराई, डफाली, बांसफोड़ और ढेकारू की संख्या भी एक प्रतिशत से कम है। भार, भास्कर, भूइया, भूईयार, भोक्ता, मझवार, मडरिया, मदार, मदारी, मलार, मारकंडे, माल पहरिया, माहली, माली, मांगर, मुकेरी, मुन्हा पातर, गिरियासीन, मोरशिकार, मोरियारी, मौलिक, रजवार, राजधोबी, राजभर, राजवंशी, रौतिया, रंगरेज, रंगवा, लहेड़ी, लालबेगी, लोहरा, वनपर, विरिजिय और शिवहरी की आबादी भी एक फीसदी से कम है। शेरशाहबादी, फकीर, सामरी वैश्य, सावर, सिंदुरिया बनिया, सुकियार, सूत्रधार, सेखड़ा, सिकलगर, सेंधवार, सोनार, सोयर, सौरिया पहाड़िया, सोता, संतराश, हलालखोर, हलवाई, गोलवारा, खत्री, धरामी, सूतिहर, बहेलिक, रस्तोगी, केवानी व अन्य भी एक प्रतिशत से कम संख्या वाली जातियां हैं। अनुसूचित जाति व जनजाति में भी एक प्रतिशत से कम आबादी वाले हैं। इनमें धोबी रजक, धोबी (मुस्लिम), पासी, संथाल, भंगी, मेहतर, उरांव व डोम आदि का नाम लिया जा सकता ह।

एक दिन में 12 ...

की मौत हो गई है। 12 नवजात मृतकों में 6 लड़के और 6 लड़कियां शामिल हैं, जबकि अन्य 12 मृतकों की मौत सर्पदंश की वजह से हुई है। इस अस्पताल में सर्पदंश दवाओं की आपूर्ति नहीं की जा रही है। डॉ. शंकरराव चव्हाण अस्पताल के प्रमुख एसआर वाकोडे ने इस बारे में गोलमोल जवाब दिया है। हालांकि, नांडेड़ जिले के सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इस मामले की गहन छानबीन की मांग की है। इसी तरह की घटना पहले ठाणे के कलवा अस्पताल में भी हुई थी। ठाणे के सरकारी अस्पताल में महज 36 घंटे में 22 लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले की छानबीन का आदेश मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दिया था और मामले की जांच जारी है।

गलत डायरेक्शन के ...

घुमानी थी, लेकिन वह गलती से आगे बढ़ गया और गाड़ी नदी में गिर गई। वहीं, हादसे को देख घटनास्थल पर तत्काल स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। वहां मौजूद एक शख्स ने पुलिस को फोन कर जानकारी दी। खबरों के मुताबिक, शनिवार को डॉ. अद्वैत का जन्म दिन था। कार में अद्वैत के साथ और अन्य चार लोग मौजूद थे। पांचों कोच्चि से कोडुंगल्लूर लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि ये लोग अद्वैत के जन्मदिन को लेकर शॉपिंग करने गए थे। वहीं, हादसे में बचे डॉ. गाजकि थाबसीर ने बताया कि हम लोग जीपीएस की मदद से आगे जा रहे थे। कार मैं ड्राइव नहीं कर रहा था। हादसा गूगल मैप के बताए गलत डायरेक्शन की वजह से हुआ या गाड़ी से नियंत्रण खोने से, इस बात पर मैं कोई सटिक प्रतिक्रिया नहीं दे सकता। वहीं, हादसे के बाद परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस दुर्घटना की जांच में जुटी है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि दोनों डॉक्टरों का शव कब्जे में ले लिया गया है। शवों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

मध्य प्रदेश को...

लोगों को अपना घर मिला है। मध्य प्रदेश में लाखों लोगों को अपने मकान का सपना पूरा करने का अवसर मिला है। आवास निर्माण में महत्वपूर्ण बात यह है कि हितग्राही को अपने सपनों के अनुरूप मकान बनाने का अवसर मिला। जैसे-जैसे मकान के निर्माण का कार्य पूर्ण होता जाता है, हितग्राही के खाते में राशि डालने का कार्य भी होता है। इन मकानों के साथ टॉयलेट सुविधा, बिजली और उज्ज्वला गैस कनेक्शन एवं नल से जल की सुविधा भी दी जा रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना में घरों की रजिस्ट्री ज्यादातर महिलाओं के नाम हो रही है। उम्मीद की जाना चाहिए कि इन घरों में आने के बाद सभी परिवार बच्चों को पढ़ाएंगे और उन्हें कौशल सिखाएंगे। उन्होंने कहा कि नारी सशक्तिकरण का कार्य राष्ट्र निर्माण के रूप में एक समर्पित मिशन है। पूर्व में बहनों के लिए एक तिहाई आरक्षण की बात की गई, लेकिन इस बारे में कानून के निर्माण को रोक दिया गया। आज नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक सच्चाई है। विकास की गाथा में मातृ शक्ति की भागीदारी बड़े, इस दिशा में आगे जाना है। मोदी ने कहा कि जिनको किसी ने नहीं पूछा, उस वर्ग को हम पूछते और पूजते हैं। कुछ साल पहले तक दिव्यांगों को बेसहारा छोड़ दिया गया था। दिव्यांग कल्याण के क्षेत्र में सरकार ने महत्वपूर्ण कार्य किया है। सांकेतिक भाषा के माध्यम से दिव्यांग सुविधाएं प्राप्त करेंगे। अटल बिहारी वाजपेयी दिव्यांग स्पोर्ट्स ट्रेनिंग सेंटर ग्वालियर में प्रारंभ होगा, जो ग्वालियर का नाम रोशन करेगा। यही नहीं आज ग्वालियर से सुमावली ब्राड गेज के कार्य का लोकार्पण, मेडिकल कॉलेज ग्वालियर में 50 बिस्तर के क्रिटिकल हेल्थ केयर हेल्थ ब्लॉक शिलान्यास भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आज ग्वालियर अंचल के साथ ही प्रदेशभर के कई स्थानों में नई योजनाओं का शिलान्यास और पूर्ण कार्यों का लोकार्पण हो रहा है। जहां उज्जैन में विक्रमपुरी औद्योगिक टॉउनशिप का लोकार्पण हुआ है, वहीं इंदौर के मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क का शिलान्यास भी हुआ है। दिल्ली-बड़ोदरा एक्सप्रेस-वे के अंतर्गत 244 किलोमीटर लंबाई के मार्ग का लोकार्पण, इंडियन ऑयल कार्पोरेशन के मालनपुर बॉटलिंग प्लांट का लोकार्पण और इंडियन ऑयल कार्पोरेशन के रतलाम टर्मिनल पर अतिरिक्त सेवाओं का लोकार्पण महत्वपूर्ण है। सड़क परियोजनाओं में राघवगढ़-इंदौर-हरदा, बांकानेर घाट निर्माण, जीरापुर-पचोर, आष्टा बायपास और खिलचीपुर बायपास के कार्यों के लिए भूमिपूजन भी हुआ है। इसके साथ ही आईआईटी इंदौर के अकादमिक भवन के लोकार्पण के साथ हॉस्टल भवन एवं लैब कॉम्प्लेआक्स के शिलान्यास से विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। मोदी ने ग्वालियर और श्योपुर जिलों की जल जीवन मिशन परियोजनाओं के भूमिपूजन को इस अंचल के लिए महत्वपूर्ण सौगात बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रदेश के विदिशा मेडिकल कॉलेज सहित बैतूल, कटनी, बुरहानपुर, नरसिंहपुर, दमोह, आगर-मालवा और शाजापुर में 50 बिस्तर क्षमता के क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉक बनाने के लिए भूमिपूजन हुआ है। स्वास्थ्य क्षेत्र में नागरिकों को ज्यादा सुविधा मिलेगी।

विमान हादसे में ...

के पास है। यह विमान राजधानी हरारे से मुरोवा हीरे की खदान जा रहा था। इसी दौरान जिंबाब्वे के दक्षिणी पश्चिमी इलाके माशावा में स्थित एक हीरा खदान के पास तकनीकी खराबी के चलते एक इंजन वाले सेसेना 206 एयरक्राफ्ट में हवा में ही विस्फोट हो गया। भारतीय उद्योगपति रंधावा कंपनी के निजी विमान पर अपने बेटे व चार अन्य लोगों के साथ सवार थे। इस दुर्घटना में विमान में सवार सभी छह लोगों की मौत हो गई। विमान हादसे में मरने वालों में हरपाल सिंह रंधावा, उनका बेटा और चार अन्य लोग शामिल हैं। रंधावा की कंपनी ने बयान जारी कर हरपाल सिंह रंधावा की मौत की पुष्टि की है।

असम और मेघालय...

अधिकारी ने बताया कि हमें जानमाल के नुकसान या संपत्ति के नुकसान की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। पूर्वोत्तर राज्य उच्च भूकंपीय क्षेत्र में आते हैं और इस क्षेत्र में अक्सर भूकंप आते रहते हैं। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, धरती के अंदर बढ़े दबाव के मद्देनजर अब भूकंप के बाद भी कई झटके महसूस हो सकते हैं। एनसीएस की इस पर कड़ी नजर है। 24 घंटे के भीतर 4.0 से 4.2 तीव्रता का पहला झटका आ सकता है।

फकीराग्राम म्युनिसिपल बोर्ड का अमृत कलश यात्रा आयोजित

कोकराझाड़ (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान और आजादी के *अमृत महोत्सव* के अनुरूप मेरी मिट्टी मेरा देश के तहत कोकराझाड़ जिला के फकीराग्राम म्युनिसिपल बोर्ड के आठ वार्डों से मिट्टी इकट्ठा करने के बाद, वार्ड सदस्य एक साथ बोर्ड को मिट्टी से भरा कलश सौंपा। विभिन्न वार्डों से कलश में लाई गई मिट्टी को लेकर एक रैली भी निकली गई जो विभिन्न वार्डों से होकर बोर्ड कार्यालय में लाया गया। ज्ञात हो कि महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर पूरे देश के साथ-साथ आज सुबह सर्वप्रथम बोर्ड की पहल पर *अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस* मनाया गया। आज के कार्यक्रम में बोर्ड के अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा के साथ सभी वार्ड सदस्य एवं कर्मचारियों एवं स्थानीय महिलाओं ने हिस्सा लिया।

सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत

डिब्रूगढ़ (हिंस)। एक दुखद घटना में दो लोगों की आज मौत हो गई। जानकारी के अनुसार डिब्रूगढ़ में एक डंपर और स्कूटी की आमने-सामने की टक्कर में एक महिला सहित दो लोगों की मौत हो गई। यह घटना जिले के दुलियाजान इलाके में हुई। जानकारी के अनुसार, यह दुर्घटना तब हुई जब एक तेज रफ्तार डंपर ने स्कूटी को सामने से टक्कर मार दी। जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति भी घायल हो गया। हादसे में एक पुरुष की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, महिला की अस्पताल में मौत हो गई। मृतक की पहचान माकुम देबजान के दीपांजल सतनामी के रूप में हुई है। जबकि, महिला की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। डंपर चालक दुर्घटना के बाद मौके से फरार हो गया।

51 किग्रा गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

करीमगंज (हिंस)। मादक पदार्थ रोधी अभियान में आईसी चुराईबारी ने चुराईबारी जांच चौकी पर एक वाहन को आज रोका और वाहन के अंदर एक बॉक्स से 51 किलोग्राम गांजा जब्त किया। इस संबंध में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

मणिपुर सिटीजन फोरम का इंफाल में धरना-प्रदर्शन

राज्यपाल के जरिए राष्ट्रपति को सौंपा ज्ञापन

इंफाल (हिंस)। राज्य में जारी हिंसा ने 33 लाख लोगों के जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है, खासकर स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और जीवन के कई अन्य क्षेत्रों में। हिंसा की तीव्रता और मौजूदा कानून व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए, ऐसी आशंका है कि अन्य जातीय समुदाय केवल मूक दर्शक न बने रहें, जिससे गृह युद्ध हो सकता है। 3 मई, 2023 को बिष्णुपुर जिले के टोरबंग में हुई हिंसा को रोका जा सकता था, अगर राज्य सरकार ने हिंसा से पहले और बाद में समय पर कार्रवाई की होती। दुर्भाग्य से, सरकार लंबे समय से *खुफिया विफलता और राज्य के सुरक्षा तंत्र की ओर से* चूक के कारण स्थिति को रोकने में विफल रही है, जैसा कि मुख्यमंत्री, जो गृह विभाग के प्रभारी भी हैं, ने स्वीकार किया है। 5 महीने तक चली हिंसा में कम से कम 180 निर्दोष लोगों की जान चली गई, जबकि राज्य के लगभग एक लाख लोग विस्थापित हो गए और उन्हें अमानवीय जीवन स्थितियों वाले राहत शिविरों में रहने के लिए मजबूर होना पड़ा। हिंसा के तांडव को रोकने के लिए राज्य और केंद्रीय सुरक्षा बलों की भारी तैनाती के बावजूद, शांति बहाली और विस्थापित लोगों के अपने मूल गांवों में वापस जाने का कोई संकेत नहीं दिख रहा है। बल्कि, मेइतेई और कुकी के बीच जातीय विभाजन गहरा रहा है और जातीय समुदायों के बीच इस बात को लेकर आरोप-प्रत्यारोप चल रहा है कि पहले किसने शुरुआत की। विडंबना यह है कि ये मुद्दे जातीय समुदायों के बीच सीधे टकराव में बदल गए हैं। मैतेई और कुकी के बीच। कुकी आतंकवादियों द्वारा कथित तौर पर एक नाबालिग छात्रा सहित दो मैतेई छात्रों का अपहरण और निर्मम हत्या बेहद निंदनीय है। सरकार को दोषियों का पता लगाने के लिए त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए और मणिपुर के लोगों, विशेष रूप से छात्र समुदाय, का प्रतिष्ठान के प्रति विश्वास बहाल करने के लिए सबसे कठोर अधिनियमों के तहत मामला दर्ज करना चाहिए। सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी और मणिपुर के कुकी आबादी वाले जिलों के पहाड़ी इलाकों में बड़े पैमाने पर पोस्ता के बागान इस हिंसा के कारणों में से एक हैं। दूसरा कारण मणिपुर में सीमा पार (म्यांमार) से चिन-कुकी-जो लोगों के अवैध अप्रवासियों का लंबे समय तक और लगातार प्रवेश है, खासकर कुकी बाधित जिलों में। इससे बहुसंख्यक समुदाय मैतेई में भय-मनोविकृति पैदा हो गई है कि एक दिन उनका दर्जा कम होकर अल्पसंख्यक हो सकता है। एक अन्य संबंधित मुद्दा कुकी बहुल जिलों में आरक्षित वन और अन्य वर्गीकृत वन क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर मानव बस्ती है। इस मुद्दे को आम जनता को शामिल किए बिना राज्य सरकार और केंद्र सरकार द्वारा नियंत्रित किया जाना एक चुनौती है। सभी मुद्दों पर विचार करते हुए मणिपुर नागरिक मंच ने भी व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करने और हिंसा को समाप्त करने के लिए राज्य और केंद्र सरकार के साथ मुद्दों को उठाने के लिए और राज्य में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए मणिपुर के राज्यपाल के माध्यम से भारत के राष्ट्रपति को एक ज्ञापन सौंपा।

मेरी मिट्टी मेरा देश के तहत काछुमारा व मोहाचरा में अमृत कलश यात्रा का आयोजन

नगरबेड़ा (विभास)। प्रदेश के बरपेटा जिले के चेंगा विकासखंड की काछुमारा और मोहचरा ग्राम पंचायतों में आज पूरे देश के साथ मेरी मिट्टी मेरा देश के अवसर पर अमृत कलश यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सरकार के आदेश के अनुसार, काछुमारा पंचायत की अध्यक्ष मजेदा बेगम और मोहचरा ग्राम पंचायत अध्यक्ष रजीदा खातून के साथ दोनों पंचायतें अलग-अलग थीं उनके साथ आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं और स्थानीय लोग गांव में घर-घर जाकर जमीन एकत्र करते हैं और अपने-अपने पंचायत कार्यालयों में संरक्षित करते हैं। कार्यक्रम के अंत में महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर दोनों पंचायतों के कार्यालयों के परिसर में एक विशेष ग्राम बैठक आयोजित की गई। मेरा देश मेरी भूमि और होने वाली संस्कृति झुलस पर विस्तार से चर्चा करता है। उधर, मोहचरा ग्राम पंचायत अध्यक्ष राशिदा खातून की अध्यक्षता में आयोजित ग्राम सभा में कर कलेक्टर अब्दुल मालेक द्वारा उद्देश्य समझाया गया। बरपेटा जिले के अतिरिक्त आयुक्त राजीव दास ने विशेष ग्राम बैठक में भाग लिया और सरकार द्वारा किए गए कार्यक्रमों को संबोधित किया।

नकली सोने का कारोबार करने वाले बिहार के तीन लोग असम से गिरफ्तार

गुवाहाटी। नकली सोने का कारोबार करने के आरोप में असम के हैलाकांडी जिले से बिहार के रहने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें एक महिला भी शामिल है। पुलिस ने बताया कि बिहार के गया के रहने वाले तीन लोग जिनमें रामू प्रजापति, सुदामा प्रजापति और यमुना यादव शामिल हैं, गिरजेश विश्वकर्मा को कथित तौर पर नकली सोना बेचने के लिए हैलाकांडी आए थे। हैलाकांडी शहर में एक सरकारी कार्यालय में काम करने वाले विश्वकर्मा भी बिहार के रहने वाले हैं। 卐एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि तीन व्यापारियों ने नकली सोना बेचने के लिए उससे संपर्क किया। हमें अपने गुप्त सूत्रों से जानकारी मिली और हमने एक ऑपरेशन लॉन्च किया। जब तीनों रविवार को गिरजेश विश्वकर्मा को सामान बेचने के लिए हैलाकांडी शहर में एक स्थान पर पहुंचे, तो हमने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।%%पुलिस ने दावा किया कि उन्होंने गिरफ्तार किए गए लोगों के कब्जे से कम से कम 2 किलो नकली सोना जब्त किया है।

संस्कार ही समाज-परिवार का दर्पण : आचार्य प्रमुख सागर

गुवाहाटी (विभास)। भगवान महावीर धर्म स्थल में असम के राज्यकीय अतिथि आचार्य प्रमुख सागर महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में धर्म की प्रभावना बह रही है। प्रातः अभिषेक-शांतिधारा के पश्चात आचार्य श्री ने आज धर्म सभा में संस्कारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मनुष्य के संस्कार ही उसको आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। व्यक्ति के जीवन में संस्कार होना बहुत जरूरी है। संस्कार हमारे जीवन एवं परिवार का दर्पण है। मन, कर्म, एवं शरीर को पवित्र करना ही संस्कार है अगर संस्कार और

मर्यादा ना हो तो मनुष्य का पतन निश्चित है। पुष्प प्रमुख वर्षा योग समिति के मुख्य संयोजक ओम प्रकाश सेठी ने बताया कि रविवार को आचार्य श्री के 50वें स्वर्ण जयंती महोत्सव एवं क्षमावाणी के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा पहुंचे थे। इस मौके पर उन्होंने आगामी साल से राज्यभर में साल के एक दिन को क्षमा याचना दिवस घोषित करने की बात कही। मालूम हो कि आचार्य श्री ने मुख्यमंत्री से विश्व मंगल के लिए शांतिधारा करवाई। तथा मंगल कलश देकर आशीष प्रदान किया। यह जानकारी समाज के प्रचार-प्रसार विभाग के सह संयोजक सुनील कुमार सेठी द्वारा दी गई है।

लियो क्लब ऑफ गौहाटी का स्वर्ण जयंती समारोह संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। शहर के अग्रणी लियो क्लब में से एक लियो क्लब ऑफ गौहाटी ने अपना पच्चीसवीं चार्टर समारोह 1 अक्तूबर को लोहिया लायंस गौहाटी ऑडिटोरियम में बड़े ही धूम धाम से मनाया। लियो क्लब ऑफ गौहाटी 15 अप्रैल 1974 को चार्टर हुई थी और तब से लेकर अभी तक अनेक समाज सेवी, आत्म विकास कार्य में तत्पर रहती है। कार्यक्रम के शुरुआत में लियो अध्यक्ष आदर्श काशलीवाल ने सभी को स्वागत भाषण देकर स्वागत किया। इस कार्यक्रम में 1974 के चार्टर अध्यक्ष अशोक जालान, चार्टर सचिव सुरेश जैन, चार्टर

कोषाध्यक्ष उत्तम सिंह कुठारी, के साथ-साथ 35 पूर्व अध्यक्ष और 15 चार्टर सदस्य मौजुद रहे। मालूम हो कि इस कार्यक्रम में लियो आदित्य अग्रवाल के संपादकीय में लियो क्लब ऑफ गौहाटी की स्वर्ण जयंती स्मारिका का भी विमोचन किया गया, जिसमें क्लब के 50 साल की सारी जानकारी और पुरानी तस्वीरों का सुंदर दृश्य दिखाया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष ऋषभ बजाज ने बहुत ही उत्साह से कार्यक्रम का संचालन किया जिसका सभी ने बहुत ज्यादा तारीफ की। इस कार्यक्रम में लायंस डिस्ट्रिक्ट 322जी के पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डीपी बजाज, एमएल अग्रवाल, राधा अग्रवाल, एमपी अग्रवाल के साथ, द्वितीय वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर सीमा गोयनका, तत्काल पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर बीएस राठौड़, लियो डिस्ट्रिक्ट के पूर्व डिस्ट्रिक्ट अध्यक्ष, लियो डिस्ट्रिक्ट के अध्यक्ष प्रमित गांघ, लायंस क्लब ऑफ गौहाटी के अध्यक्ष अजय पोद्दार और उनकी पूरी टीम, लियो सलाहकार गौरव खंडेलिया के अलावा लायंस, लियो डिस्ट्रिक्ट 322जी और अन्य लियो क्लब के अन्य गणमान्य लोग भी मौजुद थे। श्री अशोक जालान ने अपने भाषण में बड़े ही सुंदर ढंग से बताया कि 1973 में गौहाटी के क्लब का शुभारंभ किस प्रकार हुआ था। सभी चार्टर सदस्यों और पूर्व अध्यक्षों ने लियो क्लब ऑफ गौहाटी के इस कार्यक्रम की चर्चा की और अपने-अपने मन की बात रखी। कार्यक्रम के अंत में सचिव अनिरुद्ध हंसारिया ने धन्यवाद ज्ञापन देकर सभी का आभार व्यक्त किया।

वन बंधु गुवाहाटी महिला समिति की वृहद वन यात्रा का आयोजन

गुवाहाटी (विभास)। गुवाहाटी नगर से 70 किलोमीटर की दूरी पर स्थित नौगांव अंचल के जागी रोड संच के *किलिंग टिंग* विद्यालय ग्राम के एकल विद्यालय का दर्शन के लिए गुवाहाटी महिला समिति के 17 सदस्य व आठ अतिथियों के साथ उपस्थित हुए। अतिथि गण जो जागीरोड के ही रहने वाले थे। दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया बच्चों ने गायत्री मंच उच्चारण करते हुए वातावरण को शुद्ध किया। सर्वप्रथम राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती उमा जी देवड़ा ने अपना संबोधन रखा। अध्यक्ष वंदना बगड़िया ने सभी का स्वागत करते हुए उपस्थित अतिथियों का विशेष स्वागत व अभिनंदन किया। 19 आचार्य एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। कुछ सदस्यों ने उपस्थित आचार्यों व कार्यकर्ताओं से आचार्य डिजिटल एप के प्रयोग में आने वाली परेशानियों की जानकारी ली। कुछ सदस्यों ने बच्चों के साथ प्रश्न उत्तर प्रतियोगिता का आयोजन किया बच्चे उत्साहपूर्वक उत्तर दे रहे थे। सदस्य नीरु गुप्ता ने जब बच्चो को कविता पाठ सीखाना प्रारंभ किया तो उपस्थित अतिथियों ने भी उनका साथ देते हुए झूमने लगे बहुत ही खुश नुमा वातावरण बन गया था। सभी बच्चो को उपहार दिया व अल्पाहार उपलब्ध करवाए। जनसंपर्क अधिकारी बिमला बजाज ने बताया कि सभी सदस्यों ने अध्यक्ष की सराहना करते हुए कहा कि प्रथम बार 25 महिलाओं की उपस्थिति के साथ वन यात्रा का सफल आयोजन होना कबीले तारीफ है। उपस्थित अतिथियों ने भाव विभोर होकर सदस्यता ग्रहण करने की इच्छा जताई। कार्यक्रम को सफल बनाने में जोनल सचिव ललिता जैन, समिति सचिव सरिता अग्रवाल, सह वनयात्रा प्रभारी अंजु सरावगी, सह कोषाध्यक्ष जयति जाना, वरिष्ठ सदस्य सुमित्रा काबरा के साथ अन्य सदस्यों का रहा।

रंगिया : महात्मा गांधी की जन्मोत्सव पर अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस आयोजित

रंगिया (विभास)। कामरूप जिला प्रशासन द्वारा मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस। नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन, वृक्षारोपण, शपथ ग्रहण, चर्चा बैठक आयोजित अमीनगांव में एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय प्रांगण में को जातीय पिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कामरूप चुनाव अधिकारी मानसज्योति बोरा ने पौधारोपण कर किया। इसके बाद नटराज नाट्य ग्रुप रंगिया ने महात्मा गांधी के अहिंसक सिद्धांतों पर आधारित एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। इस मौके पर कामरूप जिले के एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय के सभागार में आयोजित एक बैठक में महामानव महात्मा गांधी की छवि पर माल्यार्पण किया गया। उक्त बैठक में ही अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के अवसर पर *अहिंसा और शांति संकल्प* शपथ पाठ कामरूप जिला के सदर महकमाधिपति श्यामन्त रवि बोरा ने करवाया तथा उन्होंने महात्मा गांधी के जीवन और आदर्शों पर एक संक्षिप्त भाषण भी दिया। इस कार्यक्रम में एकीकृत कामरूप जिला आयुक्त कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारी सहित नटराज नाट्य समूह के कलाकार शामिल हुए और अहिंसा और शांति का संकल्प लिया।

लायंस उमंग का मेगा स्वास्थ्य शिविर आयोजित

छात्राओं को दिया गया निःशुल्क मेहंदी प्रशिक्षण

गुवाहाटी (हिंस)। समाज सेवा को साथ साथ मानव सेवा कार्य में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते आ रही लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग की ओर से निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में वीडीजी प्रथम सीमा गोयनका के मार्ग दर्शन में स्वस्थ्य जांच शिविर का आयोजन उलुबाड़ी स्थित विवेकानंद हेल्थ ग्लोबल परिसर में किया गया। कार्यक्रम संयोजिका ज्योति पुरोहित की देख रेख में 27 से 30 सितंबर के बीच चार दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान मधुमेह, हड्डी, पीसीओएस, कैंसर से जुड़ी कई बिमारियों के संदर्भ में जागरूक किया गया। इस दौरान विवेकानंद हेल्थ ग्लोबल संस्थान के चिकित्सकों द्वारा योगा, प्रणायम, नियूरोपेथी डाइट, दैनिक दिनचर्या में आयुर्वेदा का उपयोग से भी अवगत कराया गया। इस मौके पर वीडीजी प्रथम सीमा गोयनका, अध्यक्ष कंचन पोद्दार, सचिव संगीता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष स्वाती चौधरी, पिंकी हवेलिया, ज्योति पुरोहित, बबीता जालान, रेखा जालान, लिपिका मोदी, सरिता गाड़ोदिया,

उर्वशी गर्ग, अनुपमा सिकरिया, मधुलिका बंका, सीमा सोनी, कस्तुरी बाजोरिया, तृप्ति मोर, सुनिता पारिक, अनीता चौधरी आदि सदस्याएं मौजूद थी। वहीं दूसरी ओर क्लब की ओर से नारंगी के बोंदा आंचलिक स्कूल की 9वीं व 10वीं कक्षा की छात्राओं के लिए निःशुल्क मेहंदी प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्राओं ने हिस्सा लिया।

मिजोरम में एक किग्रा हेरोइन के साथ दो मणिपुरी गिरफ्तार

मिजोरम (हिंस)। आबकारी और नारकोटिक्स विभाग के पदाधिकारियों ने राजधानी आइजल के बाहरी इलाके सेलिंग जीरो प्वाइंट से 01 किलोग्राम से अधिक हेरोइन जब्त की। इस संबंध में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान मणिपुर के चुराचांदपुर जिले के निवासी कामखावलुन (44) और नेहमिनलेन के रूप में हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जेसीआई, नगांव रॉयल्स की स्थायी परियोजनाओं का जोन अध्यक्ष ने किया उद्घाटन

नगांव (निसं)। जेसीआई नागांव रॉयल्स ने शनिवार को अपनी दो स्थाई परियोजनाओं का उद्घाटन किया। पहली परियोजना के अंतर्गत जेसीआई इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेएफएस एम.के.कार्तिकेयन के नाम पर एक बच्चों का पार्क है। जिसका नाम कार्तिक उद्यान रखा गया है। इस उद्यान का उद्घाटन जेसीआई जोन पंद्रह के जोन अध्यक्ष जेसीआई सीनेटर बिजय कुमार अग्रवाल और प्रिंसिपल तृष्णा बोरा ने किया। इस उद्यान को रत्नकांत बरकाकोती हाई स्कूल मे बनवाया गया है। दूसरी स्थायी परियोजना के अंतर्गत मोतीराम बोरा स्कूल के बाहर वेटिंग शेड (प्रतीक्षालय कक्ष) का उद्घाटन जेसीआई जोन पंद्रह के जोन अध्यक्ष व सीनेटर बिजय कुमार अग्रवाल के साथ पार्षद मुक्ता जायसवाल और प्रिंसिपल श्रीमती दीप्ति हजारिका के कर कमलो से संपन्न हुआ। इन दोनों परियोजनाओं के उद्घाटन के अवसर पर जेसीआई नगांव रॉयल्स की अध्यक्ष निशा अग्रवाल, रीमा अग्रवाल, सुनीत अग्रवाल, डॉ. प्रांजल, के गौतम, डॉ. पूजा बंका, डॉ. भास्वती शर्मा, मनीष सेठिया, सुमित जैन, परिश्मिता डेका जैन, नेहा कनोई, कविता सेठिया, गौरव सेठिया, अमृतपाल सिंह, संगीता आलमपुरिया, सेजल सोलंकी और प्रीति अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस आशय की जानकरी जेसीआई नगांव की अध्यक्ष निशा अग्रवाल ने दी।

जोरहाट में कंकाल की हालत में मिला महिला का शव

जोरहाट (हिंस)। जोरहाट के बहना के धौवापुखुरी गांव में एक चौंकाने वाली घटना हुई। 75 वर्षीय एक महिला का शव उसके घर में ही मृत पाया गया। मृतक महिला की पहचान अनुपमा दत्ता के रूप में हुई है। पता चला है कि महिला धौवापुखुरी में अपनी बेटी के साथ रह रही थी। उसकी बेटी राज्य से बाहर गई थी। बेटे ने एक होटल को अपनी मां को समय पर भोजन उपलब्ध कराने का काम सौंपा था। लेकिन, स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि होटल पिछले कुछ समय से महिला को भोजन उपलब्ध कराने में लापरवाही बरत रहा था। दूसरी ओर, कुछ लोगों को संदेह है कि होटल ने भोजन की आपूर्ति बंद कर दी थी। क्योंकि, महिला के बेटे ने समय पर होटल को पैसे का भुगतान नहीं किया था।

एबीडीयू ने ताइवान की यूनिवर्सिटीज के साथ एमओयू पर किए हस्ताक्षर

गुवाहाटी। असम डॉन बॉस्को युनिवर्सिटी ने ताइवान की लुंगवा यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एलएचयू) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इससे पहले सितंबर के महीने में ही ताइवान की चेंग शिउ यूनिवर्सिटी के साथ एक और एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए थे। इन एमओयू पर टिप्पणी करते हुए कुलपति, फादर जोस पैलेली ने कहा कि इन एमओयू के माध्यम से विश्विद्यालयों के साथ सहयोग करके हमारे छात्रों और फैकल्टी के लिए अंतरराष्ट्रीय शिक्षा के अलावा रिसर्च और टेक्नोलॉजी के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। इन दोनों विश्वविद्यालयों के साथ हुए एमओयू का उद्देश्य शैक्षणिक कार्यक्रम, विदेश में सेमेस्टर कार्यक्रम, संयुक्त डिग्री

कार्यक्रम, फैकल्टी के आदान-प्रदान और प्रशिक्षण कार्यक्रम, छात्र इंटर्नशिप और संयुक्त द्विपक्षीय सम्मेलनों/कार्यशालाओं और सेमिनारों के आदान-प्रदान और आयोजन में सहयोग की सुविधा प्रदान करना है। एलएचयू के साथ एमओयू पर एडीबीयू के कुलपति फादर (डॉ.) जोस पैलेली और एलएचयू के अध्यक्ष डॉ. त्जु-ह्सियांग को ने हस्ताक्षर किए, जबकि चेंग शिउ विश्वविद्यालय के साथ एमओयू पर चेंग शिउ कुलपति प्रोफेसर शुएन-रेन चेंग ने हस्ताक्षर किए गए। इसके अलावा, असम डॉन बॉस्को यूनिवर्सिटी ने एक ही डोमेन में मेडिकैप्स यूनिवर्सिटी, सस्त्र डीम्ड यूनिवर्सिटी, रेवा यूनिवर्सिटी, आईईएस यूनिवर्सिटी और लुंगवा यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी सहित भारत के विश्वविद्यालयों के साथ एक सामूहिक एमओयू पर भी हस्ताक्षर किए। ये एमओयू ऑल इंडिया कांउसिल फॉर टेकनिकल एडुकेशन (एआईसीटीई) द्वारा प्रस्तुत किए गए और एआईसीटीई के अध्यक्ष, प्रोफेसर टीजी सीताराम की उपस्थिति में इन एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए थे।

सांवलिया सेठ में प्रधानमंत्री मोदी ने किया चुनावी शंखनाद, बोले-'राजस्थान का चेहरा कमल'

सांवलिया सेठ/चित्तौड़गढ़, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान में मेवाड़ के तीर्थ सांवलिया सेठ में चुनावी शंखनाद करते हुए कहा कि राजस्थान में एक ही चेहरा है, वह है कमल। हमारी उम्मीद कमल है, उम्मीदवार भी कमल है, कमल खिलाएंगे, राजस्थान को आगे बढ़ाएंगे। मेवाड़ की धरा से चुनावी बिगुल बजाते हुए उन्होंने आह्वान किया कि मेवाड़ की आवाज पूरे राजस्थान की आवाज है। पाण्डाल के बाहर भारी संख्या में उपस्थित लोगों से उन्होंने कहा कि पाण्डाल भले ही छोटा पड़ गया हो, लेकिन मोदी का दिल बड़ा है। पीएम मोदी ने भाजपा के चुनावी नारों का भी ऐलान कर दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा आएगी-गुण्डागर्दी हटाएगी, भाजपा आएगी-दंगे रुकवाएगी, भाजपा आएगी-पत्थरबाजी रुकवाएगी, भाजपा आएगी-बेईमानी रुकवाएगी, भाजपा आएगी-महिला सुरक्षा लाएगी, भाजपा आएगी-रोजगार लाएगी, भाजपा आएगी-समृद्ध राजस्थान बनाएगी। सांवलिया सेठ मंदिर में दर्शन और 7 हजार करोड़ की परियोजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास के बाद प्रधानमंत्री मोदी कांग्रेस पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि राजस्थान की संस्कृति यहां की विरासत पर गर्व करने की है, लेकिन पांच साल की कांग्रेस सरकार ने राजस्थान की साख को तबाह कर दिया है। मुख्यमंत्री गहलोत रात दिन अपनी कुर्सी बचाने में रहे, आधी कांग्रेस उनकी कुर्सी गिराने में व्यस्त रही। उन्होंने तंज कसा कि बेटों को सेट करने में दूसरों के बेटों को उखाड़ने में लगे रहे, लेकिन कांग्रेस के सभी नेता एक मुद्दे पर सहमत रहे, उन्होंने राजस्थान को लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

मोदी ने गहलोत के उस बयान पर पलटवार किया, जिसमें गहलोत ने यह बात कही थी कि भाजपा यह गारंटी दे कि उसकी सरकार आने पर वह कांग्रेस सरकार की योजनाओं को नहीं बंद करेगी। मोदी ने पलटवार करते हुए कहा कि गहलोत खुद मान चुके हैं कि वे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये मोदी की गारंटी है कि जनहित की किसी योजना को रोका नहीं जाएगा, बल्कि उसे अच्छा करने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही मोदी ने एक और गारंटी देते हुए कहा कि जिन-जिन ने गरीबों को लूटा है, भ्रष्टाचार किया है, उनके खिलाफ कार्रवाई जरूर होगी। मोदी ने कहा कि कांग्रेस का तो मंत्र ही यह है कि आपणो घोड़ो-छाया में बांधणो। मोदी ने कहा कि जब अपराध की बात आती है, तो राजस्थान टॉप पर आता है। अराजकता, दंगे, पत्थरबाजी की बात आती है, तो हमारा राजस्थान बदनाम

होता है। महिला अत्याचार, दलितों पर अत्याचार के मामले में हमारा राजस्थान बदनाम होता है। चार साल तक सिर्फ जोड़-तोड़ में लगी कांग्रेस सरकार को जब भी यह लगता है कि वह चुनाव हारने वाली है, तो झूठी घोषणा करने लगती है। सरकारी खजाने से प्रचार करती है।

महात्मा गांधी के जन्मदिन पर स्वच्छता कार्यक्रम से दूरी बनाने को लेकर भी मोदी ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस वालों को स्वच्छता के कार्यक्रम पर भी दिक्कत है। स्वच्छता तो स्वयं महात्मा गांधी का मंत्र है। उनके जन्मदिन पर भी इन्हें कार्यक्रम करने में दिक्कत है। मोदी ने कांग्रेस और उसे घमण्डिया गठबंधन को सलाह दी कि महात्मा गांधी के जन्मदिन पर नहीं तो अपने जन्मदिन पर करो, अपने नहीं तो अपने नेता के जन्मदिन पर करो, उनके नहीं तो अपने बच्चों के जन्मदिन पर करो, लेकिन करो तो सही। कांग्रेस यह काम इसलिए नहीं करती, क्योंकि उसमें कमीशन नहीं मिलता। उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकाण्ड पर मोदी जमकर गरजे। उन्होंने कहा कि उदयपुर में जो हुआ, उसकी किसी ने कभी कल्पना नहीं की होगी। दुश्मन पर भी धोखे से वार नहीं करने की नीति वाले राजस्थान में यह पाप हुआ। कपड़े सिलाने के बहाने लोग आते हैं और टेलर का गला काट जाते हैं। उसका वीडियो बनाते हैं और गर्व से उसे वायरल करते हैं। कांग्रेस सरकार को उसमें भी वोट बैंक की चिंता सताती है। तीज-त्यौहार शांति से मनाना संभव नहीं है, कब दंगे हो जाएं, कब पत्थरबाजी हो जाए, कब कर्फ्यू लग जाए, आम आदमी को जीवन की, व्यापारी को व्यापार की तो कामकार को काम की चिंता लगी रहती है। राजस्थान में कांग्रेस ने ऐसा माहौल बना दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राजस्थान में बेटियों से अन्याय की परंपरा बना दी गई है। बाड़मेर, जमवारामगढ़, भीलवाड़ा में हुई घटनाओं का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि इसीलिए यहां की बहन-बेटियां कह रही हैं कि भाजपा को लाना है, क्योंकि भाजपा आएगी और महिला सुरक्षा लाएगी। मोदी बहन-बेटियों को दी गई हर गारंटी पूरी कर रहा है। महिला आरक्षण पर भी पीएम मोदी ने कांग्रेस को खरी-खरी सुनाते हुए कहा कि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण की गारंटी भी मोदी ने पूरी की। इस बार कांग्रेस को मजबूरी में समर्थन करना पड़ा, वरना अब तक दिखावे के लिए कांग्रेस बिल लाती थी और अपने ही साथियों से विरोध करवाती थी। अब कांग्रेस और उसके घमण्डिया गठबंधन को यह पच नहीं रहा तो जाति-धर्म के नाम पर भ्रम फैला रहे हैं। उन्होंने आह्वान किया कि बेटियों को अपने वोट से इसका जवाब देना है। मोदी ने केन्द्र सरकार की आयुष्मान योजना, विश्वकर्मा योजना, वन रैंक वन पेंशन योजना, उज्जवला योजना आदि की उपलब्धियां बताते हुए कहा कि गरीब कल्याण की गारंटी तो मोदी पूरी कर रहा है। पीएम मोदी ने एक और गारंटी देते हुए कहा कि वे सांवलिया सेठ के चरणों में बैठकर यह गारंटी दे रहे हैं कि राजस्थान में हर गरीब, पिछड़े, आदिवासी के अपने पक्के घर का सपना पूरा होगा।

राहुल गांधी ने दरबार साहिब में माथा टेका, झूठे बर्तन धोकर की सेवा

चंडीगढ़, (हि.स.)। गांधी जयंती के अवसर पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी सोमवार को अमृतसर पहुंचे और स्वर्ण मंदिर (दरबार साहिब) में हाजिरी लगायी। राहुल ने लंगर हाल में पहुंचकर बर्तन धोकर सेवा भी की। राहुल गांधी का यह दौरा पूरी तरह से व्यक्तिगत था। इस संबंध में स्थानीय कांग्रेस नेताओं को दूर रखा गया था। सोमवार सुबह कांग्रेस नेता राहुल गांधी अमृतसर स्थित हवाई अड्डे पर पहुंचे। यहां सांसद गुरजीत औजला ने उनका स्वागत किया। अमृतसर हवाई अड्डे पर उतरने के बाद राहुल गांधी कार से दरबार साहिब पहुंचे। यहां उन्होंने सिर पर नीले रंग का रूमाला बांधा हुआ था। यहां उन्होंने माथा टेका और परिक्रमा में दरबार साहिब के बारे में ही बातचीत की। दरबार साहिब में माथा टेकने के बाद राहुल गांधी लंगर

हाल में भी गए और उन्होंने जूठे बर्तन मांज कर सेवा भी की। इससे पहले भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी दरबार साहिब में आए थे। तब उनकी दाढ़ी काफी बढ़ी हुई थी और बकायदा सिखों की तरह पगड़ी पहनकर ही दरबार साहिब में आए थे। इस मौके पर पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग तथा नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा सहित कोई भी नेता अमृतसर में नहीं था।राहुल गांधी के कार्यालय की तरफ से भी इस बारे में पहले ही निर्देश जारी किए जा चुके थे कि यह उनका निजी दौरा है और इसमें राजनीतिक हस्तक्षेप न हो।

महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री को कांग्रेस नेताओं ने किया याद

अजय त्यागी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेताओं ने महात्मा गांधी और देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उन्हें याद किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को राजघाट स्थित बापू की समाधि पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। खड़गे पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि देने विजय घाट भी गए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बापू को याद करते हुए एक्स पर लिखा कि सत्य, अहिंसा और सौहार्द का रास्ता, भारत को जोड़ने का रास्ता महात्मा गांधी ने ही दिखाया था। बापू को उनकी जयंती पर शत-शत नमन। राहुल ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को भी याद किया। उन्होंने कहा कि "जय जवान, जय किसान" के

नारे से शास्त्री जी ने देश के दो बड़े तपस्वी वर्गों को सशक्त करने का काम किया। शास्त्री का दिखाया रास्ता हमें भारत के हर मेहनती नागरिक को उनका अधिकार दिलाने के लिए प्रेरित करता है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा कि एक प्रकाश, जिसने दुनिया को शांति और सौहार्द का रास्ता दिखाया। एक विचार, जिसने सत्य और अहिंसा को मानवता का सबसे ताकतवर हथियार बनाया। एक आदर्श, जिसने स्वतंत्रता, समानता और समन्वय के बीज बोए। महात्मा गांधी का दिखाया सत्य, अहिंसा और सौहार्द का मार्ग ही शांति और तरक्की ला सकता है। वह बापू की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन करती हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने संसद परिसर में भी वरिष्ठ नेताओं के साथ गांधी और शास्त्री को श्रद्धांजलि अर्पित की।

लंदन में सम्मानित होंगे बंगाल के प्राथमिक शिक्षक दीप नारायण नायक

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के प्राथमिक शिक्षक दीप नारायण नायक को लंदन में सम्मानित किया जाएगा। उन्हें वैश्विक शिक्षक पुरस्कार 2023 के लिए शीर्ष 50 लोगों की सूची में शामिल किया गया है। इसमें आंध्र प्रदेश से अंग्रेजी के शिक्षक हरि कृष्ण पतचारू भी हैं। इस पुरस्कार का आयोजन वार्की फाउंडेशन यूनेस्को के सहयोग से और संयुक्त अरब अमीरात के वैश्विक परोपकारी संगठन दुबई केयर्स के साथ मिलकर करता है। सूची में इन 50 लोगों के नाम दुनिया भर के 130 देशों से मिले सात हजार से अधिक आवेदनों में से चुने गए हैं। इसमें पुरस्कार के तौर पर दस लाख अमेरिकी डॉलर प्रदान किए जाते हैं। आसनसोल के जमुरिया में तिलका मांझी आदिवासी फ्री प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक नायक को उनकी नवीन शिक्षण विधियों के लिए चुना गया। वैश्विक शिक्षक पुरस्कार ने

बयान में कहा है, महामारी के बीच उन्होंने मिट्टी की दीवार को ब्लैकबोर्ड बना दिया और सड़कों का उपयोग कक्षा के तौर पर किया। उनका ध्यान अभिभावकों की शिक्षा, अंधविश्वास का उन्मूलन और सीखने में अक्षमता जैसी समस्याओं को दूर करने पर रहा, जिससे बच्चे तथा समुदाय सशक्त हुए। नायक की पहल सिर्फ शिक्षा तक सीमित नहीं थी, बल्कि कुपोषण, बच्चों के उत्पीड़न और टिकाऊ पर्यावरण तथा उनकी रास्तार मास्टर (सड़क के शिक्षक) परियोजना, समग्र शिक्षा, कोविड के बाद की चुनौतियों से निपटने का खाका पेश करती है। अंतिम सूची में से दस नामों को चुना जाएगा। इसकी घोषणा इस वर्ष के अंत में की जाएगी।

दिल्ली पुलिस के हत्थे चढ़ा इनामी आतंकवादी शाहनवाज

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के मोस्ट वांटेड आतंकवादी शाहनवाज उर्फ शैफी उज्जमा को गिरफ्तार किया है। पेशे से इंजीनियर शाहनवाज पर एनआईए ने तीन लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। पुणे मामले में फरार चल रहा शाहनवाज दिल्ली का रहने वाला है। वह पुणे पुलिस की कस्टडी से फरार होकर दिल्ली में ठिकाना बनाकर रह रहा था। अधिकारियों का कहना है कि वह बड़ी आतंकी वारदात करने की योजना बना रहा था। स्पेशल सेल उससे पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार कुछ दिन पहले दिल्ली में आईएसआईएस के तीन आतंकियों के छुपे होने की सूचना मिली थी। तब से संभावित

इलाकों में चौकसी बरती जा रही थी। बीती देर रात आतंकी शाहनवाज को गिरफ्तार किया गया है। उससे पूछताछ के बाद स्पेशल सेल ने तीन-चार संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया है। अबतक तीन आतंकियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि आईएसआईएस को इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड द लेवेंट या इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया के नाम से भी जाना जाता है। 2013 में यह आतंकी संगठन सक्रिय हुआ था।

पंजाब के राज्यपाल ने डीजीपी से पूछा, किस आधार पर गिरफ्तार हुए खैहरा

चंडीगढ़, (हि.स.)। पंजाब के कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैहरा की गिरफ्तारी को लेकर राज्यपाल ने पुलिस महानिदेशक से जवाब तलब किया है। खैहरा को 28 सितंबर की सुबह चंडीगढ़ के सेक्टर पांच से जलालाबाद पुलिस ने हिरासत में लिया था। इसके बाद एसआईटी ने उन्हें वर्ष 2015 के एक केस के मामले में गिरफ्तार किया है। इस केस में खैहरा पर नशा तस्कर की मदद करने का आरोप है। खैहरा इस समय नाभा जेल में है। खैहरा की गिरफ्तारी के बाद पंजाब कांग्रेस के विधायकों ने राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित से मुलाकात करके कार्रवाई की मांग की थी। कांग्रेस विधायकों का आरोप है कि

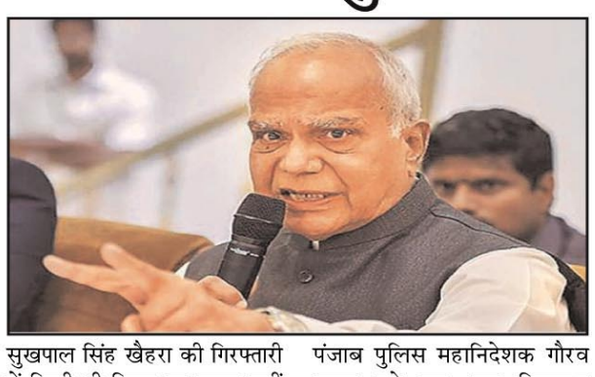

सुखपाल सिंह खैहरा की गिरफ्तारी में किसी भी नियम का पालन नहीं हुआ है और उन्हें उस केस में गिरफ्तार किया गया है, जिसमें उन्हें सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल चुकी है। कांग्रेस विधायकों की मांग पर राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित ने पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव को एक पत्र लिखकर सुखपाल सिंह खैहरा केस की स्टेटस रिपोर्ट मांग ली है। इसके अलावा उन्होंने एसआईटी की जांच तथा खैहरा की गिरफ्तारी के आधार के बारे में भी पूछा है।

राजस्थान में भाजपा ने 45 नाम किए फाइनल, पीएम के दौरे के बाद जारी होगी सूची

जयपुर (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनावी राज्य राजस्थान दौरे के बाद भाजपा लगभग अपने 45 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर सकती है। पीएम मोदी 2 और 5 अक्टूबर को राजस्थान में हैं। बीजेपी की चुनाव समिति की बैठक में करीब 45 उम्मीदवारों के नाम पर मुहर लग चुकी है। राजस्थान विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा के लिए रविवार रात को भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक हुई। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी.नड्डा की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मौजूद रहे।

बैठक में बीजेपी की पहली उम्मीदवारों की सूची पर चर्चा के बाद अंतिम मुहर लगा दी गई। बैठक में 40 से 50 उम्मीदवारों के नाम फाइनल हो चुके हैं और जल्द ही सूची जारी होने की उम्मीद है। इस

बैठक के दौरान कथित तौर पर इस बात पर चर्चा हुई है कि पार्टी के सांसद भी चुनाव लड़ सकते हैं। बैठक में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सी.पी. जोशी, नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, कैलाश चौधरी, भूपेन्द्र यादव, प्रदेश भाजपा प्रभारी अरुण सिंह, प्रदेश भाजपा सह प्रभारी विजया रहाटकर, प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर, उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया और ओम माथुर ने हिस्सा लिया। बैठक को लेकर राजस्थान बीजेपी इकाई के नेता भी दो दिन से दिल्ली में मौजूद थे। प्रदेश भाजपा जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और नेता प्रतिपक्ष राठौड़ 30 सितंबर को दिल्ली पहुंचे थे। बैठक में 62 सीटों पर उम्मीदवारों की चर्चा हुई, हालांकि 40 से 50 नामों पर मुहर लग गई है। पहली चुनावी सूची में बीजेपी ए और डी श्रेणी की सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर सकती है, जहां बीजेपी मजबूत और कमजोर है। ए श्रेणी में 29 सीटें और डी श्रेणी में 19 सीटें हैं।

व्हाट्सएप ने 74 लाख से अधिक अकाउंट्स पर लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली (ईएमएस)। मैसेजिंग एप्प व्हाट्सएप ने अगस्त महीने में उन एकाउंट्स पर प्रतिबंध लगाना शुरू कर दिया है, जिनके बारे में शिकायतें मिली हैं। मेटा की स्वामित्व वाली कंपनी ने भारत में रिकॉर्ड 74 लाख से अधिक बैड अकाउंट्स पर प्रतिबंध लगा दिया है। मिली जानकारी के अनुसार कंपनी ने अपनी मासिक अनुपालन रिपोर्ट में बताया कि अगस्त में उसने 74,20,748 अकाउंट्स पर प्रतिबंध लगा दिया। इनमें से लगभग 35,06,905 अकाउंट पर बिना किसी शिकायत के स्वयं संज्ञान लेते हुये बैन लगाया गया। देश में 50 करोड़ से अधिक यूजरों वाले लोकप्रिय मैसेजिंग प्लेटफॉर्म को अगस्त में रिकॉर्ड 14,767 शिकायत

रिपोर्ट प्राप्त हुईं, और 71 पर कार्रवाई की गई। कंपनी के अनुसार, रिपोर्ट में यूजरों से प्राप्त शिकायतों और व्हाट्सएप द्वारा की गई कार्रवाई के साथ-साथ उसके प्लेटफॉर्म पर दुरुपयोग से निपटने के लिए व्हाट्सएप की अपनी निवारक कार्रवाइयों का विवरण शामिल है। इसके अलावा, कंपनी को अगस्त में देश में शिकायत अपीलीय समिति से केवल एक आदेश मिला जिसका उसने अनुपालन किया।

सीएनजी-पीएनजी दरों में बड़ी कटौती, मुंबई में आधी रात से बदल गए दाम

- तेल कंपनियों ने उपभोक्ताओं को दिया बड़ा झटका

मुंबई, (ईएमएस)। ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी से निराश वाहन चालकों के लिए अच्छी खबर है। अक्टूबर की शुरूआत में मुंबई में सीएनजी-पीएनजी के दाम में कटौती की गई है. महानगर गैस लिमिटेड ने रविवार आधी रात से सीएनजी और पीएनजी की नई दरें जारी कर दी हैं। इससे मुंबई में वाहन चालकों को बड़ी राहत मिली है। महानगर गैस लिमिटेड ने बताया है कि मुंबई में सीएनजी की कीमत 3 रुपये और पीएनजी की कीमत 2 रुपये कम करने का फैसला किया गया है। कंपनी ने एक विज्ञप्ति के जरिए दरों में कटौती की जानकारी दी है. कंपनी ने कहा है कि घरेलू खपत और वाहनों में प्राकृतिक गैस के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए यह फैसला लिया गया है. इस बीच नई दरें लागू होने के बाद मुंबईकरों को 76 रुपये प्रति किलो की दर से सीएनजी मिल रही है, जबकि पीएनजी की कीमत 47 रुपये प्रति

किलो है. फिलहाल मुंबई में कई गाड़ियां सीएनजी-पीएनजी से चलती हैं। बड़ी संख्या में वाहन चालक सीएनजी वाहनों का इस्तेमाल करते हैं. तो, मुंबई में कुछ स्थानों पर खाना पकाने के लिए पीएनजी का भी उपयोग किया जाता है। महानगर गैस लिमिटेड द्वारा लिए गए टैरिफ कटौती के फैसले से मुंबईकरों को बड़ी राहत मिलेगी।

तेल कंपनियों ने उपभोक्ताओं को दिया बड़ा झटका - अक्टूबर महीने की शुरूआत में तेल कंपनियों ने उपभोक्ताओं को बड़ा झटका दिया है. 1 अक्टूबर से कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 204 रुपये की बढ़ोतरी की गई है. इस कीमत बढ़ोतरी के बाद अब मुंबई में 19 किलोग्राम वाला कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर 1,684 रुपये में बेचा जाएगा। अच्छी खबर यह है कि घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। पिछले महीने तेल कंपनियों ने घरेलू गैस की कीमतों में 200 रुपये की कटौती की थी.

छत्रपति शिवाजी का बाघ नख स्वदेश लाने की तैयारी पूरी

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र सरकार ने लंदन के विक्टोरिया और अल्बर्ट संग्रहालय में रखे छत्रपति शिवाजी महाराज का प्रसिद्ध बाघ नख को भारत लाने की पूरी तैयारी कर ली है। इस नख को तीन साल तक भारत में रखा जाएगा। छत्रपति शिवाजी महाराज ने वर्ष 1659 में बीजापुर सल्तनत के जनरल अफजल खान को हराने के लिए इस प्रसिद्ध वाघ नख, बाघ का पंजा का इस्तेमाल बतौर अस्त्र किया था। प्राप्त जानकारी के मुताबिक नवंबर में लंदन से यह धरोहर महाराष्ट्र लाया जाएगा। महाराष्ट्र के संस्कृति मंत्री सुधीर मुनगंटीवार बाघ नख की वापसी के लिए संग्रहालय के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए मंगलवार को लंदन पहुंचेंगे। महाराष्ट्र के मंत्री ने कहा कि पहले चरण में, हम बाघ नख ला रहे हैं। इसे नवंबर में यहां लाया जाना चाहिए, और हम इसके लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर रहे हैं। हमारा प्रयास इसे उस दिन लाना है जब छत्रपति शिवाजी महाराज ने अफजल खान को मारा था। उम्मीद है कि बाघ नख को दक्षिण मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय में रखा जाएगा।

नायडू जेल में भूख हड़ताल पर, पत्नी और बेटा बाहर भूख हड़ताल पर

राजमुंद्री (ईएमएस)। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को जेल में एक दिन की भूख हड़ताल शुरू की। टीडीपी पार्टी नेताओं ने कहा कि राजमुंदरी सेंट्रल जेल उनकी अवैध गिरफ्तारी के खिलाफ भूख हड़ताल शुरू की है। नायडू पिछले माह राज्य कौशल विकास निगम मामले में गिरफ्तारी के बाद से जेल में बंद हैं। टीडीपी नेताओं के मुताबिक, नायडू ने सुबह 10 बजे उपवास शुरू होकर शाम 5 बजे तक जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी की जयंती पर उपवास मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी के निरंकुश शासन और आंध्र प्रदेश में जिस तरह से लोकतंत्र को कमजोर किया जा रहा है, उसके विरोध में है। नायडू की पत्नी भुवनेश्वरी भी उनकी अवैध गिरफ्तारी के विरोध में राजमुंदरी में दिन भर के उपवास पर बैठीं। उन्होंने टीडीपी की महिला नेताओं के साथ शहर के क्वारी सेंटर में सत्यमेव जयते के नारे के साथ भूख हड़ताल की। उन्होंने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अनशन शुरू किया। उन्होंने अपना संदेश पोस्ट कर लिखा, आज महात्मा गांधी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। गांधी जी के जीवन में हम सभी के लिए एक संदेश है, यदि हम सत्य और न्याय के सिद्धांतों को बनाए रखते हैं तब कोई भी लड़ाई, चाहे कितनी भी कठिन हो, जीती जा सकती है।

उनकी स्थायी विरासत, विशेषकर सत्याग्रह हमें अपने सभी प्रयासों में सत्य की शक्ति को अपनाने के लिए प्रेरित करती रहती है। हेरिटेज फूड्स की उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक भुवनेश्वरी ने अपने दिवंगत पिता टीडीपी के संस्थापक और पूर्व मुख्यमंत्री एन.टी. रामाराव को भी याद किया। आज, मेरा दिल मेरे पिता, महान एनटीआर गारू की यादों से भर गया है, जिन्होंने अपना जीवन तेलुगु समुदाय के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने हमें सिखाया कि हमेशा सच्चाई पर कायम रहना चाहिए, चाहे वह कितना भी कठिन क्यों न हो। न्याय के लिए उनका मजबूत समर्थन और तेलुगु लोगों की सेवा के प्रति उनका समर्पण हम सभी को, उनके बच्चों को प्रेरित करता रहेगा। दिल्ली में डेरा डाले नायडू के बेटे नारा लोकेश भी टीडीपी सांसद के रवींद्र कुमार के आवास पर उपवास कर रहे है। राज्य टीडीपी के. अत्चन्नायडू ने अन्य नेताओं के साथ गुंटूर जिले के मंगलागिरी में पार्टी मुख्यालय पर भूख हड़ताल शुरू की। टीडीपी विधायक और अभिनेता एन. बालकृष्ण के परिवार के सदस्य भी हैदराबाद के एनटीआर ट्रस्ट भवन में एक दिन की भूख हड़ताल पर बैठे। बालकृष्ण की पत्नी वसुंधरा और अन्य लोग नायडू के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए उपवास पर हैं। बालकृष्ण नायडू के बहनोई और लोकेश के ससुर भी हैं।

वातावरण और पर्यावरण की जानकारी लेने के लिए मंगलयान-2 की तैयारी में जुटा इसरो

नई दिल्ली (ईएमएस)। मंगल ग्रह पर वातावरण और पर्यावरण की जानकारी जुटाने के लिए इसरो ने मंगलयान-2 मिशन की तैयारी कर ली है। गौरतलब है कि इसरो ने अपने पहले प्रयास में इस लाल ग्रह की कक्षा में एक अंतरिक्ष यान को सफलतापूर्वक स्थापित करके इतिहास रचने के नौ साल बाद फिर से मंगलयान भेजने की तैयारी की है। इस मामले में इसरो के अधिकारियों ने बताया कि भारत का दूसरा मार्स ऑर्बिटर मिशन-2 चार पेलोड ले जाएगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक मंगलयान-2 के वैज्ञानिक उपकरण मंगल ग्रह के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करेंगे। जिसमें अंतरग्रहीय धूल, मंगल ग्रह का वातावरण और पर्यावरण शामिल हैं। इसरो के एक अधिकारी ने कहा कि ये सभी पेलोड विकास के विभिन्न चरणों में हैं। नौ साल पहले 24 सितंबर को भारत ने अपने पहले ही प्रयास में मंगल की कक्षा में प्रवेश करके इतिहास रचा था। यह एक ऐसी उपलब्धि थी, जो तब तक किसी भी अन्य अंतरिक्ष एजेंसी ने हासिल नहीं की थी। मंगलयान-2 के मिशन दस्तावेज के मुताबिक दूसरा मार्स मिशन एक मार्स ऑर्बिट डस्ट एक्सपेरिमेंट, एक रेडियो ऑकल्टेशन प्रयोग, एक एनर्जेटिक आयन स्पेक्ट्रोमीटर और एक लैंगमुइर प्रोब और इलेक्ट्रिक फील्ड एक्सपेरिमेंट को ले जाएगा।

मंगलयान-2 के मिशन दस्तावेज में कहा गया है कि मोडेक्स मंगल ग्रह पर ज्यादा ऊंचाई पर धूल की उत्पत्ति, बहुतायत, वितरण और प्रवाह को समझने में मदद करेगा। मंगल ग्रह पर अंतरग्रहीय धूल कणों की अब तक कोई माप नहीं हुई है। यह उपकरण हाइपरवेलोसिटी पर यात्रा करते हुए कुछ सौ एनएम से कुछ माइक्रोमीटर तक के आकार के कणों का पता लगा सकता है। इसके नतीजे मंगल पर धूल के प्रवाह को समझाने में मदद कर सकते हैं। वे यह भी पुष्टि कर सकते हैं कि क्या मंगल के चारों ओर कोई वलय है और वहां मौजूद धूल अंतरग्रहीय है या फोबोस या डेमोस से आ रही है। इसरो मंगल ग्रह के वातावरण में सोलर एनर्जी के कणों और सुपर-थर्मल सोलर विंड कणों की पहचान करने के लिए एक ईआईएस भी विकसित कर रही है।

गांधीजी ने पूरी दुनिया को सत्य व अहिंसा का मार्ग दिखाया : जितिन प्रसाद

मुरादाबाद, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश सरकार में लोक निर्माण विभाग कैबिनेट मंत्री व मुरादाबाद के प्रभारी मंत्री जितिन प्रसाद सोमवार को मुरादाबाद पहुंचे और विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। प्रभारी मंत्री ने शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया, पीएम आवास योजना के लाभार्थियों को चाबी वितरित की,16 गो आश्रय स्थलों का शिलान्यास करने के साथ मेरी माटी-मेरा देश कलश यात्रा कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। कैबिनेट मंत्री ने स्वाधीनता संग्राम सेनानी भवन एवं एकता द्वार पुनर्निर्माण का भी लोकार्पण किया। पंचायत भवन में मेरी माटी-मेरा देश कलश यात्रा अभियान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य उन स्वतंत्रता सेनानियों और वीरों का नमन करना था जिन्होंने देश के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी ने बताया था कि अहिंसा लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी ने पूरी दुनिया को सत्य व अहिंसा का मार्ग दिखाकर यह संदेश दिया कि लोकतांत्रिक मूल्यों का पालन करते हुए दुनिया की बड़ी से बड़ी ताकत को झुकाया जा सकता है। राष्ट्रपिता के स्वच्छ भारत का स्वप्न प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरा हो रहा है। इस मौके पर जिला अधिकारी मानवेंद्र सिंह, विधान परिषद सदस्य डा. जयपाल सिंह व्यस्त, गोपाल अंजान व सत्यपाल सिंह सैनी, महापौर विनोद अग्रवाल, भाजपा पश्चिम क्षेत्र के क्षेत्रीय महामंत्री हरिओम शर्मा, लोकसभा संयोजक डा विशेष गुप्ता, भाजपा जिला अध्यक्ष आकाश पाल, महानगर अध्यक्ष संजय शर्मा, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की महानगर संयोजिका अल्पना रितेश गुप्ता, क्षेत्रीय सह मीडिया प्रभारी निमित्त, जिला मीडिया प्रभारी संजय ढाका, महानगर मीडिया प्रभारी राजीव गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

समस्या निस्तारण में हीलाहवाली अक्षम्य : मुख्यमंत्री

– जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनीं लोगों की समस्याएं

गोरखपुर, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अफसरों को दो टूक हिदायत देते हुए कहा कि जनसमस्याओं के निस्तारण में हीलाहवाली अक्षम्य होगी। हर व्यक्ति की समस्या का पूरी प्रतिबद्धता और पारदर्शिता से न्यायोचित समाधान शासन-प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होती है और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारी संवेदनशीलता से लोगों की समस्याओं को सुनें और गुणवत्तापूर्ण, त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। योगी ने यह हिदायतें सोमवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर में जनता दर्शन के दौरान दीं। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने जनपद समेत अन्य जिलों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक सीएम खुद पहुंचे और बड़े इत्मीनान से उनकी बात सुनने के बाद उनके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित किया। मुख्यमंत्री ने सभी लोगों को भरोसा दिलाया कि उनके रहते किसी के साथ अन्याय नहीं होने पाएगा। सबकी पीड़ा दूर की जाएगी। जनता दर्शन में दूसरे जिलों के भी लोग आए थे। इस दौरान पुलिस व राजस्व से जुड़ी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी जिले स्तर पर ही समस्या का समाधान सुनिश्चित करें ताकि लोगों को परेशान न होना पड़े। कड़े तेवर में उन्होंने कहा कि संवेदनहीन और लापरवाह अधिकारियों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जनता दर्शन में इलाज हेतु आर्थिक सहायता की गुहार लेकर आए लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि इलाज में धन की कमी नहीं होने दी जाएगी। संबंधित अस्पताल से इस्टीमेट लेकर प्रक्रिया पूरी करते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए। विवेकाधीन कोष से तत्काल सहायता राशि जारी करा दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि एस्टीमेट की प्रक्रिया को प्राथमिकता पर पूर्ण कराएं।

मुख्यमंत्री ने की गोसेवा, खिलाया गुड़ – मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान सोमवार प्रातःकाल मंदिर के गोसेवा केंद्र (गोशाला) में गोसेवा की। सीएम ने गोवंश को सभी दुलारा और अपने हाथों से उन्हें गुड़ खिलाया। मुख्यमंत्री ने गोशाला के कार्यकताओं से सभी गोवंश के स्वास्थ्य व पोषण की जानकारी ली और जरूरी निर्देश दिए।

स्वच्छता की शिक्षा देकर महात्मा गांधी ने राष्ट्र को उत्कृष्ट संदेश दिया : आनंदीबेन पटेल

लखनऊ, (हि.स.)। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने राजभवन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर उनके चित्रों एवं प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा पुष्प अर्पित कर नमन किया और सभी को बधाई दी। राज्यपाल ने कहा कि गांधी जी ने स्वच्छता की शिक्षा देकर राष्ट्र को एक उत्कृष्ट संदेश दिया। उन्होंने कहा कि गांधी जी के सपने को पूरा करने हेतु प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 02 अक्टूबर, 2014 को स्वच्छ भारत अभियान की शुरूआत की गयी और इसी कड़ी में इस वर्ष 01 अक्टूबर को स्वच्छता ही सेवा अभियान की शुरूआत की गयी है, जो गांधी जी को सच्ची श्रद्धांजलि है। राज्यपाल ने कहा कि आज नशा उन्मूलन और कुष्ठ रोग दिवस भी है। इस अवसर पर उन्होंने कुष्ठ रोग के उन्मूलन हेतु कहा कि कुष्ठ रोगियों के प्रति स्नेह भाव रखें। राज्यपाल के साथ अपर प्रमुख सचिव राज्यपाल डॉ सुधीर महादेव बोबडे, विशेष सचिव बद्रीनाथ सिंह सहित राजभवन के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। भारतवासियों के प्रिय और सदैव स्मरणीय बापू और शास्त्री की जयंती के अवसर पर राजभवन के गांधी सभागार में राजभवन अध्यासितों के बच्चों ने बापू के प्रिय भजन प्रस्तुत किये तथा सह-प्रस्तुतियां भातखण्डे संगीत विश्वविद्यालय, लखनऊ के कलाकारों ने दीं। राज्यपाल ने भजनों की मनमोहक प्रस्तुति की प्रशंसा की और बच्चों का उत्साह वर्धन किया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि गांधी के विचार वैश्विक स्तर पर समझे और सराहे गये। उनके विचारों से देश और विदेश के लोगों ने प्रेरणा प्राप्त कर जीवन में सफलता पायी। उन्होंने देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 लाल बहादुर शास्त्री को याद करते हुए कहा कि उनका व्यक्तित्व और कृतित्व देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत रहा है।

विद्यार्थियों के सपने को साकार करने के लिए करें काम : कुलपति

जौनपुर, (हि.स.)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सोमवार को अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में विश्वविद्यालय का स्थापना समारोह पूर्वक मनाया गया। विश्वविद्यालय की स्थापना 2 अक्टूबर 1987 को हुई थी स्थापना दिवस समारोह में संबोधित करतीं हुई कुलपति प्रो वंदना सिंह ने कहा कि 35 वर्षों की इस यात्रा में विश्वविद्यालय ने बहुत सारी शैक्षणिक उपलब्धियां हासिल की है. यह विश्वविद्यालय हमारी पहचान है। हम सब एक परिवार की भावना से यहाँ काम करते रहें, यही वास्तविक संतुष्टि का कारण बनेगा। इसमें पढ़ने वाले विद्यार्थियों के सपने साकार हों, इसके लिए हम सभी को निरंतर अपना योगदान देते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज पूरा विश्व महात्मा गाँधी को आत्मसात करते हुए अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस मना रहा है. विश्वविद्यालय ने महात्मा गांधी के विचारों को विद्यार्थियों में प्रवाहित करने का निरंतर कार्य किया है. उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को भी नमन किया। स्थापना दिवस समारोह में महात्मा गांधी और वीर बहादुर सिंह की प्रतिमा पर कुलपति एवं विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने पुष्प अर्पित किया।

किसानों ने घेरा थाना, एक्सीएन व एसडीओ के विरुद्ध की रिपोर्ट दर्ज करने की मांग

बिजनौर, (हि.सं.) । चांदपुर क्षेत्र में 23 घंटे के अन्दर बिजली की चपेट में आकर दूसरे व्यक्ति के मौत के बाद किसानों और शिवसेना ने थाने पर जबर्दस्त हंगामा किया। इसके बाद बिजली विभाग के एक्सीएन व एसडीओ के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की मांग को लेकर धरना शुरू कर दिया। जानकारी के अनुसार चांदपुर आज सुबह भिलिया खेड़ा निवासी प्रदीप पुत्र समरपाल अपनी बाइक से मजदूरी पर चांदपुर को आ रहा था कि धनौरा मार्ग स्थित रिलायंस पेट्रोल पम्प के पास ग्यारह हजार बिजली का तार टूट कर गिरने से प्रदीप की बुरी तरह मय बाइक के जल जाने से मौके पर ही दुखःद मृत्यु हो गई । जिसे लेकर किसानों की भीड़ उमड़ पड़ी। चादंपुर थानाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह के समझाने के बाद शिवसेना नेता वीर सिंह के तहरीर देने पर रजामंद होने से मामला सुलझता हुआ दिखाई दिया। उल्लेखनीय है कि कल शनिवार को भी चादंपुर क्षेत्र में स्थित एक भट्ठे पर ईंट भरने के लिए ट्राली में जा रहे एक मजदूर की ढीले होकर लटक रहे 11 हजार वोल्ट की लाइन की चपेट में आने से दुखद् मौत हो चुकी है। मजदूर समरपाल की करंट की चपेट में आने हुई मौत से परिवार में दुख का माहौल है, मृतक अपने परिवार में दो छोटे बच्चों बिलखता छोड़ गया है। इस संदर्भ में जिलाधिकारी से फोन पर शिव सेना प्रमुख वीरसिंह ने घटनाक्रम की जानकारी देते हुए कार्यवाही की मांग की, डीएम ने कार्यवाही का भरोसा दिया और एसडीएम साहब से वार्ता करने को कहा।

कार्य ऐसे करें कि आपके जीवन से कमजोर व्यक्ति के जीवन बदले : डीसी

जयंती पर याद किए गए महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री

रामगढ़, (हि.स.) । राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त चंदन कुमार, पुलिस अधीक्षक पीयूष पांडे, डीडीसी रोबिन टोप्पो, एसडीओ जावेद हुसैन सहित अन्य जिला एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारियों ने रामगढ़ शहर के गांधी चौक स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। जिसके उपरांत उन्होंने मुक्तिधाम स्थित गांधी घाट पर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया गया। गांधी घाट पर अधिकारियों ने महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर मुक्तिधाम स्थित गांधी घाट पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त चंदन कुमार ने गांधी जी के विचारों को व्यक्त करते हुए कहा कि जब भी आपको वहम हो और लगे कि आपने अपने जीवन में बहुत कुछ हासिल कर लिया, तो अपने आस-पास के सबसे कमजोर और अंतिम व्यक्ति को देखिए। विचार कीजिए कि आपने आज तक अपने जीवन में जो कुछ भी हासिल किया है उससे उस व्यक्ति के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा है। क्या उसके जीवन में कुछ परिवर्तन हुआ। जब आप यह सोचेंगे तो आपका वहम खुद ही कम होने लगेगा। इसका तात्पर्य यह है कि कोई भी व्यक्ति बड़ा इससे नहीं होता कि उसने कितना धन कमाया या सोशल मीडिया पर उसके कितने फॉलोअर्स हैं। व्यक्ति बड़ा तब होता है जब वह समाज के उस दिन-हीन, कमजोर और अंतिम व्यक्ति के लिए कुछ कर सकने में सक्षम हो या कर पाए। आज हम लोग इसी संकल्प के साथ इस गांधी जयंती की शुरूआत करें।

अपने जीवन के रूप रेखा में अवश्य ही गांधी जी के इस मंत्र को शामिल करें और अपने साथ-साथ अपने समाज के अंतिम व्यक्ति के विकास के लिए कार्य करें। वहीं कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने कहा कि गांधी घाट के विद्युत सौदाहगृह को भी जल्द से जल्द क्रियान्वित करने हेतु कार्य किया जा रहे हैं। यथाशीघ्र इसे शुरू भी कर दिया जाएगा। साथ ही गांधी घाट को केवल छठ घाट ही नहीं बल्कि एक वृहद योजना के रूप में विकसित करने के लिए योजना तैयार की जा रही है। एक वृहद एवं भव्य तोरण द्वार का भी निर्माण जल्द से जल्द कराया जाएगा। मुक्तिधाम स्थित गांधी घाट पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान एसपी पीयूष पांडे ने महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के विचारों तथा उनके आदर्शों को अपने जीवन में शामिल करने तथा सत्य, अहिंसा, त्याग तथा स्वच्छता का पालन करने की अपील की।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनके आदर्शों का पालन करते हुए देश व समाज के कल्याण में अपना योगदान दें।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने एकलव्य आवासीय विद्यालय की छात्राएं देहरादून रवाना

लोहरदगा, (हि.स.)। एकलव्य विद्यालयों के चतुर्थ राष्ट्रीय सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं कला उत्सव-2023-24 प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय कुजरा लोहरदगा की सात छात्राएं सोमवार को विद्यालय की प्राचार्या अमृता मिश्रा के साथ देहरादून के लिए रवाना हो गई। इस संबंध में प्राचार्या अमृता मिश्रा ने बताया कि एकलव्य विद्यालयों के चतुर्थ राष्ट्रीय सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं कला उत्सव-2023-24 प्रतियोगिता देहरादून में तीन अक्टूबर से छह अक्टूबर तक आयोजित होने वाली है, जिसमें देश भर के एकलव्य विद्यालय के प्रतिभागी जिन्होंने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि राज्य स्तरीय चतुर्थ सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं कला उत्सव-2023-24 प्रतियोगिता जो चाईबासा में सम्पन्न हुई थी, जिसमें छः विभिन्न प्रतियोगिताओं में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय कुजरा लोहरदगा की सात छात्राओं ने प्रथम स्थान प्राप्त किया था। देहरादून जाने वाली छात्राओं मे तनु उरांव , प्रियंका उरांव, शांति कुमारी,शांति कॉन्ग, शगुन उरांव, पूनम कुमारी और कृति उरांव शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम का किया निरीक्षण

रांची, (हि.स.)। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सोमवार को मोरहाबादी स्थित मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम का निरीक्षण किया। आगामी एशियन महिला हॉकी चैंपियनशिप को लेकर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्टेडियम की व्यवस्था से जुड़े कई दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम में खिलाड़ियों एवं दर्शकों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं प्रदान करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। यह स्टेडियम राज्य का इंटरनेशनल एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम है। इस स्टेडियम की व्यवस्थाएं उच्च स्तरीय होनी चाहिए। मौके पर मुख्यमंत्री ने स्टेडियम में बिछाई गई आधुनिक ब्लू टर्फ का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री के समक्ष अधिकारियों ने कहा कि स्टेडियम में अभी रिनोवेशन का कार्य प्रगति पर है। मुख्यमंत्री ने स्टेडियम का अवलोकन करते हुए दर्शक दीर्घा में लगी कुर्सियों की साफ-सफाई तथा पेंटिंग, स्टेडियम परिसर का रंगरोंगन, मैदान के अंदर एवं बाहर लगी एलईडी स्क्रीन को दुरुस्त करने, स्टेडियम में चिन्हित जगहों पर स्पोर्ट्स पर्सन का फोटो लगाने, स्कोर डिस्प्ले स्क्रीन को बड़ा करने सहित कई अन्य अत्याधुनिक सुविधाओं से संबंधित दिशा-निर्देश अधिकारियों को दिए।

27 अक्टूबर से एशियन महिला हॉकी चैंपियनशिप – रांची की मेजबानी में एशियन महिला हॉकी चैंपियनशिप का आयोजन 27 अक्टूबर से पांच नवंबर तक होना है। इस चैंपियनशिप में भारत के अलावा जापान, दक्षिण कोरिया, चीन, मलेशिया और थाईलैंड की टीम भाग लेंगी।

ममता बनर्जी ने मनरेगा में की है हजारों करोड़ की लूट, होगी सीबीआई जांच : गिरिराज सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि अर्बन नक्सली की तरह व्यवहार करने वाली पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) में हजारों करोड रुपए की लूट की है। इस लूट की जांच सीबीआई कराई जाएगी। सोमवार को बेगूसराय में आयोजित प्रेसवार्ता में गिरिराज सिंह ने कहा है कि मनरेगा में बड़े पैमाने पर घोटाले सामने आने के बाद जब जांच किया गया तो पता चला कि कागज पर ही एसेट का निर्माण कर लिया गया। आधार से लिंक कराए जाने पर 25 लाख जॉब कार्ड फर्जी निकले। इस जॉब कार्ड में हेर फेर कर जमकर पैसा का गबन किया गया और चोरी कर सीनाजोड़ी कर रही है। 25 लाख जॉब कार्ड में से पांच लाख जॉब कार्ड ऐसे मिले जो लोग संबंधित पंचायत में रहते ही नहीं थे। जनता जानना चाह रही है कि आखिर यह पैसा किसने गबन किया। स्पष्ट है कि ममता बनर्जी ने यह पैसा गबन किया है और वह गरीबों को पैसा वापस करे। हत्या और लूट की सरकार ममता बनर्जी जनता नहीं, लूट के प्रति जवाबदेह है। किंम जॉन की भूमिका में विरोधी और जनप्रतिनिधियों की हत्या करवा रही है। ऐसे में अब दिल्ली जाते ही बैठक कर सीबीआई को यह मामला सौंपना जरूरी हो गया है। उन्होंने कहा कि देश के लोगों ने लंबे अरसे तक करप्शन, गैर जिम्मेदार, अपनी और अपने लोगों की चिंता करने वाली सरकार देखी है। लेकिन नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज यह सब महज एक सपना बनकर रह गया है, तो उन सभी लोगों को दिक्कत होना स्वाभाविक है। जिन्होंने लंबे समय तक देश के संसाधनों का इस्तेमाल परिवार और ठेकेदारों को फायदा देने के लिए किया है। ममता बनर्जी भी इससे परे नहीं है, अभिषेक बनर्जी इसके उत्तीर्ण उदाहरण हैं। आज ममता अपनी ओछी राजनीति के लिए इन्हीं गरीब जनता को बहलाकर दिल्ली ला रही है और अपनी राजनैतिक महत्वाकांक्षा को पूरा करना चाहती है।

अगर ममता बनर्जी ने इतनी मेहनत कल्याणकारी स्कीमों को सही तरीके से गरीब परिवारों तक ले जाने में केंद्र सरकार की मदद की होती तो पश्चिम बंगाल विकास की एक नई गाथा लिख रहा होता। सरकारी स्कीमों का फायदा अपने लोगों तक ही पहुंचाने को अपना महत्वपूर्ण काम मानती हैं। हमारी सरकार शुरू से ही जवाबदेही और जिम्मेदारी के लिए संकल्पित रही है। विकास के कार्यों में हमने किसी के स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि उनके लिए काम किया जो सच में इसके हकदार हैं। हमारा लक्ष्य अंत्योदय और विकास का रहा है। मोदी सरकार ने जबसे लाभार्थियों के अकाउंट में सीधे पैसे देने की मुहीम से लाखों बिचौलियों की दुकानें बंद हो गई। हमने सालों से पश्चिम बंगाल में चले आ रहे सिंडिकेट को तोड़ा है और भ्रष्टाचार पर करारा प्रहार किया है। जहां लाखों करोड़ों के घरों में सरकारी स्कीमों से खुशियां आई हैं तो वहीं सिंडिकेट से जुड़े लोग नाराज भी हुए हैं और अपनी आदत के अनुसार आज भी सरकार की जन कल्याणकारी स्कीमों का फायदा अपने लोगों लिए करना चाहते हैं। विफल होने पर परेशान हैं और सरकार की छवि को धूमिल करने के लिए तरह-तरह के गलत प्रचार पर उतर है। फेल हुई यूपीए ने अपना नाम बदलकर इंडी अलाएंस रखा है। ममता बनर्जी भी इसी अलाएंस की सदस्य हैं। लेकिन इसी यूपीए की सरकार के दौरान पश्चिम बंगाल को सिर्फ 58 हजार करोड़ रुपये मिले थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल को पिछले नौ सालों में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा विकास के लिए खर्च किया जा चुका है। यह प्रधानमंत्री की पश्चिम बंगाल के विकास की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। यही कारण है कि आज भाजपा बंगाल की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है और आने वाले समय में सबसे बड़ी पार्टी भी बनकर उभरेगी। पश्चिम बंगाल की विकास यात्रा में सबसे बड़ी बाधक ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस है, जिससे जनता भी अब परेशान हो चुकी है। विभिन्न योजनाओं का डाटा देते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि ममता बनर्जी महिला होते हुए अपने प्रदेश की दीदीयों का भला नहीं कर पाई, वह मोदी जी ने क्रांतिकारी रूप से पूरा किया। भारत सरकार पश्चिम बंगाल में चले रहे मनरेगा और आवास योजना में धांधली को बार-बार और लगातार उजागर कर रही थी, लेकिन राज्य सरकार के कान में जूं तक नहीं रेंगी। केन्द्र सरकार से मॉनिटरिंग टीम भी भेजी गई, लेकिन उसकी रिपोर्ट पर भी उन्होंने कार्यवाही नहीं की। मंत्रालय द्वारा अनेक अवसर पर राज्य को व्यापक कार्यवाही रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा गया, लेकिन राज्य सरकार द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई। गिरिराज सिंह ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार से कई बार अनुरोध किया गया कि भ्रष्ट अधिकारी और भ्रष्ट मंत्रियों के खिलाफ एक्शन ले, लेकिन राज्य सरकार इसमें हमेशा फेल रही है। पश्चिम बंगाल सरकार के साथ सहयोग करने के लिए कई बार सेन्ट्रल टीम को वहां भेजा गया। लेकिन राज्य सरकार सहयोग करने को कभी तैयार नहीं रही। अब अनर्गल प्रलाप करना बंद करें।

बिहार जाति आधारित सर्वे रिपोर्ट जारी, 36 फीसदी के साथ सबसे अधिक अत्यंत पिछड़ा

सरकार ने जारी की जातीय गणना, कुल आबादी 13 करोड़ से ज्यादा

13:39 54%
Log in
Sign up
Nitish Kumar
@NitishKumar
Follow
आज गांधी जयंती के शुभ अवसर पर बिहार में कराई गई जाति आधारित गणना के आंकड़े प्रकाशित कर दिए गए हैं। जाति आधारित गणना के कार्य में लगी हुई पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई !

जाति आधारित गणना के लिए सर्वसम्मति से विधानमंडल में प्रस्ताव पारित किया गया था। बिहार विधानसभा के सभी 9 दलों की सहमति से निर्णय लिया गया था कि राज्य सरकार अपने संसाधनों से जाति आधारित गणना कराएगी एवं दिनांक 02-06-2022 को मंत्रिपरिषद से इसकी स्वीकृति दी गई थी। इसके आधार पर राज्य सरकार ने अपने संसाधनों से जाति आधारित गणना कराई है। जाति आधारित गणना से न सिर्फ जातियों के बारे में पता चला है बल्कि सभी की आर्थिक स्थिति की जानकारी भी मिली है। इसी के आधार पर सभी वर्गों के विकास एवं उत्थान के लिए अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी।

बिहार में कराई गई जाति आधारित गणना को लेकर शीघ्र ही बिहार विधानसभा के उन्हीं 9 दलों की बैठक बुलाई जाएगी तथा जाति आधारित गणना के परिणामों से उन्हें अवगत कराया जाएगा।

पटना, (हि.स.)। बिहार सरकार ने जातीय गणना की रिपोर्ट सार्वजनिक कर दी है। सरकार द्वारा जारी जातीय गणना के आंकड़ों के मुताबिक, बिहार की कुल आबादी 13 करोड़ 7 लाख 25 हजार 310 है। जातीय गणना के आंकड़े के मुताबिक अत्यंत पिछड़ा- 36 फीसदी, पिछड़ा वर्ग- 27 फीसदी, अनुसूचित जाति- 19 फीसदी और अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या 1.68 फीसदी है। बिहार सरकार की तरफ से जारी जातीय गणना के मुताबिक बिहार में सवर्णों की तादाद 15.52 फीसदी है। जिसमें भूमिहार की आबादी 2.86 फीसदी, ब्राह्मणों की आबादी 3.66 फीसदी, राजपूत की आबादी 3.45 फीसदी है। जबकि कुर्मी की जनसंख्या 2.87 फीसदी, मुसहर की आबादी 3 फीसदी, यादवों की आबादी 14 फीसदी है। जनगणना में कुल आबादी 13 करोड़ से ज्यादा बताई गई है। इनमें हिंदू समुदाय की आबादी 81.9 प्रतिशत, मुस्लिम की आबादी 17.7 प्रतिशत, ईसाई 0.05 प्रतिशत, सिख- 0.01 प्रतिशत, बौद्ध 0.08 प्रतिशत, जैन 0.0096 प्रतिशत अन्य धर्म के लोगों की आबादी 0.12 प्रतिशत है। 13 करोड़ से ज्यादा की आबादी में 10.07 करोड़ हिंदू और मुस्लिम की आबादी 2.31 करोड़ है। बिहार में सभी दलों की सहमति से जातीय गणना कराने पर सहमति बनी थी। सभी दलों की सहमति के बाद विधानमंडल के दोनों सदनों से प्रस्ताव पारित हुआ। केंद्र सरकार के इनकार के बाद बिहार सरकार ने अपने बूते पर जातीय गणना का काम शुरू किया लेकिन जाति आधारित गणना को लेकर बिहार में खूब बवाल मचा था। मामला हाई कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया। हालांकि बाद में सुप्रीम कोर्ट से हरी झंडी मिलने के बाद दो चरणों में जातीय गणना का काम पूरा हुआ। जातीय गणना का काम पूरा होने के बाद विपक्षी दल लगातार सरकार से जातीय गणना की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग कर रहे थे। आखिरकार नीतीश सरकार ने 2 अक्टूबर गांधी जयंती के मौके पर जातीय गणना के आंकड़ों को सार्वजनिक कर दिया।

संपादकीय

बलात्कार से बिक्री तक

महाकाल ज्योतिर्लिंग, महादेव और मंदिरों के शहर उज्जैन में 12 वर्षीय नाबालिग कन्या के साथ न केवल क्रूर बलात्कार किया गया, बल्कि उसे घायल कर लावारिस छोड़ दिया गया। उस बच्ची की रक्षा करने न तो कोई दैवीय करिश्मा हुआ और न ही किसी नागरिक ने उसकी पीड़ा साझा कर मदद करने की कोशिश की। उसे अस्पताल तक पहुंचाने की इनसानियत भी नदारद रही। बच्ची रोती-बिलखती, दर-दर गुहार करती रही, लेकिन उस कथित पवित्र शहर का असली चेहरा लगातार बेनकाब होता रहा। इतनी बेरुखी, संवेदनहीनता, तटस्थता सामने आती रही कि एक जिंदगी मर रही है, लेकिन घरों के दरवाजे बंद हैं! यही घोर कलियुग है। यह हमारे समाज और देश में हररोज घट रहा है। हररोज बलात्कार और सामूहिक दुष्कर्म, हत्या अथवा जला देने के जो औसत, दर्ज आंकड़े सामने आते रहे हैं, वे बेहद कम हैं। यह दरिंदगी, हवस और पाशविकता हम राजधानी दिल्ली में भी देखते रहे हैं। अभी हाल ही में 'आज तक' ने छिपे कैमरे से एक ऑपरेशन किया। मन-मस्तिष्क चीत्कार कर उठा। बेटियां अपने घर में भी सुरक्षित नहीं हैं। मामा, चाचा, मौसी आदि परिजन ही घर की बेटियां बेच रहे हैं। लाखों रुपए में बेटियों-बहनों की सौदेबाजी की जा रही है। हलफनामे भरे जा रहे हैं। ग्राहकों को तसल्ली दी जा रही है कि आप लड़कियों के साथ कुछ भी कर सकते हो! भारत के भीतर का एक और भारत यह भी है। एक रपट ने खुलासा किया है कि करीब 13 लाख बेटियां, बहनें, माताएं और देश की महिलाएं गायब हैं, लापता हैं। वे स्त्रियां कहां गईं? कैसे लापता हुईं? पुलिस-व्यवस्था ने क्या किया? उन्हें कौन 'दरिंदे' लूट गए? क्या वे भारत की नारियां 'वेश्यालय' तक पहुंचा दी गई हैं अथवा विदेशों में तस्करी की गई हैं? बेहद झकझोर देने वाले सवाल हैं। किसी देश की 13 लाख कन्याएं और महिलाएं लापता हो जाएं, और यह मुद्दा संसद में न उठे, इससे बड़ी हैरानी और संवेदनहीनता क्या होगी? संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के 33 फीसदी आरक्षण अब एक कानून बन चुका है। राष्ट्रपति हस्ताक्षर कर चुकी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे चुनावी मुद्दा बना दिया है और महिलाओं का व्यापक समर्थन हासिल करने को व्यग्र हैं। रोड शो के दौरान प्रधानमंत्री के वाहन के चारों ओर महिलाओं का घेरा बनाया जाने लगा है। स्पष्ट अर्थ है कि प्रधानमंत्री और उनकी पार्टी भाजपा को महिलाओं का समर्थन और सहयोग सुनिश्चित किया जा चुका है, लेकिन प्रधानमंत्री से हमने आज तक इस सरोकार के शब्द तक नहीं सुने कि 13 लाख स्त्रियां क्यों, कहां गायब कर दी गईं? वे सभी देश की सम्मानित नागरिक हैं, आधी-शक्ति की प्रतीक हैं और कई लाख तो मतदाता भी होंगी! वह देश के प्रधानमंत्री हैं, सभी संसाधन, स्रोत और शक्तियां उन्हें संविधान ने प्रदान की हैं। जिस देवनगरी में नाबालिग की इज्जत तार-तार की गई थी, वह मध्यप्रदेश का ही एक शहर है, जहां भाजपा की सरकार है। प्रधानमंत्री उस राज्य में वोट मांग रहे हैं, सत्ता को बरकरार रखने के प्रयास और प्रयोग किए जा रहे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री ने राज्य के मुख्यमंत्री और गृहमंत्री को तलब कर पूछा क्यों नहीं कि महादेव के शहर में ऐसा क्यों हुआ? आज मद्रास उच्च न्यायालय का फैसला आया है, जिसमें तमिलनाडु के 215 अफसरों, कर्मचारियों को पुनः दंडित किया गया है। 1992 में वाचथी गांव में 18 महिलाओं के साथ दरिंदगी की हदें पार की गईं। 32 साल बाद फैसला आया है। इस बीच 54 आरोपितों की मौत भी हो चुकी है। तब 8 माह की गर्भवती औरत और 13 साल की बच्ची को भी दुष्कर्म का शिकार बनाया गया। यह देश का कैसा न्याय है? दुष्कर्म, क्रूरता, हवस के मामलों में भी 32 साल तक मामला अदालतों में लटका रहेगा, तो फिर किसकी जिंदगी सुरक्षित मानी जा सकती है? राक्षस तो किसी की भी जिंदगी में टकरा सकते हैं। किसी की भी इज्जत से खिलवाड़ कर सकते हैं? फिर महिला सशक्तिकरण, आर्थिक विकास, आत्मनिर्भरता, शिक्षा आदि के जुमले क्यों उछाले जाते रहे हैं? यदि बच्चियां बचेंगी, तो फिर आगे बढ़ पाएंगी, पढ़-लिख सकेंगी! उनकी इज्जत पर ही हमले जारी रहेंगे, तो फिर हमारा देश 'भारत महान' कैसा? इस तरह की घटनाओं पर तुरंत रोक लगनी चाहिए और सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

> यह दरिंदगी, हवस और पाशविकता हम राजधानी दिल्ली में भी देखते रहे हैं। अभी हाल ही में 'आज तक' ने छिपे कैमरे से एक ऑपरेशन किया। मन-मस्तिष्क चीत्कार कर उठा। बेटियां अपने घर में भी सुरक्षित नहीं हैं। मामा, चाचा, मौसी आदि परिजन ही घर की बेटियां बेच रहे हैं। लाखों रुपए में बेटियों-बहनों की सौदेबाजी की जा रही है। हलफनामे भरे जा रहे हैं। ग्राहकों को तसल्ली दी जा रही है कि आप लड़कियों के साथ कुछ भी कर सकते हो! भारत के भीतर का एक और भारत यह भी है। एक रपट ने खुलासा किया है कि करीब 13 लाख बेटियां, बहनें, माताएं और देश की महिलाएं गायब हैं, लापता हैं। वे स्त्रियां कहां गईं? कैसे लापता हुईं? पुलिस-व्यवस्था ने क्या किया? उन्हें कौन 'दरिंदे' लूट गए? क्या वे भारत की नारियां 'वेश्यालय' तक पहुंचा दी गई हैं अथवा विदेशों में तस्करी की गई हैं? बेहद झकझोर देने वाले सवाल हैं। किसी देश की 13 लाख कन्याएं और महिलाएं लापता हो जाएं और यह मुद्दा संसद में न उठे, इससे बड़ी हैरानी और संवेदनहीनता क्या होगी? संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के 33 फीसदी आरक्षण अब एक कानून बन चुका है। राष्ट्रपति हस्ताक्षर कर चुकी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे चुनावी मुद्दा बना दिया है और महिलाओं का व्यापक समर्थन हासिल करने को व्यग्र हैं। रोड शो के दौरान प्रधानमंत्री के वाहन के चारों ओर महिलाओं का घेरा बनाया जाने लगा है।

कुछ अलग

स्वच्छता का सद्गुण

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मन की बात के पिछली कड़ी में आह्वान किया गया था कि महात्मा गांधी की जयंती के एक दिन पूर्व यानि 1 अक्टूबर को लोग राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान के लिए एक घंटे का समय निकालें और ऐसा ही हुआ। प्रधानमंत्री के साथ ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला एवं तमाम मंत्रियों ने स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया। शहरी आवास विकास मंत्रालय द्वारा एकत्र आंकड़े के अनुसार देश में स्वच्छता अभियान में 9.20 लाख लोगों ने हिस्सा लिया। दरअसल महात्मा गांधी के लिए स्वच्छता का महत्व सत्य और अहिंसा से कम नहीं था। इन्हीं मूलमंत्रों से वह आतंरिक शक्ति प्राप्त करते थे। उनके जीवन के इन्हीं मूलमंत्रों ने उन्हें महात्मा बना दिया। प्रधानमंत्री ने वर्ष 2014 में 15 अगस्त को लाल किले से महात्मा गांधी के जन्म सदी के अवसर पर स्वच्छता अभियान मनाने का संकल्प लिया था। रविवार को भारत सरकार ने महात्मा गांधी के प्रति जो सम्मान व्यक्त किया उससे इस बात का एहसास हुआ कि स्वच्छता हमारे जीवन से किस हद तक जुड़ी है। प्रधानमंत्री मोदी का काम करने का एक तरीका है, वह जो भी काम करते हैं, बड़ी तैयारी करके उसकी शुरुआत करते हैं। अपने कार्यक्रम में वह उन सभी लोगों को जोड़ने का प्रयास करते हैं जो उस विषय से पहले ही जुड़ चुके होते हैं। यही कारण है कि मोदी ने महात्मा गांधी के स्वच्छता अभियान से महत्वपूर्ण हस्तियों को जोड़ना शुरू किया तो ज्यादातर ऐसे समाजसेवी थे जिन्होंने खुद अपनी पहचान बनाने के लिए भारतीय संस्वृति से प्रेरणा ली है। सच तो यह है कि प्रधानमंत्री मोदी ने जो स्वच्छता का विषय राष्ट्रीय आंदोलन में बदल दिया है, यह हमारी भारतीय संस्वृति में पहले से ही समाहित है। सफाईं की अवधारणा तो हमारे स्वास्थ्य से जुड़ा है। महाराष्ट्र के गांधी कहे जाने वाले संत गाड़गे जब किसी भी बस्ती में भगवान वृष्ण और भगवान राम की कथा सुनाने जाते थे तो सबसे पहले पूरी बस्ती की सफाईं करवाते थे। महादेव गोविंद रानाडे और महर्षि अरविंद ने भी आंतरिक एवं बा सफाईं पर बल दिया था। आतंरिक सफाईं यानि मानसिक सफाईं। इसका तात्पर्य है कि व्यक्ति को मानसिक गंदगी की सफाईं करनी चाहिए तभी वह अपने उद्देश्यों की प्राप्ति कर सकता है। इसी तरह वह बा सफाईं करेगा तभी उसके स्वास्थ्य को दुष्प्रभावित होने से बचाया जा सकेगा। भारत अपनी समृद्ध संस्वृति का अनुसरण करने वाला देश है। घरों, सड़कों, पार्कों, स्वूलों, अस्पतालों, सार्वजनिक स्थलों और धार्मिक स्थानों से वूड़ा उठाना ही सफाईं नहीं है। सफाईं का व्यापक परिप्रेक्ष्य में कल्पना की जाती है। महात्मा गांधी भारतीय संस्वृति के अनुसार ही अपनी जीवन शैली अपनाते थे।

भारतवंशियों तथा प्रवासियों का भारत के लिए सहयोग और स्नेह लगातार बढ़ा है

प्रवासियों की विकास में नई भूमिका

डा. जयंतीलाल भंडारी

यकीनन इस समय दुनिया के विभिन्न देशों में प्रभावी भूमिका निभा रहे भारतवंशी और प्रवासी भारतीय भारत के आर्थिक और तकनीकी विकास में भी अपने अभूतपूर्व योगदान के नए अध्यायों के साथ वैश्विक मंच पर भारत के हितों की जोरदार हिमायत करते हुए दिखाई दे रहे हैं। हाल ही में कनाड़ा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड में भारत की छवि खराब करने के उद्देश्य से कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के बयान की कनाडा और अमेरिका सहित दुनिया के विभिन्न देशों के प्रवासी भारतीयों ने निंदा की और भारत के द्वारा आतंकवाद को समाप्त करने के प्रयासों को शक्ति प्रदान की। इतना ही नहीं, इस समय प्रवासी भारतीय भारत को वर्ष 2047 तक विकसित देश बनाने के सपने को साकार करने के मद्देनजर विशेष संगठन बनाकर नई अहम भूमिका निभाते हुए दिखाई दे रहे हैं। गौरतलब है कि इस वर्ष 2023 में भारत की जी-20 की अध्यक्षता और विगत 9-10 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन को सफल बनाने में प्रवासी भारतीयों के संगठन 'इंडियास्पोरा' का अभूतपूर्व योगदान रहा है। इंडियास्पोरा भारत के विकास में अहम योगदान देने के उद्देश्य से वर्ष 2012 में अमेरिका में स्थापित एक ऐसी गैर-लाभकारी संस्था है, जो करीब 20 देशों में सक्रिय रूप से मजबूती के साथ काम कर रही है। यह संगठन दुनियाभर के विभिन्न देशों के प्रवासी भारतीयों के लिए भी प्रेरणादायी बन गया है। इस संगठन का कहना है कि भारत ने अपनी आजादी के 76 साल का संतोषजनक सफर तय किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा भारत के बढ़ाए गए गौरव और प्रवासी भारतीयों के लिए किए गए विशेष प्रयासों से भारतवंशियों तथा प्रवासियों का भारत के लिए सहयोग और स्नेह लगातार बढ़ा है। ऐसे में अब भारत के तेज विकास और भारत को विकसित देश बनाने के लक्ष्य को पूरा करने के मद्देनजर भारतवंशियों व प्रवासियों द्वारा तन-मन-धन से आगे बढना चाहिए। यह कोई छोटी बात नहीं है कि दुनिया के अनेक देशों में प्रभावी भारतवंशी राजनेता अपने-अपने देशों को आगे बढ़ाते हुए विश्व के समक्ष भारत के चमकते हुए चेहरे हैं और ये हरसंभव तरीके से भारत के विकास में अपना अहम योगदान देते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। इन राजनेताओं में हाल ही में 14 सितंबर को सिंगापुर के राष्ट्रपति के रूप में पदभार ग्रहण करने वाले भारतवंशी थर्मन शनमुगरत्नम, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक. आयरलैंड के प्रधानमंत्री लियो वराडकर, पुर्तगाल के प्रधानमंत्री एंटोनिया कोस्टा, अमेरिका की

> कनाड़ा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड में भारत की छवि खराब करने के उद्देश्य से कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के बयान की कनाडा और अमेरिका सहित दुनिया के विभिन्न देशों के प्रवासी भारतीयों ने निंदा की और भारत के द्वारा आतंकवाद को समाप्त करने के प्रयासों को शक्ति प्रदान की। इतना ही नहीं, इस समय प्रवासी भारतीय भारत को वर्ष 2047 तक विकसित देश बनाने के सपने को साकार करने के मद्देनजर विशेष संगठन बनाकर नई अहम भूमिका निभाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

पहली महिला और पहली अश्वेत उपराष्ट्रपति कमला हैरिस, गुयाना के राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली, मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ और राष्ट्रपति पृथ्वीराजसिंह रूपुन, सूरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रिका प्रसाद संतोखी आदि के नाम उभरकर दिखाई दे रहे हैं। इसी तरह दुनिया में वैश्विक आर्थिक व वित्तीय संस्थानों, आईटी, कम्प्यूटर, मैनेजमेंट, बैंकिंग, वित्त आदि के क्षेत्र में ऊंचाइयों पर पहुंचे प्रवासी इन विभिन्न क्षेत्रों में भारत को आगे बढ़ाने के नए अध्याय लिख रहे हैं। भारतवंशी अमेरिकी 63 वर्षीय अजय बंगा ने चार माह पहले विश्व बैंक के नए अध्यक्ष के रूप में पांच साल के लिए कार्यभार संभाला है। वे इस संस्था की अध्यक्षता करने वाले पहले भारतवंशी है। माइक्रोसॉफ्ट के सत्य नडेला, गूगल के सुंदर पिचाई, नोवार्टिस वसंत नरसिम्हन, एडोब के शांतनु नारायण, आईबीएम के अरविंद कृष्णा, स्टारबक्स के लक्ष्मण नरसिम्हन, वर्टेक्स फार्मास्यूटिकल्स के रेशमा केवलरमानी, माइक्रोन टेक्नोलॉजी के संजय मेहरोत्रा, कैडेंस डिजाइन सिस्टम के अनिरुद्ध देवगन, पालो अल्टो नेटवर्क के निकेश अरोड़ा, वीएमवेयर के रंगराजन रघुराम, इमर्सन इलेक्ट्रिक कंपनी के सुरेंद्रलाल करसनभाई, माइक्रोचिप प्रौद्योगिकी के गणेश मूर्ति आदि अपनी प्रतिभा व कौशल से कारोबार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दुनिया की अगुवाई कर रहे हैं और भारत के विकास में भी रेखांकित करने वाला योगदान दे रहे हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि भारतवंशियों और प्रवासी भारतीयों के लिए विदेशों की नई संस्कृति में ढलकर इस तरह की सफलता हासिल करना आसान नहीं होता है। वास्तव में भारतंवशियों और प्रवासी भारतीयों के एक पूरे जीवन को आकार देने तथा ऊंचे पदों पर कार्य की रणनीति बनाने तथा नेतृत्व की भूमिका के मद्देनजर उन्हें मूल रूप से मिले हुए भारतीय संस्कार और भारतीय मूल्यों पर आधारित मूलमंत्र अहम भूमिका निभाते हैं। यद्यपि चीनी प्रवासी भी दुनिया के कोने-कोने में हैं, लेकिन वे भारतीय प्रवासियों की तरह शीर्ष वैश्विक संस्थानों राजनीति और उद्योग-कारोबार में वैसी प्रभावी भूमिका नहीं रखते हैं। ज्ञातव्य है कि दुनिया में प्रवासी भारतीयों का सबसे बड़ा डायस्पोरा है, जिसकी संख्या लगभग 3.2 करोड़ है। मोटे तौर पर प्रवासी भारतीयों में भारतवंशी (पर्सन ऑफ इंडियन ओरिजिन), नॉन रेसीडेंट इंडियन (एनआरआई) और ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) शामिल हैं। भारत के विदेश मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में भारतीय एनआरआई की संख्या करीब 1.34 करोड़ है और ये भारत में अपने संबंधित क्षेत्र में मतदान के पात्र हैं। सबसे ज्यादा प्रवासी भारतीय अमेरिका में रहते हैं। अमेरिका में विभिन्न प्रवासी समूहों में सबसे अधिक आय भारतीयों की है। भारतीय मूल के लोग अमेरिकी आबादी का एक प्रतिशत से थोड़ा अधिक हैं, वे संयुक्त राज्य अमेरिका के कर खजाने का 6 प्रतिशत हिस्सा हैं। यह आर्थिक ताकत भारतीय प्रवासियों को अमेरिका-भारत गलियारे में द्विपक्षीय महत्व के मुद्दों पर एक शक्तिशाली आवाज उठाने में सक्षम बनाती है। ऑस्ट्रेलिया में भी भारतीयों की औसत आय राष्ट्रीय औसत से डेढ़ गुना है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि प्रवासी भारतीयों का भारत के साथ स्नेह और सहयोग लगातार बढ़ता जा रहा है और ये भारत को धन भेजने के मामले में अन्य सभी देशों के प्रवासियों से बहुत आगे हैं। विश्व बैंक के द्वारा जारी माइग्रेशन एंड डेवलमपेंट ब्रीफ रिपोर्ट 2022 के मुताबिक विदेश में कमाई करके अपने देश में धन (रेमिटेंस) भेजने के मामले में वर्ष 2022 में भारतीय प्रवासी दुनिया में सबसे आगे रहे हैं। वर्ष 2022 में प्रवासी भारतीयों के द्वारा भेजी जाने वाली रकम 100 अरब डॉलर से भी अधिक की रही है। वर्ष 2021 में प्रवासियों ने करीब 87 अरब डॉलर की राशि स्वदेश भेजी। प्रवासियों से धन प्राप्त करने वाले दुनिया के विभिन्न देशों की सूची में भारत वर्ष 2008 से अब तक पहले क्रम का देश बना हुआ है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि अतीत में जब भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में तेज गिरावट आई, तब प्रवासियों ने मुक्त हस्त से भारत के विदेशी मुद्रा कोष को बढ़ाने में सहयोग दिया है। जब वर्ष 1998 में भारत के द्वारा किए गए परमाणु परीक्षण पोखरण-2 विस्फोट के बाद अमेरिका सहित दुनिया के कई देशों के द्वारा भारत पर लगाए गए तब आर्थिक प्रतिबंधों को वापस कराने में प्रवासी भारतीयों ने देश का सबसे ज्यादा साथ दिया और दुनिया का रुख बदलने में अहम भूमिका निभाई।

उन्मूलन की संभावना से परे सनातन

कौशल किशोर सर्वोच्च न्यायालय तमिलनाडु सरकार में मंत्री और मुख्य मंत्री एम.के. स्टालिन के पुत्र उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ सनातन के उन्मूलन की बात का संज्ञान लेकर नोटिस भेजती है। इस मामले में पिछले दिनों मुकदमे दर्ज किए गए हैं। इनकी एक साथ सुनवाईं तय किया गया है। हालांकि नफरत की राजनीति के इस पैंतरे को अभी 'हेटस्पीच' की परिधि से बाहर रखा गया है। उच्च न्यायालयो में भी इस मामले में 40 मुकदमे दर्ज किए जा चुके हैं। सनातन की परिभाषा बिगाड़ने का यह षडांत्र चेन्नईं में 2 सितंबर को आरंभ किया गया था। तभी से इस राजनीति के पक्ष विपक्ष में बयानबाजी चल रही है। यह सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। आगामी लोक सभा चुनाव से पहले पृष्ठभूमि रचने का यह गंभीर मामला है। दक्षिणी छोर पर शुरू किया गया ध्रुवीकरण का यह वुत्सित प्रयास आज चहुंओर असर दिखा रहा है। तमिलनाडु के प्रगतिशील कलाकारों और लेखकों ने इसके लिए चेन्नईं के कामराजार एरिना में मंच तैयार किया था। उदयनिधि स्टालिन ने इसे संबोधित करते हुए कहा था कि ठइस सम्मेलन का शीर्षक बहुत अच्छा है। यह 'सनातन विरोधी सम्मेलन' के बजाय 'सनातन उन्मूलन सम्मेलन' है। इसके लिए बधाईं। हमें वुछ चीजों को खत्म कर देना चाहिए। हम उसका विरोध नहीं कर सकते। हमें मच्छर, डेंगू बुखार, मलेरिया, कोरोना वायरस इत्यादि का विरोध ही नहीं करना चाहिए। हमें इनका उन्मूलन करना होगा। सनातन धर्म भी ऐसा ही है। उच्चतम न्यायालय में मामले की सुनवाईं आरंभ होने से पहले ही वेंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी इसका प्रतिकार करते हैं। वेंद्र की सत्ता में काबिज प्रायः सभी दलों के नेता इसकी आलोचना कर रहे हैं। भाजपा कार्यकर्ता सड़क पर उतर गए हैं। पर विपक्ष इस मुद्दे पर आज एकजुट नहीं है। कांग्रेस नेता करतिक चिदंबरम ने कहा कि उदयनिधि स्टालिन ने जो कहा है, उसमें वुछ भी गलत नहीं है। आम आदमी पाटा की ओर राज्य सभा के सांसद राघव चड्ढा स्वयं को सनातनी बता रहे हैं। विपक्षी गठबंधन से इसका ताल्लुक खारिज करते हैं। 'इंडिया' आज पक्ष विपक्ष में बंटता दिख रहा है। वहीं सत्तापक्ष इसके खिलाफ एकजुट है। बंगलुरु में विपक्षी गठबंधन की गांठ बंधने के तत्काल बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी को एक पत्र लिखा था। द्रमुक सांसदों ने श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विव्रमसिघे के भारत आगमन पर कच्चतीवु द्वीप की वापसी का मुद्दा उठाया था। राजनीति के पंडितों ने इसकी व्याख्या में 'क्विट इंडिया' का जुमला उछाल दिया। कांग्रेस नीत गठबन्धन का दूसरा बड़ा दल इसके टूटने की आशंका को जन्म देता है। संभव है कि इस विकट संकट से निजात पाने के लिए उदयनिधि स्टालिन लगातार ऐसी बेतुकी बातें कर रहे हैं। राजनीतिक स्वार्थ की परूति के लिए तमिलनाडु की द्रमुक सरकार आधुनिकता के नाम पर अपने लोगों को भी जोड़ने के बदले तोड़ने का काम कर रही है। सामाजिक न्याय की आड़ में बीमारी को दूर करने के नाम पर वैमनस्य के बीज बोने में लगी है। समानता और न्याय की पैरवी के लिए सनातन का तिरस्कार किसी विवृत मानसिकता का ही दृोतक है। इस हथवंडे का इस्तेमाल कर द्रमुक नेताओं ने देश के बहुसंख्य समाज को आहत किया है। साथ ही अपनी समझ का ओछापन उजागर कर दिया है। उन्होंने तमिलनाडु प्रगतिशील लेखक और कलाकार संघ के सामने 'सनातन' शब्द को संस्वृत भाषा का मान कर इसका अर्थ भी 'शाश्वत' के तौर पर किया था। इसकी व्याख्या करते हुए समाज की विवृतियों से जोड़ा था। सही मायनों में सनातन और धर्म एक दूसरे के पर्याय हैं। सार्वभौमिक सत्य को इंगित करने वाले नैस्रगिक धर्म के उन्मूलन की कल्पना करने वालों का ही नाश होता रहा है। सनातन अथवा धर्म अनादि काल से सतत बना रहा है। आगे भी रहेगा। इस पर हाय तौबा मचाने की कोईं जरूरत भी नहीं है। उदयनिधि स्टालिन जैसे किसी तंगदिल नेता के कहने अथवा करने से इसका उन्मूलन नहीं होने वाला है। सही मायनों में यह करने की पिमी सयता की नाटकीयता को होने की जमीन पर लाकर खड़ा करती है। परस्परावलंबन की इस सयता में एक सनातन सूत्र मिलता है, 'यत पिडे तत ब्रांडे' जो वुदरती एकता को व्यत्त करता है। निमित्त कारण और उपादान कारण को समझे बगैर इस पर टिपण्णी करना अनाधिकार चेष्टा ही साबित होती है। मानवता इस सार्वकालिक और सार्वभौम धर्म का सत्य है। यह नित्य है। इसकी पैरवी करने वालों के बीच पनपी विसंगतियों से यह परिभाषित नहीं होती है। वस्तुतः धर्म और सनातन दोनों ही शब्द उन्मूलन से परे की स्थिति का वाचक है। गुरुत्व पृथ्वी का धर्म है। यह भी नित्य है। सनातन है। इसलिए सत्य है। ईंसाइयत और इस्लाम की तरह सनातन और धर्म की व्याख्या पंथ के तौर पर करने से यह बदलने वाला भी नहीं है। दूसरी ओर ऐसे किसी पंथ की सफलता उसमें मौजूद सनातन तत्त्व की मौजूदगी पर ही निर्भर करता है। भारतीय समाज में आईं वुरीतियों को दूर करने में लगे आर्यं समाज के हिन्दू धर्म सुधार का विरोध करने वाले रूढ़विादियों को सनातन का प्रवर्तक कहने वाले विद्वानों को इसे समझने की जरूरत है। रूढ़ि सनातन की पहचान नहीं, बल्कि यह समाज को लगा रोग है। अपने दोष को किसी और पर लादने से तमिल समाज निदरेष नहीं हो जाता है। तमिलनाडु में यह द्रविड़ राजनीति बीसवीं सदी में इरोड वेंकट रामासामी पेरियार से शुरू होती है। जातिवाद के खिलाफ दलितों के उत्थान की यह राजनीति गैर बराबरी का विरोध करती है। इन्हीं वुरीतियों को दूर करने का प्रयास उस दौर में आंबेडकर ने भी किया था। समाज सुधार के इन सभी कल्याणकारी कार्यो पर कड़वाहट और द्वेष के हावी होने से समुचित सफलता नहीं मिली थी।

> सनातन की परिभाषा बिगाड़ने का यह षडांत्र चेन्नईं में 2 सितंबर को आरंभ किया गया था। तभी से इस राजनीति के पक्ष विपक्ष में बयानबाजी चल रही है। यह सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। आगामी लोक सभा चुनाव से पहले पृष्ठभूमि रचने का यह गंभीर मामला है। दक्षिणी छोर पर शुरू किया गया ध्रुवीकरण का यह वुत्सित प्रयास आज चहुंओर असर दिखा रहा है। तमिलनाडु के प्रगतिशील कलाकारों और लेखकों ने इसके लिए चेन्नईं के कामराजार एरिना में मंच तैयार किया था। उदयनिधि स्टालिन ने इसे संबोधित करते हुए कहा था कि ठइस सम्मेलन का शीर्षक बहुत अच्छा है।

दृष्टिकोण

आपदा राहत की चादर

हिमाचल सरकार ने अपने सीमित संसाधनों को निचोड़ कर आपदा राहत की चादर बिछाई है। वित्तीय मदद की एक नई परिपाटी खड़ी करके सुक्खू सरकार ने कुल 4500 करोड़ का आपदा राहत पैकेज बनाया है, जिसमें से सरकार 3500 करोड़ अपने संसाधनों से, जबकि 1000 करोड़ मनरेगा के तहत खर्च करेगी। आइंदा साधारण नुकसान की वित्तीय मदद के लिए भी एक लाख तक का प्रावधान हो रहा है, जबकि पूरी तरह क्षतिग्रस्त इमारतों को सरकार सात लाख तक का राहत प्रबंध कर रही है। सात जुलाई से तीस सितंबर के दौरान क्षतिग्रस्त मकानों, दुकानों या अन्य संपत्तियों को यह धन उपलब्ध होगा। इससे पहले सरकार अपने तौर पर केंद्र के पास बार-बार यह फरियाद करती रही है कि राज्य में आई आपदा को राष्ट्रीय घोषित करके राहत पैकेज निर्धारित किया जाए, लेकिन हिमाचल की मदद में अब तक मोदी सरकार का पैगाम नहीं आया है। एक अनुमान के अनुसार नुकसान की एक लंबी कहानी निजी तौर पर ही सोलह हजार के करीब भवनों को आंशिक या पूरी तरह बर्बाद कर चुकी है, जबकि राज्य की अपनी संपत्तियों का लेखा-जोखा बर्बादी के भयावह नुकसान का पीड़ाजनक अध्याय जोड़ रहा है। जाहिर तौर पर सरकार अब विकास के तयशुदा लक्ष्यों के बीच आपदा राहत पैकेज का बंदोबस्त कर रही है, तो कुछ क्षेत्रों के संसाधन कम होंगे। यह बजटीय प्रावधानों का ऐसा प्रबंधन है, जो राशियों के सामान्य आबंटन को आपदा राहत के मकसद से जोड़ रहा है। बुरे वक्त में दोस्त ही ढूंढे जाते हैं, लेकिन अकेला खड़ा हिमाचल केंद्र की अदालत में अपना केस हार चुका है। यह दीगर है कि देश के कुछ राज्यों और मुख्यमंत्री राहत कोष में, जनता व अन्य स्रोतों से आया धन राहत की पैरवी में मानवीय योगदान की भावना को आगे बढ़ा रहा है। स्वयं मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी अपनी जीवनभर की बचत यानी 51 लाख की राशि इसी पुण्य कार्य को अर्पित करके उदाहरण बनाया है। देखना होगा कि 4500 करोड़ का राहत पैकेज किस-किस मद में कटौती करता है। फिलहाल एक निर्णय में हिमाचल सरकार पांच नगर निगमों की 33.74 करोड़ की ग्रांट इन एड की राशि वापस ले रही है, जबकि मनरेगा के तहत आबंटित एक हजार करोड़ भी आपदा के जख्म भरेंगे। ऐसे बहुत सारे व्यय या विकास के कार्य हैं, जिन्हें सरकाया जा सकता है, लेकिन सर्वप्रथम राज्य की फिजूलखर्ची, सरकार का आकार तथा घाटे का कारोबार रोकना होगा। कम से कम आपदा राहत के दौर में सरकार की कार्रवाइयों में बचत का एहसास कराया जाए। पेट्रोल के बिल, सरकार के काफिले और रूटीन में प्रशासनिक व्ययों पर अंकुश लगना चाहिए। आने वाले कुछ सालों तक वर्तमान परियोजनाओं को ही अमलीजामा पहनाया जाए। घाटे के तमाम निगमों और बोर्डों को सबक सिखाने के लिए बचत के अलावा कमाने के लक्ष्य दिए जाएं। ऐसी बहुत सारी फाइलें यूं ही घूम रही हैं, तो इस दौरान लालफीताशाही पर जोरदार ढंग से रोक लगा कर वर्षों की खामी को सुधारा जा सकता है। अगर धन नहीं है, फिर भी आपदा राहत पर त्वरित रूप से पैकेज देने की अनिवार्यता है, तो नई इमारतों के अनावश्यक प्रदर्शन रोकने के अलावा सरकार की मशीनरी अपनी लेनदारी को वसूलने का कोई भी अवसर न गंवाए। बेशक राहज पैकेज की उदारता का स्वागत होगा, लेकिन इसके नाम पर कटौतियों का भी पारदर्शी हिसाब होना चाहिए। अगर पांच नगर निगमों से एक झटके में 33.74 करोड़ की ग्रांट इन एड वापस ले ली गई तो किसी एक को बचाते-बचाते कई अन्य नागरिकों की जिंदगी मुश्किल नहीं होनी चाहिए। ये नए नगर निगम हैं, जो अभी बाल्यकाल में ही संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं।

देश दुनीया से

मन का हो तो अच्छा, न हो तो और अच्छा

ट्रेन या फ्लाइट मिस हो जाए तो कितना गुस्सा आता है, जिसे प्रेम करते हैं, वह न मिले तो दिल टूट जाता है, मनपसंद नौकरी न मिले तो निराश हो जाते हैं। अपने साथ होने वाली ऐसी हर घटना पर हम दुखी हो जाते हैं और सोचते हैं कि हमारे साथ सब गलत ही हो रहा है। लेकिन हो सकता है कि जिसे आप ड्रीम जॉब समझ रहे हों, वहां सब वैसा न हो, जैसा आपने सोचा था। प्रेम में असफल रहे तो हो सकता है कि किस्मत ने उससे कहीं बेहतर आपके लिए ढूंढ रखा हो। हमारे साथ जो कुछ भी घटित हो रहा है, उसकी ज़रूर कोई वजह होगी। इसे इस कहानी से बहुत अच्छे से समझा जा सकता है। एक बार मंदिर में एक भक्त ने भगवान से पूछा कि किसका काम आसान है, भगवान का या भक्त का। प्रभु ने कहा कि एक दिन मेरी जगह खड़े होकर देख लो, तुम्हें खुद पता चल जाएगा। पर हां यह याद रखना कि एकदम चुपचाप खड़े रहना, कुछ बोलना नहीं। भक्त बोला, यह तो बहुत आसान काम है। थोड़ी देर में वहां एक व्यक्ति आया, साथ लाए ढेर सारे पैसे और आभूषण बगल में रखकर प्रार्थना की और जाने लगा। भक्त ने उसे टोकना चाहा कि अपने पैसे तो उठा लो, पर फिर उसे याद आया कि कुछ बोलना नहीं है। तभी वहां एक शख्स आया, इधर-उधर देखा और चुपके से वो पैसे उठाकर जाने लगा। भक्त विचलित हुआ, पर उसे फिर याद आया कि चुप रहना है। इस बीच एक तीसरा व्यक्ति आकर प्रार्थना कर ही रहा था कि पैसे चोरी होने का शोर मच गया। प्रार्थना कर रहे शख्स को पकड़कर पुलिस को सौंपने की तैयारी हो गई। चुपचाप खड़े होकर सबकुछ देख रहे भक्त से अब रहा नहीं गया। उसने अपना मौन तोड़ा और बताया कि पैसे इस व्यक्ति ने नहीं बल्कि उसने चुराए हैं जो मंदिर से बाहर जा रहा है। सीढ़ियों से उतरते शख्स की तलाशी ली गई तो पैसे मिल गए, जिसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। भक्त के बताए मुताबिक पैसे व गहने वापस उसके मालिक को

भारत-कनाडा विवाद के बीच जस्टिन ट्रूडो पर भड़के एलन मस्क, बोले- वे अभिव्यक्ति की आजादी को दबा रहे

ओटावा ।
स्पेसएक्स के संस्थापक और दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपतियों में से एक एलन मस्क ने कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो की आलोचना की है। मस्क ने ट्रूडो पर लोगों के बोलने की आजादी को दबाने का आरोप लगाया है। दरअसल कनाडा सरकार के एक फैसले के बाद मस्क ने ट्रूडो सरकार की आलोचना की है।

कनाडा पर लगा दमनकारी सेंसरशिप लागू करने का आरोप

बता दें कि कनाडा की एक आदेश के तहत सभी ऑनलाइन स्टीमिंग सेवाओं को आधिकारिक रूप से सरकार के रिकॉर्ड में पंजीकृत कराने का आदेश दिया है ताकि सरकार उस पर रेगुलेटरी कंट्रोल कर सके। कनाडा सरकार के इस आदेश की आलोचना हो रही है। पत्रकार और लेखक ग्लेन ग्रीनवाल्ड ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा किया है, जिसमें उन्होंने लिखा कि कनाडा सरकार दुनिया की सबसे दमनकारी ऑनलाइन सेंशरशिप योजना लेकर आई है। जिसके तहत सभी ऑनलाइन स्ट्रीमिंग सेवाओं, जिनमें पॉडकास्ट होता है, उन्हें आधिकारिक रूप से सरकार के रिकॉर्ड में पंजीकृत कराना होगा, जिससे सरकार ऑनलाइन स्ट्रीमिंग सेवाओं पर रेगुलेटरी नियंत्रण कर सके।

मस्क ने बताया शर्मनाक

ग्लेन ग्रीनवाल्ड के इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए एलन मस्क ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि ट्रूडो, कनाडा में बोलने की आजादी को खत्म करना चाहते हैं, यह शर्मनाक है। बता दें कि यह पहली बार नहीं है कि कनाडा की ट्रूडो सरकार पर बोलने की आजादी के हनन का आरोप लगा हो। इससे पहले फरवरी 2022 में भी ट्रूडो सरकार ने आपातकालीन शक्तियों का इस्तेमाल किया था और यह कनाडा के इतिहास में पहली घटना थी। दरअसल कोरोना महामारी के दौरान कोरोना वैक्सीन को लेने की अनिवार्यता के खिलाफ ट्रक ड्राइवरों ने विरोध प्रदर्शन किया था। तब हालात को नियंत्रित करने के लिए कनाडा सरकार ने आपातकालीन शक्तियों का इस्तेमाल किया था।

न्यूज ब्रीफ

बॉस ने मासिक धर्म पर की टिप्पणी, अब पीड़ित महिला को देने होंगे 37 लाख रुपये

एडिनबर्ग । एक बॉस को महिला के मासिक धर्म पर टिप्पणी करना महंगा पड़ गया है। दरअसल महिला ने अपने बॉस के खिलाफ मुकदमा दायर कर दिया था, सुनवाई के बाद अदालत ने बॉस को दोषी माना है और उसे क्षतिपूर्ति के रूप में महिला को 37 हजार पाउंड (करीब 37 लाख रुपये) का भुगतान करने का आदेश दिया है। घटना स्कॉटलैंड की है। केरेन फ्रैकर्सन नामक एक महिला साल 1995 से स्कॉटलैंड के एर्डेनशायर के पीटरहेड इलाके में स्थित थिसल मरीन नामक इंजीनयरिंग फर्म में काम करती थी। महिला का आरोप है कि उसके बॉस ने उस पर अपने मासिक धर्म को लेकर बहाना बनाने की टिप्पणी की और उसे नौकरी छोड़ने को कह दिया। महिला ने बताया के दिसंबर 2022 में उसने दो दिनों तक घर से काम किया। इसकी वजह भारी बर्फबारी और उसका मासिक धर्म था। जब वह दो दिन बाद ऑफिस गई तो उसके बॉस और कंपनी के एमडी जिम क्लार्क ने उसके मासिक धर्म को लेकर टिप्पणी और उसकी मेडिकल समस्या को मानने से इनकार कर दिया। जिम क्लार्क ने कहा कि हर किसी को इससे दर्द और दिक्कत होती है। महिला ने कंपनी पर लगाए गंभीर आरोप इससे नाराज होकर महिला ने अपने बॉस पर मुकदमा कर दिया। महिला का आरोप है कि कंपनी ने उसका उत्पीड़न किया और उसने अपने बॉस को समय के साथ ना बदलने वाला डायनासोर बताया। 40 वर्षीय महिला ने कहा कि 27 सालों तक कंपनी ने उससे कूड़े की तरह व्यवहार किया। दो बच्चों की मां पीड़ित महिला ने ये भी कहा कि उसकी कंपनी के बॉस अक्सर बीमार पड़ने वाले कर्मचारियों पर भी अपमानजनक टिप्पणी करते हैं। मामले की सुनवाई पूरी कर अदालत ने कहा कि जिम क्लार्क ने जिंदगी में काफी कुछ हासिल किया है और उनमें कई ऐसे गुण हैं, जिन्हें अपनाया जा सकता है लेकिन उनमें अपने कर्मचारियों के लिए संवेदनाएं नहीं हैं। इसके बाद अदालत ने कंपनी को पीड़ित महिला को 37 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया। अदालत ने कहा कि क्लार्क ने महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाई है।

पश्चिमी देशों में रिकॉर्ड ऊंचाई पर तापमान, अमेजन में पानी इतना गर्म कि सैकड़ों डॉल्फिन की गई जान

ब्राजिलिया । इस साल ब्राजील रिकॉर्ड उच्च तापमान का सामना कर रहा है। आमजनों के साथ ही जानवरों -पशु पक्षियों को काफी परेशानी हो रही है। बढ़ते तापमान के कारण पानी भी खौलता जा रहा है, जिसके कारण पिछले सात दिनों में अमेजन में 100 से अधिक डॉल्फिन मरी हुई मिली हैं। पानी का तापमान 103 डिग्री फारेनहाइट दर्ज किया गया है। ब्राजील की मामिरौआ संस्थान के अनुसार, डॉल्फिन टेफे झील में मरी हुई मिली हैं। जीवों के लिए परेशानी अचानक इतनी बड़ी संख्या में डॉल्फिन की मौतों को लेकर संस्थान ने कहा कि अमेजन में सूखा और बढ़ता तापमान इसका कारण हो सकता है। गौरतलब है, अमेजन नदी वर्तमान में रिकॉर्ड उच्च तापमान से जूझ रही है। इसकी वजह से इसमें रह रहे जीवों के लिए परेशानी खड़ी हो गई है। सही कारण बताना जल्दबाजी संस्थान ने कहा, 'इन मौतों का एकदम सटीक जबाव देना अभी जल्दबाजी होगी। हालांकि, हमारे विशेषज्ञों की माने तो यह निश्चित रूप से सूखे और टेफे झील में उच्च तापमान से जुड़ा हुआ है। एक रिपोर्ट के अनुसार, शोधकर्ता और वैज्ञानिक जिंदा डॉल्फिन को सुरक्षित बचाने के लिए लैगून और तालाबों से निकालकर उन्हें नदी में भेज रहे हैं। यहा का पानी और जगहों से थोड़ा ठंडा है। हालांकि, यह दोनों ही जगह काफी दूर हैं। इसकी वजह से स्थानांतरित करने वाली मुहिम आसान नहीं है। मामिरौआ इंस्टीट्यूट के एक शोधकर्ता आंद्रे कोएल्हो का कहना है कि ऐसे डॉल्फिन को अन्य नदियों में स्थानांतरित करना सुरक्षित नहीं है। उन्हें कहीं और भेजने से पहले वहां की जांच कर ली जाए कि वहां वायरस तो मौजूद नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, इसके अलावा कम से कम 59 नगर पालिकाओं ने अमेजन में पानी के औसत स्तर से नीचे की सूचना दी है। इसकी वजह से नदी से मछली पकड़ने की गतिविधियों में बाधा उत्पन्न हो रही है।

आत्मघाती हमले के बाद तुर्किये की वायुसेना ने इराक पर बरसाए बम, कई कुर्द लड़ाकों की मौत

अंकारा ।
तुर्किये की राजधानी अंकारा में हुए आत्मघाती हमले के बाद तुर्किये ने जवाबी कार्रवाई की है। तुर्किये की वायुसेना ने इराक स्थित कुर्द लड़ाकों के कई ठिकानों पर बमबारी की है। इस बमबारी में कई कुर्द लड़ाकों के मारे जाने का दावा किया जा रहा है। बता दें कि कुर्द विद्राहियों के संगठन ने ही अंकारा में हुए आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी ली थी। तुर्किये के आंतरिक मामलों के मंत्री ने वायुसेना की कार्रवाई की पुष्टि की है और कहा है कि सभी आतंकियों के मारे जाने तक लड़ाई जारी रहेगी।

इराक में 20 ठिकानों पर हुई बमबारी

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तुर्किये की वायुसेना ने कुर्द विद्राहियों के उत्तरी इराक स्थित 20 ठिकानों को तबाह कर दिया। इनमें कई गुफाएं, बंकर, शेल्टर होम और गोदाम शामिल हैं। ये सभी ठिकाने कुर्द विद्रोही संगठन कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी या पी.के.के के बताए जा रहे हैं। तुर्किये के आंतरिक मामलों के मंत्री ने दावा किया है कि तुर्किये की वायुसेना की बमबारी में कई कुर्द लड़ाके मारे गए हैं। तुर्किये के गृह मंत्री अली यारलीकाया ने बताया कि अंकारा स्थित गृह मंत्रालय की इमारत के बाहर एक आत्मघाती हमलावर ने खुद को उड़ा लिया, इस आत्मघाती हमले में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए।

आत्मघाती हमले में दो पुलिसकर्मी घायल हुए हैं।

यारलीकाया ने बताया कि आत्मघाती हमलावर एक गाड़ी में बैठकर आए थे और दो हमलावर थे। एक आतंकी ने मंत्रालय की इमारत के बाहर विस्फोट में खुद को उड़ा लिया, वहीं दूसरा आतंकी पुलिसकर्मियों की कार्रवाई में मारा गया। वहीं विस्फोट में दो पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। जिनका इलाज चल रहा है। तुर्किये पर यह आत्मघाती हमला ऐसे वक्त हुआ है, जब तुर्किये की सरकार आतंकी संगठन आईएसआईएस के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। यारलीकाया ने कहा कि उनकी लड़ाई आतंक के खिलाफ जारी रहेगी, जब तक सारे आतंकी नहीं मारे जाते।

क्या है तुर्किये और कुर्दिस्तान का विवाद

पहले सीरिया, इराक, ईरान, तुर्किये और आर्मेनिया जैसे देश ऑटोमन यानी उस्मानिया सल्तनत का हिस्सा था। प्रथम विश्व युद्ध में उस्मानिया सल्तनत की हार के साथ ही ये देश अलग-अलग हो गए। इन देशों में कुर्द लोगों की बड़ी आबादी रहती है और यह आबादी कुल साढ़े तीन करोड़ बताई जाती है। ये कुर्द लोग अपने लिए अलग देश यानी कुर्दिस्तान की मांग कर रहे हैं। तुर्किये की सीमा पर कुर्द लोग दावा करते हैं और इसे लेकर ही तुर्किए और कुर्द लड़ाकों में लड़ाई चल रही है। तुर्किये में कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी, कुर्द लड़ाकों का सबसे बड़ा संगठन है और गुरिल्ला लड़ाई से तुर्किए का मुकाबला कर रहा है। कुर्दों को इराक के उत्तर पश्चिम में एक स्वायत्त राज्य मिला हुआ है और तुर्किए के दक्षिण पूर्व में ये स्वायतता की मांग कर रहे हैं और सीरिया के उत्तर पश्चिम इलाके में भी कुर्दों का प्रभाव है। यही वजह है अब तुर्किये का वायुसेना ने इराक में मौजूद कुर्द लड़ाकों के ठिकानों पर बम बरसाए हैं।

तमाउलिपास में चर्च में प्रार्थना सभा के दौरान गिरी छत, कम से कम सात की मौत, सैकड़ों लोग जुटे थे

न्यू मैक्सिको । मैक्सिको के तमउलिपास राज्य में सोमवार को बड़ा हादसा हुआ। यहां एक चर्च में प्रार्थना सभा के दौरान अचानक ही लोगों पर छत गिर गई। इस घटना में कम से कम सात लोगों की मौत हुई है, वहीं कई लोग मलबे में ही दबे हैं। बताया गया है कि जिस वक्त यह हादसा हुआ, उस वक्त सैकड़ों की संख्या में लोग चर्च के अंदर ही मौजूद थे। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, राहत-बचाव कार्य जारी हैं। पुलिस और दमकल की टीमों ने 49 लोगों को मलबे से निकाल लिया है। इन्हें पास के ही अस्पताल में भेजा गया है। वहीं, अभी कई और के मलबे में ही दबे होने की आशंका है। उनकी खोज जारी है। बताया गया है कि मलबे में फंसे में लोगों में कई बच्चे भी शामिल हैं।

यूक्रेन का समर्थन करने से पीछे नहीं हटेगा अमेरिका', शटडाउन के खतरे के बीच जो बाइडन का बड़ा बयान

वाशिंगटन ।
अमेरिका और यूक्रेन के बीच बढ़ती नजदीकियां किसी से छुपी नहीं है। अमेरिका में इन दिनों शटडाउन का संकट छाया हुआ। बावजूद इसके अमेरिका यूक्रेन को लेकर प्रतिबद्ध है। अमेरिका के राष्ट्रपति का कहना है कि वाशिंगटन यूक्रेन का समर्थन करने से पीछे नहीं हटेगा। अमेरिकी संसद में अल्पकालिक विधेयक पारित होने के कुछ देर बाद ही अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने यह टिप्पणी की है।

विदेशी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने रविवार को कहा कि मैं अमेरिकी और यूक्रेनियों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि आप हमारे समर्थन पर भरोसा कर सकते हैं। हम पीछे नहीं हटेंगे। बाइडन ने रिपब्लिकन से भी यूक्रेन के समर्थन के बारे में अपनी बात रखने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि मेरे दोस्त यूक्रेन के समर्थन के बारे में अपनी बात रखेंगे। हम किसी भी परिस्थिति में यूक्रेन के लिए अमेरिकी समर्थन में बाधा नहीं आने देंगे। राष्ट्रपति बाइडन ने आगे कहा कि उन्हें संसद के अध्यक्ष केविन मैक्कार्थी से उम्मीद है कि वह यूक्रेन के लिए समर्थन रखने की प्रतिबद्धता को बनाए रखेंगे। यूक्रेन इस समय आक्रमकता और क्रूरता के खिलाफ युद्ध लड़ रहा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, संभावित सरकारी शटडाउन तब टल गया जब संयुक्त राज्य अमेरिका की सीनेट ने संघीय सरकार के शटडाउन को रोकने के लिए अपनी समय सीमा के भीतर शनिवार शाम को स्टॉपगैप फंडिंग उपाय पारित कर दिया। अमेरिका में पहले भी हो चुके हैं शटडाउन विशेष रूप से, यह अमेरिका में पहली बार सरकारी शटडाउन नहीं है। द्विदलीय नीति केंद्र के अनुसार, 1980 के बाद से अमेरिका में लगभग 14 सरकारी शटडाउन हुए हैं। आखिरी शटडाउन दिसंबर 2018 में हुआ था, जब सरकार ने 35 दिनों तक काम नहीं किया था।

लॉस एंजेलिस में खोलें भारतीय वाणिज्य दूतावास', रुक्री मेयर बैस का भारत से अनुरोध

वाशिंगटन ।
लॉस एंजेलिस की मेयर कैरेन रूथ बैस और भारतीय-अमेरिकी समुदाय ने भारत से अमेरिका के दूसरे सबसे बड़े शहर और दुनिया की मनोरंजन राजधानी में एक वाणिज्य दूतावास खोलने का आग्रह किया है।

पहले से ही पांच दूतावास

बता दें, अमेरिका के न्यूयॉर्क, सैन फ्रांसिस्को, शिकागो, ह्यूस्टन और अटलांटा में पांच भारतीय वाणिज्य दूतावास हैं।

पीएम मोदी ने किया था एलान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जून में अमेरिका गए थे, तब उन्होंने यह घोषणा की थी कि भारत अमेरिका में दो नए वाणिज्य दूतावास खोलेगा। इनमें से एक सिएटल में खुलेगा, तो दूसरे की जगह अभी निश्चित नहीं है। ऐसे में, भारतीय-अमेरिकी संगठनों के एक समूह और लॉस एंजेलिस की मेयर ने आग्रह किया कि उनके शहर में दूसरा भारतीय वाणिज्य दूतावास खोला जाना चाहिए।

दूतावास खुलना सम्मान की बात

बैस ने हाल ही में अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू को लिखे एक पत्र में कहा, 'मैं आपसे एक नए भारतीय वाणिज्य दूतावास के लिए लॉस एंजेलिस शहर पर विचार करने के लिए आग्रह करती हूं। आदान-प्रदान के लिए इस महत्वपूर्ण मंच को खोलने और निरंतर समर्थन प्रदान करने के लिए आपके साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात होगी।' बैस ने आगे कहा, 'भारत और लॉस एंजेलिस के बीच पर्यटन लाभ का एक और स्रोत है। लॉस एंजेलिस ने भारत में एक समर्पित पर्यटन कार्यालय के साथ निवेश किया है, जो 2019 में खुला और पूरे कोरोना महामारी के दौरान खुला रहा।' उन्होंने कहा कि हर साल लॉस एंजेलिस में एक लाख से अधिक भारतीय आगंतुकों के साथ एक वाणिज्य दूतावास न केवल महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करेगा बल्कि द्विपक्षीय सहयोग का विस्तार करने में एक प्रमुख भागीदार बनेगा।

आधुनिक भारत-अमेरिका संबंधों के वास्तुकार हैं जयशंकर', अमेरिका ने की भारतीय विदेश मंत्री की तारीफ

वाशिंगटन ।
अमेरिका के अधिकारियों ने भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की प्रशंसा की है। बाइडन प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों ने उन्हें आधुनिक अमेरिका-भारत संबंधों का वास्तुकार कहा है। अधिकारियों का कहना है कि भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूती देने में जयशंकर ने विशेष भूमिका निभाई है। विदेशी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने विदेश मंत्री जयशंकर के सम्मान में एक कार्यक्रम का आयोजन किया था। कार्यक्रम में बाइडन प्रशासन के शीर्ष अधिकारी अमेरिकी सर्जन जनरल विवेक मूर्ति, राज्य के उप सचिव रिचर्ड वर्मा, राष्ट्रपति बिडेन की घरेलू नीति सलाहकार नीरा टंडन, व्हाइट हाउस कार्यालय के राष्ट्रीय औषधि नियंत्रण नीति के निदेशक डॉ. राहुल गुप्ता और राष्ट्रीय विज्ञान फाउंडेशन के निदेशक डॉ. सेथुरमन पंचनाथन शामिल हुए। इस दौरान अधिकारियों ने जयशंकर को आधुनिक अमेरिका-भारत संबंधों का वास्तुकार कहा।

जयशंकर की नौ दिवसीय अमेरिका यात्रा समाप्त

विदेश मंत्री एस जयशंकर की नौ दिनी

अमेरिका यात्रा खत्म हो गई। यात्रा के अंतिम दिन जयशंकर ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में जयशंकर ने अपनी विदेश यात्रा के मुख्य अंश साझा किए। एक्स पर वीडियो साझा करते हुए जयशंकर ने एक कैप्शन भी लिखा- भारत और अमेरिका: क्षितिज का विस्तार।

विभिन्न अमेरिकी अधिकारियों से की मुलाकात

वीडियो में एस जयशंकर ने विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन, रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन, वाणिज्य सचिव जीना रायमोंडो और व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन ताई सहित अन्य अधिकारियों के साथ की गई चर्चा की झलकियां दिखाई। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ऑस्टिन के साथ भारत-अमेरिका द्विपक्षीय रक्षा सहयोग और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों पर चर्चा की। जयशंकर के वाशिंगटन प्रवास के दौरान अमेरिका में भारत के दूत तरनजीत सिंह संधू भी मौजूद थे। वाशिंगटन के इंडिया हाउस में उन्होंने कांग्रेस के सदस्यों, प्रशासन, व्यापार और थिंक टैंक प्रमुखों से भी मुलाकात की।

कनाडा विवाद पर की खुलकर बात

अमेरिका यात्रा के दौरान, विदेश मंत्री जयशंकर ने कनाडा के साथ विवाद और राजनयिक संबंधों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से कनाडा के साथ खटास जारी है। इसकी वजह कनाडा में फल-फूल रहे आतंकवाद, उग्रवाद और हिंसा को लेकर कनाडाई सरकार की सहनशीलता है। उन्होंने यह भी कहा कि कनाडा के साथ जारी वर्तमान तनाव को गतिरोध नहीं कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत असल में कनाडा के लिए वीजा निलंबित करना पंसद नहीं करता है लेकिन कनाडाई पक्ष के कारण हमें ऐसा करना पड़ा। कनाडाई पक्ष ने हमारे लिए चीजें काफी मुश्किल बना दी थीं। कनाडा में हमारे राजनयिकों को धमकाया जा रहा है। उन्होंने हमारे राजनयिकों को इस हद तक परेशान कर दिया है कि वह अपना काम तक नहीं कर पा रहे हैं।

वैश्विक सत्ता में जगह पाने के लिए राजनीति में हिस्सा लें', हिंदुओं से बोले विज्ञानानंद

वाशिंगटन ।
बैंकॉक में समुदाय की एक वैश्विक बैठक होनी है। इससे पहले एक हिंदू धार्मिक नेता स्वामी विज्ञानानंद ने हिंदुओं को वैश्विक सत्ता में जगह पाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि दुनिया की सत्ता में जगह पाने के लिए हिंदुओं को राजनीति में भाग लेना चाहिए।

बता दें, स्वामी विज्ञानानंद 'वर्ल्ड हिंदू फाउंडेशन' के संस्थापक एवं वैश्विक अध्यक्ष हैं। यह संगठन चार साल में एक बार विश्व हिंदू कांग्रेस का आयोजन करता है।

सिर्फ भांगड़ा से नहीं बना सकते पहचान

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) से स्नातक विज्ञानानंद ने कहा कि आधुनिक दुनिया में हिंदू केवल भांगड़ा, डांडिया और प्राणायाम के माध्यम से अपनी पहचान नहीं बना सकते। उन्होंने कहा कि वह इन सभी चीजों का सम्मान करते हैं, लेकिन सत्ता साझा करने के लिए हिंदुओं को अपनी मूल शक्ति पर ध्यान केंद्रित करने और रणनीति बनाने की जरूरत है। इस दिशा में अब तक ज्यादा प्रयास नहीं किए गए हैं।

वैश्विक जनसंख्या का छठा हिस्सा

भारतीय धार्मिक नेता ने कहा, 'हिंदुओं की आबादी वैश्विक जनसंख्या का छठा हिस्सा है। हम कई देशों में सबसे अमीर लोग हैं और हम शिक्षा और अकादमिक क्षेत्र में भी बहुत सफल हैं। लेकिन वास्तविक सत्ता में हमारी भूमिका नहीं हैं।'

असली सत्ता के खेल में 27 मायने

उन्होंने कहा कि हिंदुओं को राजनीतिक प्रक्रिया में भाग लेने की आवश्यकता है। वह किसी के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन उदाहरण से समझा जा सकता है। कनाडा में हिंदुओं की संख्या खालिस्तानियों से कहीं ज्यादा है। फिर भी संसद में केवल चार हिंदू सदस्य हैं, जबकि वे 27 हैं। उन्होंने कहा कि असली सत्ता के खेल में 27 मायने रखते हैं, चार नहीं। यही वैश्विक हिंदू समुदाय को समझाने की कोशिश की जा रही है। बैंकॉक में 24 से 26 नवंबर तक होने वाले अगले सत्र का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस दिशा में विश्व हिंदू कांग्रेस का यही फोकस और प्रयास है।

विश्व हिंदू कांग्रेस में पहुंचेंगे कई देशों के लोग

गौरतलब है, स्वामी विज्ञानानंद एक दशक से अधिक समय से विश्व हिंदू कांग्रेस के माध्यम से दुनियाभर के हिंदुओं को एक मंच पर लाने की कोशिश कर रहे हैं। थाइलैंड की राजधानी बैंकॉक में विश्व हिंदू कांग्रेस के तीसरे संस्करण में 60 से अधिक देशों के हजारों हिंदू शामिल होंगे। आखिरी विश्व हिंदू कांग्रेस 2018 में शिकागो में आयोजित की गई थी।

राज्य में हुए अभूतपूर्व विकास-कार्यों की पूरे देश में चर्चा : मुख्यमंत्री

जयपुर (हिंस)। नीमकाथाना के खेतड़ी से आए प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात कर क्षेत्र में हुए विकास कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया। प्रतिनिधिमंडल ने राज्य सरकार द्वारा संचालित की जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं तथा महंगाई राहत कैंपों के माध्यम से प्रदेश की जनता को पहुंचाई गई राहत के लिए मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। गहलोत ने प्रतिनिधिमंडल को सम्बोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है। राज्य में विकास कार्यों में कोई कमी नहीं रखी गई है। खेतड़ी सहित पूरे प्रदेश में विकास के अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। राज्य में हुए विकास कार्यों की पूरे देश में चर्चा हो रही है।

राजस्थान में माफियाराज गहलोत सरकार की देन : गजेंद्र सिंह शेखावत

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की एकमात्र देन माफियाराज और महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराध हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अब अपनी सरकार के जाने का अहसास हो गया है। इसलिए अंतिम समय में फ्री की योजनाओ से जनता को बहकाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन जनता इस बार झांसे में नहीं आएगी। वे सोमवार को धुंधाड़ा में रेलवे ठहराव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। शेखावत ने कहा कि पिछले साढ़े चार साल में गहलोत सरकार की देन प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था रही। प्रदेश में भंयकर अराजकता फैल गई। माफियाराज पनप गया। इस सरकार ने राजस्थान के किसानों और युवकों के साथ धोखा किया। अब इन्हें पता चल गया कि हमारी सरकार नहीं आएगी। इसलिए फ्री की योजनाएं ला रहे हैं, लेकिन आप लोगों को अब धोखे में नहीं आना है। इस बार गहलोत सरकार को उखाड़ फेंकना है। शेखावत ने केंद्र सरकार की योजनाओं की चर्चा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी के राज में आधारभूत ढांचे में सुधार हुआ है। प्रतिदिन 35 किलोमीटर के हिसाब से नई सड़कें देश में बन रही है। सड़क, हवाई अड्डे और रेलवे स्टेशनों का नवीनीकरण हो रहा है। देशभर में रेलवे के एक हजार नए स्टेशन बनाने का काम चल रहा है। नए एम्स बन रहे हैं। एक्सप्रेस वे बन रहे हैं। जोधपुर के एम्स में नए डेडिकेटेड ट्रोमा सेंटर बनाने का कार्य का शिलान्यास मोदीजी पांच अक्तूबर को करेंगे। शेखावत ने कहा कि किसानों की फसल खराब हो गई, लेकिन सरकार कागजी खानापूर्ति में ही लगी हुई है। दूसरी तरफ मोदी सरकार है, जिसने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हर गरीब को घर दिया। हर घर में शौचालय बनवाए। गरीबों के बैंक खाते खुलवाए। महिलाओं को उज्जवला योजना में गैस सिलेंडर दिया। इधर गहलोत साहब कहते हैं कि उनकी सरकार 500 रुपए में सिलेंडर दे रही है, वे यह नहीं बता रहे कि 900 के सिलेंडर में 400 रुपए की सब्सिडी तो मोदीजी ही दे रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मनमोहन सिंह के राज में कई घोटाले हुए। विकास कार्यों में भेदभाव हुआ। मनमोहन सिंह कहते थे कि देश के संसाधनों पर पहला हक अल्पसंख्यकों का है, लेकिन मोदीजी कहते हैं कि पहला हक गांव, गरीब और शोषित का है। पिछल नौ साल में मोदी जी ने गरीब के जीवन में परिवर्तन लिए बिना भेदभाव के काम किया। इसका प्रभाव यह रहा कि पिछले पांच साल में साढ़े नौ करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आ गए। शेखावत ने कहा कि मोदीजी ने 2019 में हर घर में पानी पहुंचाने का संकल लिया। इसके तहत सबसे ज्यादा पैसा राजस्थान को दिया। तीस हजार करोड़ रुपए पिछले चार साल में दिए, लेकिन गहलोत सरकार ने इस मिशन में कोई काम नहीं किया, बल्कि इसका राजनीतीकरण कर दिया। पाइप लाइनें बिछाने में भी राजनीतिक हस्तक्षेप हो गया। जो पानी में राजनीति करेगा। उसे भगवान भी माफ नहीं करेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मोदीजी के खिलाफ देशभर के सारे घोटालेबाज एकत्र हो गए। विपक्षी पार्टियों ने गठबंधन कर लिया और अब वे सनातन धर्म के खिलाफ बोल रहे हैं। धर्म और आस्था को चुनौती देने की बात करती है। इसलिए इस सरकार को उखाड़ फेंकना है।

पंजाब सरकार ने आउटसोर्स कोचों का वेतन दो से ढाई गुना बढ़ाया

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार ने खेलकूद विभाग में काम कर रहे आउट सोर्सिंग कोच के वेतनों में दो से ढाई गुना बढ़ोतरी करने का फैसला लिया है। खेल मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने सोमवार को कहा कि खेल विभाग और पंजाब स्टेट स्पोर्टस कौंसिल के अधीन राज्य के समूह जिलों में तैनात एगजीक्यूटव कोच-2 के मासिक वेतन 17,733 रुपए से बढ़ा कर 35000 रुपए, एगजीक्यूटव कोच-1 का वेतन 16,893 रुपए से बढ़ा कर 30,000 रुपए प्रति महीना और एगजीक्यूटव कोच का वेतन 11,917 रुपए से बढ़ा कर 25,000 रुपए प्रति महीना करने का फैसला किया गया है। इसके इलावा सभी कोचों के वेतन में सालाना 3 प्रतिशत बढ़ोतरी भी की जाएगी। खेल मंत्री ने आगे कहा कि राज्य में आउट सोर्सिंग पर तैनात कोचों की तरफ से लंबे समय से अपना वेतन बढ़ाने की मांग की जा रही थी। मुख्यमंत्री के ध्यान में यह मामला आने के बाद उन्होंने तुरंत मांग मंजूर करने का फैसला किया। इस फैसले के अंतर्गत आउट सोर्सिंग पर काम कर रहे कोचों का वेतन प्रति महीना दो से ढाई गुणा बढ़ा दिया गया है। यह फैसला 18 सितंबर, 2023 से लागू होगा। मीत हेयर ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की तरफ से खेल और खिलाड़ियों के लिए अपने खजाने खोले गए हैं। हांगडू एशियन गेमस में पंजाब के खिलाड़ी निरंतर बढ़िया प्रदर्शन कर रहे हैं और 1962 के जकार्ता एशियन गेम के बाद पांच स्वर्ण पदक जीते हैं। खिलाड़ियों की इनाम राशि बढ़ाने, तैयारी के लिए नकद राशि, वजीपा स्कीम के इलावा कोचों और खेल प्रमोटरों के लिए अवार्ड शुरू किए गए हैं। अब कोचों की भी लंबित मांग पूरी करते हुए उनके वेतनों में अच्छी बढ़ोतरी की गई है।

गेस्ट टीचरों ने फतेहाबाद में भाजपा कार्यालय पर किया जोरदार प्रदर्शन

फतेहाबाद (हिंस)। गेस्ट टीचरों ने नियमित करने की मांग को लेकर सोमवार को फतेहाबाद में भाजपा जिला कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया और सरकारी विरोधी नारे लगाकर रोष जताया। प्रदर्शन की अध्यक्षता जिला प्रधान इंदरजीत हड़ौली ने की। गेस्ट टीचर नियमित की मांग को लेकर भाजपा जिला अध्यक्ष बलदेव सिंह ग्रोहा के के पास पहुंचे। भारी संख्या में गेस्ट टीचरों को देखकर भाजपा अध्यक्ष गेस्ट टीचरों के बीच पहुंचे और गेस्ट टीचरों की बात को सुना। उन्होंने फतेहाबाद प्रवास पर आए सीएम के ओएसडी से बातचीत करवाने की बात कही। इसके बाद मौके पर पहुंचे ओएसडी भारत भूषण भारती वहां पहुंचे और गेस्ट टीचरों से बातचीत की। उन्होंने गेस्ट टीचरों को आश्वासन देते हुए कहा कि गेस्ट टीचरों के नियमितीकरण करने के तरीके पर विचार करने के लिए 5 अक्तूबर को 11 बजे चंडीगढ़ में अधिकारियों की बैठक बुलाई गई है जिसमें उनकी समस्या का समाधान किया जाएगा। गेस्ट टीचरों ने भाजपा के मैनिफेस्टो में किए गए वायदे को भी याद दिलाया। ओएसडी ने गेस्ट टीचरों की 5 सदस्यीय कमेटी को चंडीगढ़ पहुंचने का निमंत्रण दिया। इस अवसर पर स्टेट कमेटी सदस्य कृष्ण धारसूल, सचिव कप्तान आर्य, सुनील शर्मा, राज नारंग, जोगिंदर कंबोज, हंसराज भूना, लवली गुप्ता, मनोज बेनीवाल, मक्खन मांझू, महेंद्र सिंह, मनोज शर्मा, नरेश काजलहेड़ी, जोनी जाखल, धर्मवीर भूना, विजय भाटिया, नरेंद्र टोहाना, राजेंद्र नैन, प्रदीप पातड़, सुदेश कुमार रतिया, महावीर, अनिल नैन, कृष्ण भूना, पवन शर्मा धोलू, शीला सिवाच, अंजू बाला, ओमप्रकाश, कमलजीत कौर, लवलीन कौर, सुमित सिंगला रतिया सहित काफी गेस्ट टीचर उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर अर्पित किए श्रद्धासुमन

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयन्ती पर शासन सचिवालय तथा गांधी सर्किल स्थित बापू की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। शासन सचिवालय में गहलोत ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष बैठकर गांधी जी के प्रिय भजन वैष्णव जन तो तेने कहिये, रघुपति राघव राजा राम व राम धुन का श्रवण किया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, जलदाय मंत्री महेश जोशी, अल्पसंख्यक मामलात मंत्री शाले मोहम्मद सहित वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री मान ने शुरू किया 550 करोड़ की लागत वाला *स्वस्थ मिशन पंजाब*

पटियाला (हिंस)। पंजाब में स्वास्थ्य क्रांति के नए दौर की शुरुआत करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को पटियाला में सरकारी क्षेत्र का अपनी किस्म का पहला माता कौशल्या अस्पताल लोगों को समर्पित किया। इसके अलावा मुख्यमंत्री मान ने 550 करोड़ की लागत वाला *स्वस्थ मिशन पंजाब* शुरू किया। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस इस अस्पताल से ऐतिहासिक शहर पटियाला और इसके आसपास की लगभग 20 लाख लोगों की आबादी को लाभ मिलेगा। इस अस्पताल में 300 बेड हैं और अब इसमें 66 बेडों का विस्तार किया जा रहा है। अस्पताल को 13.80 करोड़ रुपए की लागत से अपग्रेड किया गया है। अब यहां आईसीयू, एनआईसीयू और अन्य सुविधाएं मिलेंगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री मान ने कहा कि पंजाब ने स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में एक नयी क्रांति की शुरुआत की है। उन्होंने ऐलान किया कि लोगों की कीमती जानें बचाने के लिए एक साल के अंदर राज्य भर के सभी

अस्पतालों में एमरजेंसी सेवाएं चालू कर दीं जाएंगी। भगवंत सिंह मान ने यह भी कहा कि राज्य सरकार दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों के गंभीर मरीजों के लिए अति उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए इलेक्ट्रानिक इंटैंसिव केयर यूनिट (ईआईसीयू) व्यवस्था शुरू करने जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी क्लीनिक राज्य में स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली को सुधारने के लिए मील के पत्थर के तौर पर काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इन क्लीनिकों में अब तक 59 लाख से अधिक मरीज लाभ उठा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों की भलाई के लिए 550 करोड़ रुपए का *स्वस्थ मिशन पंजाब* शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि पंजाब को शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाया जाएगा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि स्वस्थ मिशन पंजाब के अंतर्गत राज्य भर के सभी सरकारी अस्पतालों को नया रूप मिलेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि स्वस्थ पंजाब एप भी लांच किया गया है, जिससे मोबाइल पर क्लिक करके लोग पास के आम आदमी क्लीनिकों का पता लगा सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य भर में स्थापित किए गए आम आदमी क्लीनिकों में लोगों को दवाएं मुफ्त दी जा रही हैं। उन्होंने यह भी ऐलान किया कि पंजाब देश का पहला राज्य होगा जो सरकारी अस्पतालों में *मरीज सुविधा केंद्र* शुरू करने जा रहा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की सराहना करते हुए कहा कि राज्य में स्वास्थ्य क्रांति का दौर शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि इसका मकसद राज्य के लोगों को मानक स्वास्थ्य सेवाएं मुफ्त मुहैया करवाना है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री का एलान, भाजपा-जजपा गठबंधन में नहीं होंगे शामिल

जींद (हिंस)। पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह ने कहा कि हरियाणा में भाजपा और जजपा का गठबंधन होगा तो वह पार्टी में नहीं रहेंगे। बीरेंद्र सिंह ने बिना दुष्यंत चौटाला का नाम लिए कहा कि जेजेपी जब हरियाणा में आई थी तो लोगों को उनमें देवीलाल नजर आने लगे थे, लेकिन जितना भ्रष्टाचार जेजेपी ने किया है उतना बड़ा धोखा किसी ने भी राजनीति में जनता के साथ नहीं किया है। उन्होंने कहा कि लोग उनके पास आकर बोलते हैं कि सीधे जाओ तो आठ प्रतिशत और बिचौलिए को लेकर जाओ तो दस प्रतिशत देना पड़ता है। अगर भाजपा सही तरीके से हरियाणा में चुनाव लड़ना चाहती है तो जजपा को बाहर का रास्ता दिखाना होगा। इसके बाद फिर से लोग भाजपा की बात सुनने लग जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा के कई बड़े नेता यह बोलते हैं कि बीरेंद्र सिंह को भाजपा ने इतना बड़ा सम्मान दिया कि सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कैबिनेट में शामिल हुए, लेकिन वह भाजपा को बताना चाहते हैं कि बीरेंद्र सिंह, राव इंद्रजीत, कृष्ण पंवार, रमेश कौशिक ने ही भाजपा की हरियाणा में ज्योति जलाने का काम किया था। उनके बिना हरियाणा में कुछ नहीं था। वह पार्टी छोड़ कर आए थे और फिर भाजपा को सत्ता में लाने का काम किया, जिस पर भाजपा ने उन्हें यह सम्मान दिया था। पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह सोमवार को एकलव्य स्टेडियम में आयोजित मेरी आवाज सुनो कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मेरी आवाज सुनो रैली के मंच से बीरेंद्र सिंह ने कांग्रेस को छोड़ने का दुख बयां करते हुए कहा कि जो आप लोग चाहते हैं, वह वही करेंगे। उन्होंने 42 साल कांग्रेस में पूरी निष्ठा और ईमानदारी से काम किया, जिस पर कांग्रेस ने भी उन्हें पूरा सम्मान दिया। स्व. राजीव गांधी और सोनिया गांधी का जितना साथ और जितना विश्वास उन्हें मिला, उतना आज तक हरियाणा में कांग्रेस के किसी भी नेता को नहीं मिला है। उन्होंने कांग्रेस छोड़ने का कारण बताते हुए कहा कि उनके पास कैबिनेट मिनिस्टर पद की राष्ट्रपति भवन से चिट्ठी तक आ गई थी। पांच बजे शपथ ग्रहण समारोह था और दोपहर 12 बजे उनके पास संदेश आया कि अभी आपको मंत्रीमंडल में नहीं लिया जा रहा है, जिससे वो बहुत आहत हो गए। बावजूद इसके उन्होंने एक साल तक पार्टी नहीं छोड़ी। वह सोनिया गांधी से भी मिले, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। बीरेंद्र सिंह ने महिलाओं को लेकर कहा कि वह महिलाओं को पुरुषों की बराबरी पर ही नहीं, बल्कि उससे भी आगे ले जाना चाहते हैं। जितनी भी महिलाएं नौकरियों में हैं, उनकी सेलरी आदमियों से 33 गुणा बढ़ा दी जानी चाहिए। कोई पुरूष दस हजार रुपए सेलरी ले रहा है तो महिला को 13 हजार रुपए सेलरी दी जानी चाहिए।

ट्रंक से मिले तीन बहनों के शव, पिता हिरासत में

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के जालंधर में सोमवार को तीन लड़कियों की लाशें एक लोहे के ट्रंक से बरामद हुई हैं। तीनों लड़कियां आपस में बहनें थीं और रविवार से लापता थीं। परिजनों ने पुलिस में मामला भी दर्ज करवाया था। पठानकोट मार्ग पर स्थित कानपुर क्षेत्र निवासी तीनों मृतक लड़कियों की उम्र चार से नौ साल के बीच है। वह तीनों रविवार को घर पर अकेली थी। रात के समय जब परिजन आए तो लड़कियां घर पर नहीं मिली। काफी देर तक उनकी तलाश की गई। रात करीब 11 बजे पुलिस को इस बारे में सूचित किया गया।

ई टेंडरिंग के विरोध में 46 पंचायतों ने विधायक को प्रस्ताव पत्र दिए

सोनीपत (हिंस)। खरखौदा शहर के विश्राम गृह में खरखौदा हलके के सरपंचों की समस्याओं एवं सुझावों को लेकर सोमवार को विधायक जयवीर सिंह को अपने-अपने गांवों की मांगों और समस्याओं को लेकर 46 सरपंचों ने पंचायत का प्रस्ताव पत्र दिया है। विधायक जयवीर ने कहा कि 2024 में कांग्रेस की सरकार बनते ही ई-ट्रेडिंग व्यवस्था को बंद कर दी जाएगा और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के द्वारा शुरू की गई पंचायती राज व्यवस्था के साथ गांवों की सरकार यानि पंचायत को पहले कि तरह मजबूत किया जाएगा। बैठक की शुरुआत महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर दोनों महान विभूतियों को नमन करके की गई। विधायक जयवीर सिंह ने 15 अक्तूबर को खरखौदा में हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के तहत कार्यक्रम में पहुंचने का न्यौता दिया। जिसमें सभी सरपंचो ने विधायक जयवीर को कार्यक्रम में हिस्सा लेने का आश्वासन दिया। विभिन्न गांव की अलग अलग मांगों और समस्याओं से अलग हटकर सभी सरपंचों ने ई-ट्रेडिंग व्यवस्था को ग्रामीण विकास के लिए मुख्य अवरोधक के रूप में जिम्मेदार ठहराया। सरपंचों ने बताया कि ई-ट्रेडिंग व्यवस्था के चलते गांवों के विकास कार्य रुके हुए हैं और विकास कार्यों की गुणवत्ता पर बेहद नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। सरपंचों ने पिपली रोड, बरोणा रोड, ककरोई रोड एवं राठधाना आईटीआई रोड के टुकड़ों की मरम्मत ना किए जाने परेशानी बताई।

देश की आजादी में महात्मा गांधी का अहम योगदान : बिप्लब देव

सोनीपत (हिंस)। भाजपा के प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार देव ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महात्मा गांधी के सपने ग्राम स्वराज और स्वच्छता को पूरा करने का काम किया है। मोदी ही सत्य हैं और आज के राजनीति में मोदी ही सही व्यक्ति हैं। साल 2014 में मोदी ने स्वछता अभियान के माध्यम से भ्रष्टाचार की सफाई करने का एक संकेत दिया था। भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर निशान साधते हुए उन्होंने कहा कि जिनका कोई काम नहीं होता, वह आरोप ही लगाते हैं। बिप्लब देव सोमवार को सोनीपत के गांधी चौक पर महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए और नमन करने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने सफाई अभियान में झाड़ू भी लगाया। भाजपा के हरियाणा प्रदेश प्रभारी विप्लव देव ने सोनीपत में अलग-अलग कार्यक्रमों में शिरकत की।

वंदे भारत ट्रेन को पलटाने की साजिश पटरियों पर बिछाए गए थे पत्थर और सरिए

भीलवाड़ा (हिंस)। उदयपुर से जयपुर चलने वाली वंदे भारत ट्रेन को सोमवार सुबह पटरी से उतारने की साजिश रची गई। षड़यंत्र के तहत ट्रैक पर पत्थर और लोहे के सरिए बिछाए गए थे, लेकिन लोको पायलट की सजगता से बड़ी दुर्घटना टल गई। भीलवाड़ा से करीब चालीस किलोमीटर दूर चित्तौड़ जिले में सोनियाणा व गंगरार रेलवे स्टेशन के बीच अज्ञात बदमाशों ने पत्थर और लोहे की कील लगा कर ट्रेन को पलटाने का प्रयास किया। जानकारी मिलने पर तत्काल रेलवे सुरक्षा बल भीलवाड़ा की टीम मौके पर पहुंची। एक सप्ताह में ही यह दूसरा प्रयास है। इससे पहले ट्रेन का उद्घाटन होने के अगले ही दिन पथराव किया गया था। अब ट्रेन को पटरी से नीचे उतारने की साजिश रची गई। वंदे भारत ट्रेन उदयपुर से सुबह सात बजकर पचास मिनट पर रवाना होकर चित्तौड़गढ़ पहुंची थी। यहां से करीब साढ़े नौ बजे भीलवाड़ा के लिए निकली थी। इस बीच रास्ते में सोनियाणा व गंगरार रेलवे स्टेशन के बीच लोको पायलट को पटरियों में कुछ गड़बड़ी की आशंका हुई। लोको पायलट ने ट्रेन को रोक दिया। ट्रेन से उतरकर देखा तो करीब पचास फीट की पटरी पर पत्थर, कीले और सरिए पड़े दिखे। उच्च अधिकारियों को इसकी सूचना दी। इस पर रेलवे सुरक्षा बल की टीम मौके पर पहुंची। पिछली बार पथराव की घटना मेवाड़ विश्वविद्यालय के सामने ही हुई थी। आज का घटनास्थल भी मेवाड़ यूनिवर्सिटी से ज्यादा दूर नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने 24 सितंबर को हरी झंडी दिखा कर उदयपुर से जयपुर वंदे भारत ट्रेन को रवाना किया था। अगले ही दिन 25 सितंबर को इस पर पथराव किया गया। इस पर रेलवे सुरक्षा बल भीलवाड़ा ने प्रकरण दर्ज किया था। सुरक्षा कारणों से रेलवे के अधिकारी इस संबंध में कुछ नहीं बोल रहे हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि क्षेत्र में ही रहने वाले कुछ शरारती लोगों ने इस तरीके की हरकत की है। मामले की रेलवे पुलिस जांच कर रही है।

फतेहाबाद : गांधी जयंती पर गंदगी से परेशान लोग धरने पर बैठे

फतेहाबाद (हिंस)। एक ओर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के उपलक्ष्य में देशभर में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है वहीं दूसरी ओर फतेहाबाद शहर में गांधी जयंती के दिन स्वच्छता को लेकर लोगों को धरने पर बैठने को मजबूर होना पड़ा है। दरअसल, शहर की पॉश कालोनी जगजीवनपुरा के लोग पिछले काफी दिनों से सीवरेज व्यवस्था ठप्प होने से काफी परेशानी है। सड़कों पर फैली गंदगी से परेशान इन लोगों ने आज धरना दिया और गांधी जयंती पर *बापू हम शर्मिंदा हैं* के बैनर लगाकर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर रोष जताया। प्रदर्शन का नेतृत्व वार्ड के पार्षद मोहन लाल नारंग ने किया। वार्ड पार्षद मोहन लाल नारंग व वार्ड के अन्य लोगों ने बताया कि एक तरफ शासन-प्रशासन गांधी जयंती पर स्वच्छता अभियान चलाने की बात कह रहा है वहीं पिछले कई दिनों से परेशान उनकी समस्या पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। प्रशासन गांधी जयंती पर बापू गांधी की बेइज्जती कर रहा है इसलिए लोगों को गांधी जयंती के दिन स्वच्छता अभियान के दौरान यह धरना देना पड़ा। पार्षद मोहन लाल नारंग ने कहा कि वार्ड वासियों को पहले आवारा पशुओं को लेकर, फिर बंदरों को लेकर और अब सफाई समस्या को लेकर धरना देना पड़ रहा है। लोग पूछते हैं कि क्या अब उनका यही काम रह गया है। वार्ड वासियों व पार्षद ने बताया कि पिछले 20 दिन से ज्यादा समय से क्षेत्र का मेन सीवरेज ब्लॉक है और गंदा पानी गलियों में खड़ा है। लोग घर से बाहर नहीं निकल पा रहे। प्रशासन व लोगों के बनाए गए व्हाट्सएप ग्रुप में बार-बार शिकायतें दी जा रही हैं, लेकिन कहीं उनकी सुनवाई ही नहीं हो रही। मोहन लाल नारंग का कहना है कि 1 अक्तूबर को ऐसे-ऐसे लोग झाड़ू लेकर फोटोसैशन करवाते दिखते जिन्होंने कभी घर में भी झाड़ू नहीं लगाई और अब स्वच्छता अभियान के नाम पर सड़कों पर झाड़ू लगाकर लोगों के लाखों रुपए बर्बाद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें भी स्वच्छता अभियान में शामिल होने को कहा गया, लेकिन वे लोगों को क्या शिक्षा दें, जब उनके वार्ड व घर के आगे ही इतनी गंदगी फैली हुई है। लोगों ने बताया कि वे पिछले 5 सालों से सीवरेज की पाइपें बदलने की मांग कर रहे है लेकिन प्रशासन उनकी कोई सुनवाई नहीं कर रहा। लोगों ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर 5 अक्तूबर तक उनकी सीवरेज समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे जनस्वास्थ्य विभाग के बाहर धरना देंगे।

राजौरी के कालाकोट में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू

राजौरी (हिंस)। राजौरी जिले के कालाकोट में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई है। दोनों ओर से गोलीबारी जारी है। जिले के कालाकोट के तत्तापानी क्षेत्र में सोमवार को सुरक्षा बलों ने ड्रोन के माध्यम से तीन संदिग्धों को घूमते हुए देखा। इसके तुरंत बाद पुलिस, सेना और सीआरपीएफ के जवानों ने पूरे इलाके की घेराबंदी करके तलाशी अभियान शुरू किया। इस दौरान सुरक्षाबलों को पास आते देखकर क्षेत्र में छिपे आतंकियों ने गोलीबारी की। सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई के बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। इस दौरान कालाकोट के खड़गाला से तत्तापानी जाने वाली सड़क मार्ग को बंद कर यातायात को फिलहाल रोक दिया गया है। सुरक्षाबलों ने आसपास के लोगों को घरों में ही रहने की सलाह दी है।

पंजाब व दिल्ली के मुख्यमंत्रियों ने गांधी और लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धा-सुमन भेंट किए

पटियाला (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज राष्ट्र पिता महात्मा गांधी जी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी को उनके जन्म दिवस के अवसर पर श्रद्धा-सुमन भेंट किए। महात्मा गांधी जी को श्रद्धांजलि भेंट करते हुए भगवंत सिंह मान और अरविंद केजरीवाल ने कहा कि राष्ट्र पिता का जीवन, दर्शन और बलिदान हमेशा प्रकाश स्तंभ की तरह प्रकाशमान रहेंगे और हम सभी को समाज, राज्य और देश की निष्काम सेवा करने के लिए प्रेरित करते रहेंगे। उन्होंने लोगों को समान समाज का निर्माण करने के लिए महात्मा गांधी जी की तरफ से दिखाए शांति और अहिंसा के दर्शन पर चलने का न्योता दिया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी जी ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को एक जन आंदोलन में तबदील किया जिससे देश को बर्तानवी साम्राज्यवाद के चुंगल से मुक्त करवाया गया। पंजाब के मुख्यमंत्री और दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी विश्व नेता थे जिन्होंने अहिंसा की अपनी विचारधारा के द्वारा आजादी की लड़ाई जीती। उन्होंने कहा कि गांधी जी एक महान राजनेता और महान सख्शियत थे,

जिन्होंने प्यार, शांति और अहिंसा के अपने दर्शन का प्रचार करने के लिए दुनिया भर की यात्रा की। उन्होंने कहा कि दुनिया भर के लोग महात्मा गांधी जी की विचारधारा के प्रशंसक और पैरोकार हैं। लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धा-सुमन भेंट करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री और दिल्ली के मुख्यमंत्री ने उनको भारतीय राजनीति का एक ऐसा प्रकाश स्तंभ बताया जिसने भारत को अनाज उत्पादन में आत्म निर्भर बनाने के लिए मुख्य केंद्र के तौर पर काम किया। उन्होंने कहा की लाल बहादुर शास्त्री जी की तरफ से दिया गया *जय जवान, जय किसान* का नारा हमेशा हमारा मार्गदर्शन करने सहित भारत को एक आत्म-निर्भर और सुरक्षित राष्ट्र के तौर पर आगे बढ़ाने में मदद करता रहेगा।

आरबीआई एमपीसी की बैठक चार अक्तूबर से; रेपो रेट स्थिर रहेगा या होगा इजाफा

नई दिल्ली ।
भारतीय रिजर्व बैंक इस हफ्ते होने वाली मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में प्रमुख नीतिगत दर यानी रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर स्थिर रख सकता है। अगर ऐसा होता है तो खुदरा और कॉरपोरेट कर्जदारों के लिए ब्याज दरें स्थिर रह सकती हैं। बता दें कि रूस यूक्रेन युद्ध के बीच रिजर्व बैंक ने मई 2002 में नीतिगत दर बढ़ाना शुरू किया था। इस साल फरवरी में इसे बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया गया था। पिछली तीन बैठकों में रेपो रेट को स्थिर रखा गया था। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक चार से शुरू होकर छह अक्तूबर तक चलेगी। बैठक के नतीजों का एलान छह अक्तूबर को किया जाएगा।

क्या होगा इस बार एमपीसी की बैठक में – जानकारों का मानना है कि इस बार की मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में मौजूदा दर संरचना के साथ रेपो रेट को बरकरार रखा जा सकता है। खुदरा मुद्रा स्फीति फिलहाल 6.8 प्रतिशत के उच्च स्तर पर है और सितंबर और अक्तूबर महीनों के आंकड़ों में कमी आने की संभावना है। हालांकि खरीफ उत्पादन के बारे में अभी चीजें स्पष्ट नहीं है। यदि इसमें उतार-चढाव होता है तो कीमतों में इजाफा हो भी सकता है। श्रीराम फाइनेंस के कार्यकारी उपाध्यक्ष और फाइनेंस इंडस्ट्री डेवलपमेंट काउंसिसल (एफआईडीसी) के अध्यक्ष उमेश रेवांकर ने बताया कि पिछली एमपीसी बैठकों में अमेरिका की तुलना में भारत में नीतिगत ब्याज दरों में बहुत अधिक इजाफा नहीं हुआ है। रेवांकर ने कहा, हमें उम्मीद है कि इस बार के एमपीसी बैठक में भी ब्याज दरों को स्थिर रखा जा सकता है।

खरीफ उत्पादन पर रहेगी बाजार की नजर – रेवांकर ने कहा, पिछली दो तिमाही में महंगाई में वृद्धि हुई है। ऐसा खासकर फूड इन्फ्लेशन बढ़ने से हुआ है। फूड इन्फ्लेशन एमपीसी के पहले नियंत्रण दिख रहा है ऐसे आरबीआई रेपो रेट को स्थिर बनाए रख सकता है। इसके अलावे खरीफ आउटपुट पर भी नजर बनी रहेगी।

न्यूज ब्रीफ

देश में गेहूं पैदावार का मिला नया लक्ष्य, अब 114 मिलियन टन की ओर बढ़े कदम

करनाल । देश के वैज्ञानिक एक बार फिर नए लक्ष्य के साथ गेहूं की पैदावार बढ़ाने में जुट गए हैं। पिछले साल का लक्ष्य 112 मिलियन टन हासिल करने के बाद अब केंद्र सरकार ने वर्ष 2024 के लिए देश की गेहूं पैदावार का नया लक्ष्य (114 मिलियन टन) निर्धारित किया है। इसका खुलासा करते भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक एवं सचिव डेयर डॉ. हिमांशु पाठक ने कहा कि हमें नई तकनीक, नई किस्मों के बीज, किसानों तक पहुंचाकर और उन्हें जागरूक कर नए लक्ष्य को पाना है। भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान (आईआईडब्ल्यूबीआर) में करनाल स्थित सभी अनुसंधान संस्थानों के निदेशकों, वैज्ञानिकों और देश के कृषि अनुसंधान संस्थानों के वैज्ञानिकों ने बीते रोज मंथन किया। इसमें आईआईडब्ल्यूबीआर के निदेशक डॉ. ज्ञानेंद्र सिंह ने कहा कि इसमें कोई दो राय नहीं है कि भारत के किसानों, वैज्ञानिकों ने गेहूं की पैदावार में बड़ा काम किया है। इस साल भी 16 नई किस्में रिलीज की गई हैं, जो जलवायु सहनशील हैं, लेकिन अभी नई किस्मों पर अनुसंधान लगातार चल रहा है। आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक ने 112 मिलियन टन गेहूं के लक्ष्य को पाने पर आईआईडब्ल्यूबीआर के निदेशक सहित सभी वैज्ञानिकों और देश के किसानों की सराहना करते हुए कहा कि अब भारत सरकार ने 114 मिलियन टन गेहूं की पैदावार का नया लक्ष्य दिया है। हमें इसे चुनौती के रूप में लेना है और इसे हासिल करने के लिए गंभीरता से काम करना है। इसके लिए अधिक पैदावार वाली नई किस्मों, उच्च गुणवत्तापूर्ण बीज, नई तकनीक को समाहित करते हुए किसानों के खेतों तक पहुंचाना है, किसानों को जागरूक करना है।

जापान की अर्थव्यवस्था को लेकर आशान्वित हैं विनिर्माताः सर्वे

तोक्यो । जापान के बड़े विनिर्माताओं की कारोबारी धारणा में जुलाई-सितंबर की तिमाही में सुधार हुआ है। यह लगातार दूसरी तिमाही है जबकि विनिर्माता देश की अर्थव्यवस्था को लेकर आशान्वित दिख रहे हैं। जापान के केंद्रीय बैंक द्वारा सोमवार को जारी एक सर्वे में यह निष्कर्ष निकाला गया है। बैंक ऑफ जापान के तिमाही सर्वे से पता चलता है कि सितंबर तिमाही में देश के प्रमुख विनिर्माताओं की कारोबारी धारणा प्लस 9 रही है। यह जून में प्लस 5 थी। वहीं प्रमुख गैर-विनिर्माताओं की कारोबारी धारणा चार अंक बढ़कर प्लस 27 हो गई है यह लगातार छठी तिमाही है जबकि गैर-विनिर्माताओं की धारणा में सुधार हुआ है। इसे पिछले तीन दशक का सबसे सकारात्मक नतीजा भी बताया जा रहा है। सर्वे प्रत्येक तिमाही में किया जाता है। इसमें कारोबारी धारणा को सकारात्मक बताने वाली कंपनियों की संख्या में से कारोबारी धारणा को नकारात्मक बताने वाली कंपनियों की संख्या घटाकर कारोबारी धारणा का आकलन किया जाता है।

सितंबर में टाटा मोटर्स की घरेलू बिक्री बढ़कर 80,633 इकाई पर

नई दिल्ली । देश की प्रमुख वाहन कंपनी टाटा मोटर्स की कुल घरेलू बिक्री सितंबर में सालाना आधार पर दो फीसदी बढ़कर 82,023 इकाई पर पहुंच गई है। कंपनी ने सितंबर 2022 में 80,633 इकाइयां बेची थीं। टाटा मोटर्स ने शेयर बाजार को बताया कि कंपनी की यात्री वाहन खंड में घरेलू बिक्री सितंबर में सालाना आधार पर छह प्रतिशत गिरावट के साथ 44,809 इकाई रही। सितंबर 2022 में यह 47,654 इकाई थी। इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की कुल बिक्री सितंबर में सालाना आधार पर 57 प्रतिशत बढ़कर 6,050 इकाई रही, जो पिछले साल सितंबर में 3,864 इकाई थी। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड और टाटा पैसेंजर्स इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में टाटा मोटर्स ने 1,38,939 कारों और एसयूवी की तिमाही बिक्री दर्ज की। कंपनी ने कहा कि सितंबर 2023 में उसकी कुल वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 12 प्रतिशत बढ़कर 39,064 इकाई रही, जबकि सितंबर 2022 में यह 34,890 इकाई थी। कंपनी की वाणिज्यिक वाहनों की घरेलू बिक्री चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में छह प्रतिशत बढ़कर 99,178 रही।

क्या है पुरानी पेंशन स्कीम, जिसे लागू करने की मांग पर केंद्र के खिलाफ हो रहे प्रदर्शन

नई दिल्ली ।
हम अपनी आजीविका चलाने के लिए कमाई करते हैं। कोई नौकरी करता है, तो कोई अपना बिजनेस करता है। वहीं, जो लोग सरकारी नौकरी करते हैं (केंद्र या राज्य सरकार के कर्मचारी के तौर पर) उन्हें पेंशन देने का प्रावधान है। पिछले कुछ समय से आप ओपीएस यानी ओल्ड (पुरानी) पेंशन योजना और एनपीएस यानी नई पेंशन योजना पर विभिन्न सरकारों और कर्मचारी संगठनों के बीच रार ठनी हुई है। आइए जानते हैं क्या है पुरानी पेंशन स्कीम यानी ओपीएस जिसे कर्मचारी संगठन लागू करने की मांग कर रहे हैं। एनपीएस यानी नई पेंशन स्कीम का विरोध क्यों हो रहा है।

क्या है पुरानी पेंशन योजना

बात अगर ओल्ड पेंशन योजना की करें, तो इसमें कर्मचारी के सेवा काल के आखिर के वेतन का 50 फीसदी पेंशन के रूप में आजीवन किया जाता था। इसकी पूरी राशि का भुगतान सरकार की तरफ से किया जाता था। हालांकि, दिवंगत अटली बिहारी वाजपेयी की सरकार ने दिसंबर 2003 में इस पुरानी पेंशन योजना को खत्म कर दिया था। अब उसी पुरानी पेंशन योजना को लागू करने के लिए विभिन्न कर्मचारी संगठन सड़कों पर उतर रहे हैं।

पुरानी पेंशन योजना को कैसे समझें

केंद्र और राज्यों में सरकारी कर्मचारियों के लिए पेंशन अंतिम आहरित मूल वेतन का 50 प्रतिशत निर्धारित किया गया था। मतलब सेवा के आखिरी दौर में जितना वेतन मिलता था, उसका आधा प्रतिमाह रिटायरमेंट के बाद पेंशन के तौर पर मिलता था। इसके लिए कर्मचारियों के वेतन से कटौती भी नहीं होती थी। उदाहरण के लिए, अगर किसी रिटायर्ड सरकारी कर्मचारी का सेवा में रहते हुए मासिक मूल वेतन 10,000 रुपये था, तो उसे 5,000 रुपये की पेंशन का आश्वासन दिया जाता था। इसके अलावा सरकार द्वारा सेवारत कर्मचारियों के लिए घोषित महंगाई भत्ते या डीए में बढ़ोतरी का असर भी पेंशनभोगियों के मासिक भुगतान पर पड़ता था। मतलब भत्ते और डीए का लाभ पेंशनभोगियों को भी मिलने लगता था। अभी तक सरकार द्वारा भुगतान की जाने वाली न्यूनतम पेंशन नौ

हजार रुपये प्रति माह है और अधिकतम 62,500 रुपये है। (केंद्र सरकार में उच्चतम वेतन का 50 प्रतिशत, जो कि 1,25,000 रुपये प्रति माह है)। पुरानी पेंशन योजना को 2004 में बंद कर दिया गया था। इसके बदले नई पेंशन योजना लागू कर दी गई। पिछले काफी समय से लोग पुरानी पेंशन स्कीम को फिर से बहाल करने को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। जानकार मानते हैं कि पुरानी योजना के मुकाबले नई पेंशन योजना में कर्मचारियों को काफी कम फायदे मिलते हैं, जिससे उनका भविष्य सुरक्षित नहीं माना जा सकता। यही नहीं, जब नौकरी पूरी हो जाएगी और जो पैसे मिलेंगे उस पर टैक्स भी देना पड़ता है। यही सब वजह है कि कर्मचारी संगठन पुरानी पेंशन योजना का विरोध कर रहे हैं।

आरबीआई के शोधपत्र में पुरानी पेंशन योजना पर क्या कहा गया

वहीं दूसरी ओर सरकार का मत इसके उलट है। आरबीआई के एक शोध पत्र में कहा गया है कि पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) के मामले में राजकोषीय बोझ नई पेंशन योजना से 4.5 गुना तक अधिक हो सकता है। राज्यों का पुरानी पेंशन योजना पर वापस लौटना पीछे की ओर कदम रखने जैसा है। यह मध्यम से लंबी अवधि में राज्यों के वित्तीय स्थिति को अस्थिर कर सकता है। गौरतलब है कि हाल में राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड, पंजाब एवं हिमाचल प्रदेश ने पुरानी पेंशन को लागू करने का फैसला किया था। लेख में कहा गया है कि ओपीएस में परिभाषित लाभ हैं, जबकि एनपीएस में योगदान परिभाषित है। ओपीएस में अल्पकालिक आकर्षण है। वही मध्यम से लंबे समय में यह राज्यों के लिए एक चुनौती बन सकता है। पुरानी पेंशन योजना लागू करना सरकार के लिए चुनौतीपूर्ण क्यों राज्य 2040 तक ओपीएस पर वापस लौटने से वार्षिक पेंशन खर्च में सकल घरेलू उत्पाद का केवल 0.1 प्रतिशत बचाएंगे। लेकिन 2040 के बाद वार्षिक सकल घरेलू उत्पाद के 0.5 प्रतिशत तक पेंशन खर्च में औसत अतिरिक्त वृद्धि करनी होगी। लेख में चेतावनी दी गई है कि राज्यों का ओपीएस पर वापस लौटने से लंबी अवधि में उनके राजकोषीय तनाव को अस्थिर स्तर तक बढ़ा सकता है।

पुरानी पेंशन योजना से सरकार को क्या समस्या है

मुख्य समस्या यह थी कि पेंशन की देनदारी अनफंडेड रही। मतलब आय का कोई जरिया नहीं था और भुगतान की राशि में लगातार इजाफा होते जा रहा था। भारत सरकार के बजट में हर साल पेंशन के लिए प्रावधान किया जाता है। भविष्य में साल दर साल भुगतान कैसे किया जाए, इस पर कोई स्पष्ट योजना नहीं थी। एक तरफ पेंशन की देनदारियां बढ़ती जा रही थीं तो दूसरी ओर हर साल पेंशनर्स को दी जाने वाली सुविधाओं में भी बढ़ोतरी। मतलब महंगाई भत्ता, डीए से पेंशन भुगतान की राशि में और भी इजाफा होने लगा था। पिछले तीन दशकों में केंद्र और राज्यों के लिए पेंशन देनदारियां कई गुना बढ़ गई। 1990-91 में केंद्र का पेंशन बिल 3,272 करोड़ रुपये था और सभी राज्यों के लिए कुल व्यय 3,131 करोड़ रुपये था। 2020-21 तक, केंद्र का बिल 58 गुना बढ़कर 1,90,886 करोड़ रुपये हो गया। राज्यों के लिए यह 125 गुना बढ़कर 3,86,001 करोड़ रुपये हो गया।

अब समझ लेते हैं नई पेंशन योजना क्या है

सरकार ने नई पेंशन योजना को साल 2004 में शुरू किया था। इसके तहत सरकारी कर्मचारियों को निवेश की मंजूरी मिलती है, जिसके तहत वो अपने पूरे करियर में पेंशन खाते में नियमित तौर पर योगदान करके अपने पैसे के निवेश को अनुमति दे सकते हैं। यही नहीं, एनपीएस में जब कर्मचारी का रिटायरमेंट हो जाता है, तो इसके बाद उसे पेंशन राशि का एक हिस्सा एकमुश्त निकालने की छूट मिलती है। वहीं, बाकी रकम के लिए एन्युटी प्लान खरीद सकते हैं। यहां समझ लें कि एन्युटी एक तरह का इंश्योरेंस प्रोडक्ट है, जिसमें एकमुश्त निवेश करना होता है और आप इसे हर महीने, 3 महीने में या साल भर में निकाल सकते हैं।

बिक्री में मारुति स्विफ्ट देश में नंबर-1 कार, अगस्त 2023 में स्विफ्ट की 18,653 यूनिट्स बिकी

नई दिल्ली ।
मारुति स्विफ्ट कार सर्वाधिक बिक्री के मामले में देश की नंबर-1 कार रही। बिक्री के मामले में स्विफ्ट भले ही सबसे ऊंचे पायदान पर है लेकिन सुरक्षा के मामले में कार का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा है। अगस्त 2023 में स्विफ्ट की 18,653 यूनिट्स की बिक्री हुई थी। अगर सेफ्टी की बात करें तो स्विफ्ट को ग्लोबल एनसीएपी क्रैश टेस्ट में केवल 1-स्टार ही रेटिंग ही मिला है। मारुति स्विफ्ट की कीमत 5.99 लाख रुपये से शुरू होकर 9.03 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक जाती है। कई लोगों को फीचर्स और परफॉरमेंस के लिहाज से स्विफ्ट काफी पसंद आती है, लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं जिन्हें सेफ्टी और ड्राइविंग एक्सपीरियंस के मामले में यह कार पसंद नहीं है। अगर आप एक नई कार खरीदना चाहते हैं और आपका बजट 6 से 8 लाख रुपये का है तो यहां हम आपको बता रहे हैं एक ऐसी एसयूवी के बारे में जो आपको सभी मामलों में खूब पसंद आएगी। भारत में टाटा पंच लॉन्च होने के बाद से ही लोकप्रिय हो गई थी। इस कार का सबसे बड़ा आकर्षण इसकी बढ़िया बिल्ड क्वालिटी और माइलेज है। पंच की कीमत 6 लाख रुपये से शुरू होकर 9.52 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक जाती है। इतनी कीमत पर मार्केट में कोई ऐसी गाड़ी नहीं है जो 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग के साथ आती है। हैचबैक की कीमत में उपलब्ध होने के वजह से पंच अपने सेगमेंट की एसयूवी गाड़ियों को टक्कर तो देती ही है, साथ में इसका मुकाबला उतनी ही कीमत में आने वाली हैचबैक कारों से भी होती है। पंच में बेहतर स्पेस और कम्फर्ट दोनों मिलता है और स्पेस के मामले में भी यह शानदार है। टाटा पंच साइज में भले ही छोटी दिखती है लेकिन इसमें 5 लोग आसानी से सफर कर सकते हैं। इसमें 366 लीटर का बूट स्पेस भी मिलता है। इसमें सेफ्टी के लिहाज से डुअल फ्रंट एयरबैग, ईबीडी के साथ एबीएस, रियर डिफॉगर्स, रियर पार्किंग सेंसर, रियर-व्यू कैमरा और इसोफिक्स एंकर जैसे फीचर्स मिलते हैं।फीचर्स की बात करें तो, पंच में 7-इंच टचस्क्रीन डिस्प्ले, सेमी-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट पैनल, ऑटो एयर कंडीशनिंग, ऑटोमैटिक हेडलाइट्स, कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी और क्रूज कंट्रोल जैसे फीचर्स मिलते हैं।

बजाज प्लेटिना 110 है धांसू बाइक, 70 किमी देती है माइलेज, ऑफिस के लिए है बढिया

नई दिल्ली ।
हम आपको एक ऐसी बाइक के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे खरीदने में न ही आपको ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ेंगे और न ही ये बाइक आपसे ज्यादा पेट्रल और मेंटेनेंस का खर्च मांगती है। इस बाइक की माइलेज भी इतनी धांसू है। आपका ऑफिस चाहे कितना भी दूर हो ये बाइक आपका खर्च नहीं बढ़ाएगी। यहां हम आपको बता रहे हैं बजाज प्लेटिना 110 के बारे में जो मार्केट में एक लोकप्रिय बाइक है। अपनी राइड क्वालिटी, इंजन और जबरदस्त माइलेज के दम पर आज भी ये बाइक खूब बिक रही है। वैसे तो ये बाइक 110 सीसी की है, लेकिन कंपनी ने इसमें कुछ ऐसे फीचर्स दे दिए हैं जो महंगी बाइक्स में मिलते हैं।

प्लेटिना 110 की एक्स-शोरूम कीमत 70,400 रुपये से 79,821 रुपये के बीच है। बजाज प्लेटिना अपनी फ्यूल एफिसिएंट इंजन के लिए जानी जाती है। यह कमाल इसके 115.45 सीसी के डीटीएस इंजन का है जो 8.48 बीएचपी का अधिकतम पॉवर और 9.81 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। इसके साथ ही बाइक में 5-स्पीड गियरबॉक्स और नाइट्रॉक्स सस्पेंशन मिलता है जिससे इसकी राइड क्वालिटी और भी शानदार हो गई है।

बजाज प्लेटिना 110 सीसी की पहली ऐसी बाइक है जिसमें कंपनी एंटी-लॉक ब्रैकिंग सिस्टम दे रही है।

बता दें कि एबीएस एक महत्वपूर्ण सेफ्टी फीचर है और वर्तमान में केवल 150सीसी बाइक्स में ही दी जा रही है। लेकिन प्लेटिना 110 एकलौती ऐसी बाइक है जिसमें यह फीचर मिल रहा है। मालूम हो कि इन दिनों शहरों में ट्रैफिक की स्थिति बद से बदतर होती जा रही है।

सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में कटौती का एलान, महानगर गैस लिमिटेड ने कही ये बात

नई दिल्ली ।
महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने सोमवार को मुंबई और आसपास की नगर पालिकाओं में संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) और पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की कीमतों में कटौती की घोषणा की। सीएनजी की कीमत में 3 रुपये प्रति किलोग्राम की कमी की गई है, जबकि पीएनजी की कीमत में 2 रुपये प्रति स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर (एससीएम) की कमी की गई है।

एमजीएल ने एक बयान में कहा, एमजीएल को मुंबई और उसके आसपास सीएनजी के दाम में तीन रुपये प्रति किलोग्राम और घरेलू पीएनजी (डीपीएनजी) के दाम में दो रुपये प्रति एससीएम की कटौती की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है।

सीएनजी के लिए संशोधित एमआरपी 76.00 रुपये प्रति किलोग्राम और घरेलू पीएनजी के लिए 47.00 रुपये प्रति एससीएम होगी। एमजीएल ने कहा कि वह केंद्र द्वारा घरेलू स्तर पर उत्पादित उच्च दबाव उच्च तापमान (एचपीएचटी) प्राकृतिक गैस की कीमत में कमी का स्वागत करती है।

पेट्रोलियम मंत्रालय के पेट्रोलियम नियोजन एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) ने बताया कि एक अक्टूबर से शुरू होने वाली छह महीने की अवधि के लिए गहरे समुद्र और उच्च दबाव, उच्च तापमान (एचपीटीपी) वाले क्षेत्रों से गैस की कीमत 12.12 डॉलर से घटाकर 9.96 डॉलर प्रति ब्रिटिश थर्मल यूनिट (एमएमबीटीयू) कर दी गई है। सरकार स्थानीय रूप से उत्पादित प्राकृतिक गैस के लिए द्वि-वार्षिक मूल्य निर्धारित करती है, जिसका उपयोग विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया जाता है, जिसमें ऑटोमोबाइल के लिए सीएनजी में रूपांतरण, खाना पकाने, बिजली उत्पादन और उर्वरक उत्पादन के लिए घरेलू रसोई में पाइप की आपूर्ति शामिल है। बता दें कि प्रत्येक वर्ष एक अप्रैल और एक अक्टूबर को दरों को संशोधित किया जाता है, विशेष रूप से गहरे समुद्र के स्थानों जैसे चुनौतीपूर्ण-से-पहुंच वाले क्षेत्रों के लिए।

कंपनी छोड़ने पर भी उठा सकते हैं ग्रुप मेडिकल बीमा का लाभ

नई दिल्ली ।
कंपनियां या संगठन अपने कर्मचारियों की सुविधा के लिए ग्रुप मेडिकल कवरेज (जीएमसी) प्रदान करते हैं। यह कंपनियों के कुल मुआवजा पैकेज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जीएमसी पॉलिसी वेतनभोगी लोगों के लिए बुनियादी स्वास्थ्य बीमा सुरक्षा पाने का एक अच्छा तरीका है। आमतौर पर जीएमसी का लाभ तभी तक मिलता है, जब तक आप उस कंपनी में कार्यरत हैं।

क्या आपने सोचा है कि मौजूदा कंपनी छोड़ने के बाद अगर आपकी अगली कंपनी जीएमसी नहीं देती है या सीमित कवर देती है या आप करियर में ब्रेक लेकर फ्रीलांसर या उद्यमी के रूप में कार्य शुरू करने का फैसला लेते हैं तो जीएमसी का क्या होगा इसमें चिंता की बात नहीं है।कंपनी छोड़ने के बाद भी जीएमसी का लाभ उठा सकते हैं। इसके तहत स्वास्थ्य बीमा कवरेज को व्यक्तिगत मेडिकल पॉलिसी या फैमिली फ्लोटर प्लान में पोर्ट करा सकते हैं।

ऐसे पोर्ट करा उठा सकते हैं सुविधा का फायदा

यह प्रक्रिया शुरू करने के लिए जीएमसी

देने वाली बीमा कंपनी को पॉलिसी को एक व्यक्तिगत योजना में पोर्ट करने की सूचना देनी होगी। इस प्रक्रिया में किसी प्रकार की कोई दिक्कत न हो, इसके लिए आपको वर्तमान कंपनी या संगठन के साथ अपने अंतिम कार्यदिवस से कम-से-कम 45 दिन पहले बीमाकर्ता को इसकी जानकारी देनी होगी।

जरूरत के अनुसार उत्पाद चुनें

जरूरत के अनुसार स्वास्थ्य बीमा उत्पाद का चयन करें। इसके बाद बीमा कंपनी आपको उस उत्पाद से संबंधित प्रपोजल व पोर्टेबिलिटी फॉर्म जैसे आवश्यक दस्तावेज देगी। फॉर्म में मौजूदा जीएमसी पॉलिसी, मेडिकल हिस्ट्री व अब तक किए गए क्लेम आदि का विवरण भरकर बीमाकर्ता के पास जमा कर दें। ऑफर्स का मूल्यांकन करें : फॉर्म जमा होने के बाद बीमाकर्ता आपके क्लेम अनुभव या स्वास्थ्य विवरण के आधार पर शर्तों में बदलाव या संशोधन कर सकता है। ऑफर्स के मूल्यांकन के बाद ही उत्पाद खरीदें।

घट सकता है वेटिंग पीरियड

व्यक्तिगत या फैमिली फ्लोटर पॉलिसी की कुछ बीमारियों के वेटिंग पीरियड को जीएमसी से समायोजित कर दिया जाता है। उदाहरण के लिए, आप जो पॉलिसी खरीदना चाहते हैं, उसमें किसी विशेष बीमारी के लिए चार साल का वेटिंग पीरियड है, जबकि आपके पास तीन साल के लिए जीएमसी कवर है। ऐसे में जीएमसी के तहत उन बीमारियों के लिए वेटिंग पीरियड एक साल रह जाएगा।

दूसरी कंपनी से नहीं करा सकते पोर्ट

हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस के प्रमुख भास्कर नेरुरकर ने कहा कि इसे उसी बीमा कंपनी से पोर्ट करा सकते हैं, जिससे जीएमसी चल रहा है। जीएमसी में स्वास्थ्य जांच की जरूरत नहीं होती है, लेकिन पोर्ट कराते समय नियमित मेडिकल टेस्ट कराना पड़ता है।

एयरपोर्ट पर 1.63 करोड़ रुपये के सोने के साथ महिला गिरफ्तार, 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

नई दिल्ली । मुंबई एयर इंटेलिजेंस यूनिट ने सहरा मोहम्मद उमर नाम नामक एक विदेशी महिला को मुंबई हवाई अड्डे पर 1.63 करोड़ रुपये मूल्य के लगभग 3,464 ग्राम सोने के साथ गिरफ्तार किया। महिला ने अपने कपड़ों में सोना दिखा रखा था। उसने अपने शरीर पर कुछ सोना पहन भी रखा था। गिरफ्तारी के बाद उक्त महिला को अदालत में पेश किया गया जहां से उसे 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मुंबई सीमा शुल्क (कस्टम्स) ने इसकी जानकारी दी है।

फिल्म कैप्टन मिलर को लेकर चर्चा में धनुष

- 15 दिसंबर को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

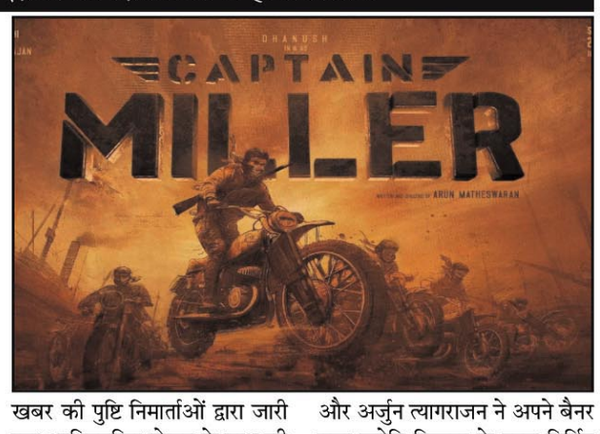

मुंबई (ईएमएस)। तमिल सुपरस्टार धनुष अपनी आगामी फिल्म कैप्टन मिलर को लेकर चर्चा में बने हुए हैं।फिल्म के पोस्टर रिलीज करने से लेकर इसकी मेकिंग पर अपडेट साझा करने के बाद अब मेकर्स ने कैप्टन मिलर की रिलीज डेट का एलान कर दिया है। जिस दिन से फिल्म का एलान हुआ है उसी दिन से दर्शकों के बीच कैप्टन मिलर को लेकर उत्सुकता बनी हुई है। सभी फिल्म के हर बड़े से बड़े और छोटे से छोटे अपडेट पर नजर बनाए रखते हैं। इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक कैप्टन मिलर का निर्देशन अरुण माथेश्वरण द्वारा किया गया है। यह एक रोमांचक क्राइम ड्रामा फिल्म होने वाली है, जिसका इंतजार फैंस बेसब्री से कर रहे हैं। फैंस के इंतजार को घटाते हुए आखिरकार आज मेकर्स फिल्म की रिलीज डेट का एलान कर दिया है। फिल्म 15 दिसंबर, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस खबर की पुष्टि निमार्ताओं द्वारा जारी एक आधिकारिक पोस्टर के साथ की गई। मेकर्स द्वारा साझा की गई रिलीज डेट इसलिए भी खास थी क्योंकि लायका प्रोडक्शंस ने धनुष की फिल्म के आधिकारिक ओवरसीज राइट्स भी अपने नाम कर लिए है। बता दें, कैप्टन मिलर 1980 के दशक पर आधारित एक पीरियड-एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसे सेंथिल त्यागराजन और अर्जुन त्यागराजन ने अपने बैनर सत्य ज्योति फिल्म्स के तहत निर्मित किया है। फिल्म में धनुष के अलावा मुख्य भूमिका में प्रियंका मोहन और शिव राजकुमार हैं। बताया जा रहा है कि कैप्टन मिलर में धनुष का किरदार पूरी तरह से काल्पनिक है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में धनुष जबर्दस्त एक्शन करते नजर आने वाले हैं।

कांतारा-2 साल 2024 के मध्य में होगी प्रदर्शित

-इसका बजट 100 करोड़ रुपये है

मुंबई (ईएमएस)। साउथ की फिल्म कांतारा-2 साल 2024 में प्रदर्शित होने वाली है लेकिन इसकी चर्चा अभी से होने वाली है। इस फिल्म का बजट 100 करोड़ रुपये है, जो एक एक बार फिर दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने की तैयारी में है। फिल्म कंतारा में बड़े पैमाने पर दिव्य देवताओं पंजुरली और गुलिगा और क्षेत्र के राजा के स्वामित्व वाली भूमि से उनके संबंध को दशार्या गया है। चूंकि प्रीक्वल को लगभग एक सहस्त्राब्दी पहले का माना जाता है, इसलिए अटकलें हैं कि फिल्म में देवताओं की संभावित उत्पत्ति का पता लगाया जा सकता है। ऋषभ शेट्टी की फिल्म कांतारा को खास तौर पर पसंद आई थी। कम बजट में बनी इस फिल्म ने अपनी कहानी के दम पर बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की और ब्लॉकबस्टर साबित हुई। फिल्म के हिट होने के बाद ही ऋषभ ने इसके अगले भाग की घोषणा कर दी थी, जो वास्तव में इस फिल्म का प्रीक्वल होगा। ऋषभ फिल्म के प्रीक्वल के लिए काफी तैयारियां कर रहे हैं। लोगों का अनुमान है कि फिल्म के आलीशान सेट और व्यापक दृश्य प्रभाव इसके महत्वपूर्ण बजट को बढ़ा रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, कंतारा 2 की शूटिंग नवंबर में मैंगलोर में शुरू होने वाली है। 2024 की गर्मियों में फिल्म की रिलीज की अनुमानित तारीख रखी गई है। ऋषभ ने कहा था, हम कंतारा के प्रति दर्शकों के जबरदस्त प्यार और समर्थन के लिए खुश हैं और उनके आभारी हैं। सर्वशक्तिमान देव के आशीर्वाद से आगे बढ़ते हुए फिल्म ने सफल 100 दिन पूरे कर लिए हैं। मैं इस क्षण का उपयोग कंतारा के प्रीक्वल की घोषणा करने के लिए करना चाहूंगा। आपने जो देखा है वह भाग दो है और भाग एक अगले साल रिलीज किया जाएगा। कंतारा ने पिछले साल बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त सफलता हासिल की, जिसमें ऋषभ ने एक निर्देशक, लेखक और अभिनेता की भूमिका निभाई। फिल्म में प्रभावशाली कलाकार हैं, जिनमें सप्तमी गौड़ा, किशोर, अच्युत कुमार और प्रमोद शेट्टी समेत अन्य शामिल हैं। यह फिल्म न केवल सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर में से एक बनकर उभरी।

रामचरण ने रंगस्थलम को बताया मील का पत्थर

- प्रशंसक फिल्म उद्योग में उनके 16 साल पूरे होने पर मना रहे जश्न

हैदराबाद (ईएमएस)। फिल्म उद्योग में 16 साल पूरे होने पर प्रमुख टॉलीवुड अभिनेता राम चरण के प्रशंसक इस मौके पर जश्न मना रहे हैं। अभिनेता की फिल्म रंगस्थलम को आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के विभिन्न स्थानों के सिनेमाघरों में फिर से रिलीज किया गया। अभिनेता राम चरण ने इसे अपने करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। उनका मानना है कि यह यात्रा किसी शानदार, विस्मयकारी प्रदर्शन और यहां तक कि ब्लॉकबस्टर आरआर-आर के लिए ऑस्कर जीत से कम नहीं है। प्रशंसकों का मानना है कि 2007 में अपने डेब्यू से लेकर ग्लोबल स्टार बनने तक, राम चरण का करियर समर्पण और जन्मजात प्रतिभा का प्रमाण रहा है। उनकी यात्रा चिरुथा से शुरू हुई थी। प्रत्येक फिल्म के साथ, उन्होंने विभिन्न प्रकार की भूमिकाओं और शैलियों पर विजय प्राप्त करते हुए अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है।

राम चरण की फिल्में, जिनमें आरआरआर, मगधीरा, ऑरेंज, ध्रुव और नायक शामिल हैं। यह सभी लगातार ब्लॉकबस्टर हिट रही हैं। जिसमें वह एक बेहतरीन कलाकार हैं। उनके प्रशंसक सिर्फ प्रशंसक नहीं हैं, वे समर्पित उत्साही हैं जो उनकी हर सफलता का जश्न मनाते हैं। सामंथा रुथ प्रभु अभिनीत उनकी ब्लॉकबस्टर रंगस्थलम को आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के विभिन्न स्थानों के सिनेमाघरों में फिर से रिलीज किया गया।

स्टार परिवार अवॉर्ड्स का बेसब्री से हो रहा इंतजार

5 साल बाद स्टार प्लस ने स्टार परिवार अवॉर्ड्स की घोषणा की है। इस घोषणा के बाद से ही फैन्स इसके आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। रूपाली गांगुली, गौरव खन्ना, हर्षद चोपड़ा, प्रणाली राठौड़, मोहित मलिक, सयाली सालुंखे, विजयेंद्र कुमेरिया, अविनाश मिश्रा, नेहा सोलंकी जैसी कई और हस्तियों ने इस शानदार इवेंट की शोभा बढ़ाई। इस इवेंट में स्टार प्लस के कलाकारों द्वारा विभिन्न प्रकार की परफॉर्मेंस और एक्ट्स भी पेश किए गए। दर्शकों को टेलीविजन की मोगैम्बो-अपरा मेहता देखने को मिलेंगी, जो अनुपमा की गुरु मां मालती देवी का किरदार निभा रही हैं।

मालती देवी ने खुद को बॉलीवुड के सबसे फेमस विलेन्स में से एक मोगैम्बो के रूप में पेश किया हैं। जहां मालती देवी मोगैम्बो के रूप में मंच पर थिरकीं, वहीं अनुपमा ने अपनी गुरु मां को जमकर चियर किया। यह पहली बार होगा जब दर्शक स्टार परिवार अवॉर्ड्स में मालती देवी को इस अवतार में देखेंगे।

मलयालम 'सीआईए' का सस्ता रीमेक बताकर ट्रोल हुई शाहरूख खान की अगली फिल्म 'डंकी'

बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान एक के बाद एक ब्लॉकबस्टर फिल्में दे रहे हैं। 7 सितंबर को रिलीज हुई फिल्म जवान ने कई रिकॉर्ड तोड़े और जबरदस्त कमाई की। इसके बाद अब किंग खान की डंकी बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के लिए तैयार है। सोशल मीडिया पर शाहरुख की आने वाली फिल्म डंकी को मलयालम फिल्म का रीमेक बताकर ट्रोल किया जा रहा है। बॉक्स ऑफिस इंडिया ने ट्वीट किया, एसआरके की आगामी बड़े बजट की फिल्म डंकी राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी है। यह फिल्म दुलकर सलमान की ब्लॉकबस्टर कॉमरेड इन अमेरिका (सीआईए) का अनौपचारिक रीमेक है। साथ ही एक अन्य नेटीजन ने ट्विटर पर लिखा है कि, मुझे टीम के एक सदस्य से पता चला कि फिल्म डंकी वास्तव में मलयालम सीआईए का एक सस्ता रीमेक है, लेकिन फिल्म के राइट्स खरीदे जाने चाहिए थे और दोबारा बनाया जाना चाहिए था। शाहरुख खान को ऐसी ओछी हरकतें नहीं करनी चाहिए, लेकिन अभी भी इस बात की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है कि डंकी मलयालम फिल्म सीआईए का रीमेक है। ट्विटर पर हैशटैग #Dunki ट्रेंड कर रहा है और नेटिजन्स अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। फिल्म डंकी 22 दिसंबर को रिलीज होगी।

विजय देवरकोंडा ने की अपनी गर्लफ्रेंड रश्मिका मंदाना की तारीफ

-फिर दोनों के अफेयर की खबरों को दे दी हवा

मुंबई (ईएमएस)। मशहूर अभिनेता विजय देवरकोंडा की निजी जिंदगी चर्चा का विषय बनी हुई है। विजय का नाम अक्सर किसी न किसी वजह से रश्मिका मंदाना से जुड़ता रहता है। कथित तौर पर दोनों एक-दूसरे के साथ रिश्ते में हैं और फैंस उनकी हर खबर पर नजरें गड़ाए रहते हैं। हाल ही में विजय देवरकोंडा ने रश्मिका मंदाना की तारीफ की है, जिसने दोनों के अफेयर की खबरों को हवा दे दी हैं। रणबीर कपूर के जन्मदिन के मौके पर आज यानी 28 सितंबर को एनिमल के मेकर्स ने इस बहुप्रतीक्षित फिल्म का टीजर रिलीज कर दिया है। सामने आए ट्रेलर को दर्शकों का खूब प्यार मिला और सभी कलाकारों की जमकर तारीफ हो रही है। फैंस द्वारा मिल रही तारीफों के बीच विजय देवरकोंडा ने भी टीजर और रश्मिका मंदाना के किरदार को लेकर अपने विचार साझा किए।

रश्मिका के कथित बॉयफ्रेंड विजय देवरकोंडा ने भी टीजर की प्रशंसा करने के लिए अपने एक्स अकाउंट का सहारा लिया। उन्होंने रश्मिका को डार्लिंग्स कहा और एनिमल की टीम को शुभकामनाएं दीं। विजय ने लिखा- डार्लिंग संदीप रेड्डी वांगा और रश्मिका मंदाना को मेरी ओर से बेस्ट विशेज। इतना ही नहीं, मेरे फेवरेट रणबीर कपूर को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं। इसके तुरंत बाद रश्मिका ने विजय को रिप्लाई देते हुए रीट्वीट किया और हार्ट इमोजी के साथ लिखा- धन्यवाद विजय देवरकोंडा आप हमेशा बेस्ट बनें। बता दें कि देवरकोंडा को बतौर कलाकार सबसे ज्यादा लाइमलाइट संदीप रेड्डी वांगा की ही फिल्म अर्जुन रेड्डी से मिली थी। विजय देवरकोंडा ने जहां एनिमल के टीजर की तारीफ की और सभी को शुभकामनाएं दी, वहीं रश्मिका मंदाना ने तुरंत अभिनेता को शुक्रिया कहा। विजय देवरकोंडा के ट्वीट करने के तुरंत बाद, रश्मिका ने अभिनेता के शब्दों पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और जवाब दिया, धन्यवाद विजय देवरकोंडा.. आप सबसे अच्छे हो! दिलचस्प बात यह है कि विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की डेटिंग की खबरों सुर्खियां बटोर रही हैं। अफवाह है कि दोनों लंबे समय से डेटिंग कर रहे हैं। एनिमल के टीजर की बात करें तो सामने आया यह वीडियो हाई-ऑक्टेन स्टंट, अद्भुत डायलॉग्स और रणबीर कपूर के शानदार अभिनय से भरपूर एक पावर-पैक परफॉर्मेंस है। एक घरेलू लड़के से एक विद्रोही तक में उनका परिवर्तन निश्चित रूप से प्रशंसकों को चौंका रहा है। फिल्म का निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा ने किया है और इसमें रणबीर-रश्मिका के अलावा अनिल कपूर और बॉबी देओल भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। बता दें कि फिलहाल अभिनेता विजय देवरकोंडा पिछले काफी समय से सामंथा रुथ प्रभु के साथ अपनी फिल्म कुशी को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। उनकी इस फिल्म को लोगों का भरपूर प्यार मिला।

तेजस में पायलट का किरदार निभाएगी कंगना

बालीवुड की पंगा क्वीन कंगना रनौत फिल्म तेजस में पायलट का किरदार निभाएगी। कंगना की तेजस, साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म है। निमार्ता कथित तौर पर आगामी नेशनल हॉलिडे पर इसका पहला टीजर जारी करेंगे। तेजस में कंगना रनौत एयरफोर्स पायलट का किरदार निभाती नजर आएंगी। यह फिल्म 20 अक्टूबर को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है और कथित तौर पर निमार्ता 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर इसका पहला टीजर जारी करेंगे। यह पहली हवाई एक्शन फिल्म है, जो वायु सेना अधिकारी तेजस गिल की कहानी बताएगी और कैसे हमारे वायु सेना के पायलट रास्ते में कई चुनौतियों का सामना करते हुए हमारे देश की रक्षा के लिए अथक प्रयास करते हैं। प्रोडक्शन से जुड़े एक करीबी सूत्र के मुताबिक, तेजस का पहला एसेट टीजर 2 अक्टूबर को रिलीज होगा। सर्वेश मेवाड़ा द्वारा लिखित और निर्देशित, तेजस में कंगना रनौत मुख्य भूमिका में हैं।

सुशांत की याद में दिशा पटानी ने शेयर किया इमोशनल पोस्ट

भारतीय क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी के जीवन पर आधारित फिल्म एमएस धोनी द अनटोल्ड स्टोरी को रिलीज हुए सात साल हो गए हैं। इस मौके पर दिशा पटानी ने सुशांत की याद में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। 2016 में रिलीज हुई इस फिल्म में सुशांत सिंह राजपूत ने महेंद्र सिंह धोनी का किरदार निभाया था। इसके साथ ही इस फिल्म में दिशा पटानी और कियारा आडवाणी ने भी अहम भूमिका निभाई थी। इस फिल्म में कियारा ने एमएस धोनी की पत्नी और दिशा ने उनकी गर्लफ्रेंड का किरदार निभाया था। इस फिल्म को रिलीज हुए सात साल हो गए हैं। इस मौके पर दिशा पटानी ने सुशांत की याद में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। दिशा पटानी ने पोस्ट में फिल्म की एक छोटी सी क्लिप शेयर की और लिखा, इस खूबसूरत सफर के लिए आभारी हूं और हिंदी सिनेमा में मेरी पहली फिल्म के लिए प्यार। उन लोगों से प्यार करें और उनकी कद्र करें जो वास्तव में आपको खुश करते हैं।

हमें अलविदा कहने का मौका नहीं मिला, लेकिन मुझे उम्मीद है कि आप खुश होंगे। दिशा पटानी की इस पोस्ट पर फैंस खूब कमेंट कर रहे हैं। एक फैन ने कमेंट किया, मैं सुशांत को कभी नहीं भूलती, मैं हर बार उसे बहुत याद करती हूं। यह आखिरी फिल्म थी, जो मैंने थिएटर में देखी थी। उसके बाद मैं कभी सिनेमा देखने नहीं गई। एक अन्य यूजर ने कमेंट कर लिखा, सुशांत मैं तुम्हें बहुत याद करता हूं। एक अन्य यूजर ने कमेंट कर इस फिल्म में दिशा के अभिनय की तारीफ की।

मौनी ने पेरिस से नाइट व्यू की तस्वीरें की शेयर

एक्ट्रेस मौनी रॉय सुर्खियों में रहना अच्छे से जानती हैं। अब हाल ही में मौनी ने पेरिस से अपनी नाइट व्यू की तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें फैंस जमकर लाइक कर रहे हैं। मौनी रॉय ने यह तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। तस्वीरों में मौनी व्हाइट कलर की मिनी ड्रेस में बेहद बोल्ड लग रही हैं। ड्रेस के साथ उन्होंने मैचिंग बूट्स पहने हैं और पर्स कैरी किया है। पैरिस की सड़कों पर वह एक पेड़ के पास खड़े होकर अपनी दिलकश अदाएं दिखा रही हैं। स्ट्रीट लाइट पड़ने से मौनी भी इस दौरान सोने सी निखरी दिख रही हैं। फैंस को एक्ट्रेस की ये तस्वीरें काफी पसंद आ रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया अक्सर अपनी बोल्ड और स्टनिंग तस्वीरें शेयर करती रहती हैं, जिस पर फैंस खूब प्यार बरसाते हैं।

'द वैक्सीन वॉर' के टिकटों पर 'बाय वन-गेट वन' का ऑफर

बॉक्स ऑफिस पर विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द वैक्सीन वॉर का जादू फीका पड़ने के बाद अब निमार्ताओं ने टिकटों पर बाय वन-गेट वन का ऑफर शुरू किया है। 28 सितंबर को पूरे विश्व भर में बड़े स्क्रीन पर रिलीज होने के बाद फिल्म कमाई के मामले में कोई कमाल नहीं कर सकी है। निमार्ताओं को दर्शकों से फिल्म देखने के लिए थियेटर तक जाने की अपील करनी पड़ रही है। चूंकि, फिल्म भारत, भारतीय वैज्ञानिकों और महिलाओं की भावना का जश्न मनाती है और देश को सुरक्षित बनाने के लिए टीके विकसित करने में उनके प्रयासों पर भी प्रकाश डालती है, इसलिए निमार्ताओं ने टिकटों पर बाय वन-गेट वन का ऑफर शुरू किया है।

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म के निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री ने कहा, ऐसा कोई नहीं है, जिसके शरीर में यह टीका नहीं है। हम बहुत आसानी से भूल जाते हैं, लेकिन यह फिल्म प्रयासों की एक बड़ी याद दिलाती है। वैज्ञानिकों के त्याग, संघर्ष और सफलता की वजह से हम आज जीवित हैं। यह फिल्म भारत का उत्सव है, हमारे वैज्ञानिकों का उत्सव है और महान भारतीय भावना का उत्सव है। कृपया अपने परिवार के साथ द वैक्सीन वॉर देखें और अपने बच्चों को भी दिखाएं। द वैक्सीन वॉर में अनुपम खेर, नाना पाटेकर, सप्तमी गौड़ा और पल्लवी जोशी मुख्य किरदार में हैं।

सूडोकु नवताल- 6571

★★★★★ कठिनतम

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6570 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

शब्दजाल - 7318

बं	ज	गा	र	ग	ब	ज	क	ब	ल	क
ब	वा	ब	लि	दा	न	का	मौ	स	ल	ड़
ई	ह	ब	बं	दा	न	वा	ज	जा	य	मा
का	ब	बं	र	दे	वी	ब	वा	ल	श	ब
म	इ	दि	म	सं	व	र	श	र	बू	ल
हा	ता	नी	ई	र	द	क	फ	बा	श	ज
रा	बं	दि	श	द	क	स	सी	ग	प	ब
जा	र	ब	बं	व	ज	र	ब	न	प	बं
क	ब	ल	ज	न	ना	री	ऐ	ज	प	जा
क	मी	ल	प	ब	या	स	मा	ब	प	र
का	न	बं	ध	न	क	ना	री	ग	प	न

शब्द जाल में ब शब्द से शुरु होनेवाली 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हैं.

बनारसी बाबू, बलमा, बलिदान, बंधन, बंदिनी, बंद दरवाजा, बंदानवाज, बंदिश, बंजारन, बंबई का महाराजा.

शब्दजाल - 7317 का हल

प्र	क	प्र	ग	ति	शी	ल	ब	ना	क	ति
ती	क	ती	प्र	ल	क	व	जी	ग	कृ	ह
क्षा	ड़	प्र	प्र	न	ल	प्र	छ	प्र	आ	दि
ख	क	क	का	ज	ज	पु	का	प्र	प	ल
प	प्र	क	शि	दो	ग	ति	अ	प्र	तू	ग
झ	क	का	त	ल	प	ह	झ	पू	ना	ण
घ	को	ती	श	प्र	म	प्र	जा	से	व	क
ला	प्र	क	ता	जा	ई	धा	ब	क	फ	लो
श	जा	प्र	बा	हि	प्र	ई	क	प्र	री	प्र
प	प	द	र	तै	प	क्रि	जी	र्त	ऐ	ता
प	ती	क	क	षी	प्र	है	या	रा	बा	प

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6271

3	6		4	7	2	
	35	5	31		27	
	2			1	6	
1	33	6	32		31	2
	6		1	5	3	
4	33	3	30		35	6
7		2			1	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6270 का हल

5	7	2	4	3	6	1
3	33	1	25	6	28	2
4	6	5	3	1	2	7
1	32	6	35	4	32	4
2	1	7	4	5	6	3
7	33	3	33	7	41	6
6	3	4	1	2	7	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

भारतीय पुरुष हॉकी टीम की एशियाई खेलों में लगातार पांचवीं जीत, बांग्लादेश को 12-0 से हराया

हांगझोऊ ।
एशियाई खेलों के हॉकी स्पर्धा में भारतीय पुरुष टीम ने बांग्लादेश को 12-0 से हरा दिया। पूल ए में अपने आखिरी मुकाबले में टीम इंडिया ने सोमवार (दो अक्तूबर) को शानदार प्रदर्शन किया। भारत को पूल में लगातार पांचवीं जीत मिली। वह अब तक एक भी मैच नहीं हारा है। इस जीत के साथ ही वह पूल-ए में शीर्ष स्थान पर रहा। टीम इंडिया अब सेमीफाइनल में तीन अक्तूबर को उतरेगी। वहां उसका मुकाबला मेजबान चीन से हो सकता है। भारत ने इस बार अब तक 58 गोल किए हैं और उसके खिलाफ सिर्फ पांच गोल हुए हैं। भारत के लिए मुकाबले में कप्तान हरमनप्रीत सिंह और मनदीप सिंह ने अपनी-अपनी हैट्रिक पूरी की। दोनों ने तीन-तीन गोल दागे। अभिषेक ने दो बार गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाया। ललित उपाध्याय, अमित रोहिदास, अभिषेक और निलकांता शर्मा ने एक-एक गोल किया है।

इस तरह भारत ने मैच में किए गोल:
पहला गोल: भारत के लिए पहला गोल दूसरे मिनट में आया। डी एरिया के अंदर बांग्लादेश के अशरफुल का शॉट मनदीप के पैर से जा लगा। हार्दिक ने पेनल्टी कॉर्नर पर शॉट लिया। उन्होंने कप्तान हरमनप्रीत सिंह की ओर गेंद बढ़ाया। हरमनप्रीत ने बिना कोई गलती किए गेंद को गोलपोस्ट में डाल दिया। दूसरा गोल: पहले गोल के तुरंत बाद तीसरे मिनट में भारत को दूसरा पेनल्टी कॉर्नर मिला। इस बार भी हरमनप्रीत ने कोई गलती नहीं की और गेंद को गोलपोस्ट में डाल दिया। उन्होंने मैच में अपना दूसरा गोल किया। तीसरा गोल: भारत के लिए तीसरा गोल मनदीप सिंह ने किया। उन्होंने अभिषेक के पास पर गेंद को गोलपोस्ट में डाल दिया और भारत के खाते में तीसरा गोल जोड़ दिया। चौथा गोल: 23वें मिनट में भारत को चौथा गोल मिला। अभिषेक के पास पर ललित उपाध्याय ने गेंद को गोलपोस्ट में डाल दिया। पांचवां गोल: भारत के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने ड्रैग फ्लिक से गेंद को गोलपोस्ट में डालने का प्रयास किया, लेकिन गेंद वापस आ गई। पास में खड़े मनदीप ने 24वें मिनट में मौके का फायदा उठाया और रिबाउंड पर गोल कर दिया। छठा गोल: 28वें मिनट में भारत के खाते में छठा गोल जुड़ गया। कप्तान हरमनप्रीत मैदान पर नहीं थे। उनकी अनुपस्थिति में वरुण कुमार और अमित रोहिदास ने मोर्चा संभाला। रोहिदास ने शानदार गोल कर भारत को मैच में 6-0 से आगे कर दिया। सातवां गोल: भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने सातवां गोल किया। 32वें मिनट में उन्होंने अपनी हैट्रिक पूरी की। आठवां गोल: अभिषेक ने 41वें मिनट में भारत का आठवां गोल किया। नौवां गोल: 46वें मिनट में मनदीप ने बांग्लादेश के गोलकीपर को चौंका दिया। उन्होंने शानदार गोलकर भारत को मैच में 9-0 से आगे कर दिया। दसवां गोल: अभिषेक ने 47वें मिनट में एक और गोल करने का प्रयास किया, लेकिन वह सफल नहीं हो पाए। उनके पास खड़े निलकांता शर्मा ने रिबाउंड पर गोल कर दिया। 11वां गोल: भारत के लिए 56वें मिनट में सुमित ने शानदार गोल किया और टीम को 11-0 की बढ़त दिला दी। 12वां गोल: भारत के खाते में 12वां गोल 57वें मिनट में आया। अभिषेक ने एक और गोल किया।

न्यूज ब्रीफ

100 मीटर बाधा दौड़ में चीनी खिलाड़ी के कारण हुआ विवाद, भारत को फायदा; ज्योति के पदक का रंग बदला

हांगझोऊ । भारत की महिला खिलाड़ी ज्योति याराजी ने एशियाई खेलों में अपना पहला पदक जीत लिया है। ज्योति ने 100 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीता। 24 साल की ज्योति के पदक को लेकर काफी देर तक विवाद हुआ। चीन की खिलाड़ी की गलती ने उनके पदक को भी खतरे में डाल दिया था, लेकिन अंत में फैसला भारतीय खिलाड़ी के पक्ष में आया। याराजी तीसरे स्थान पर थीं और उनके खाते में कांस्य आया था। विवाद के बाद उनके पदक का रंग बदल गया। दरअसल, दौड़ की शुरुआत ही विवादित रूप से हुई। चीन की खिलाड़ी वू यानी पहले ही दौड़ गईं। इसे गलत शुरुआत माना गया। याराजी के बगल वाली लेन में वू यानी खड़ी थीं। वू यानी के दौड़ने के बाद याराजी ने दौड़ना शुरू किया। अधिकारियों ने दोनों की शुरुआत को गलत बताया और उन्हें बुलाया। इसका जोरदार विरोध भारतीय खिलाड़ी ने किया। लंबी चर्चा के बाद याराजी और वू यानी के दौड़ को समीक्षा के लिए भेजा गया। समीक्षा में वू यानी को डिस्क्वालिफाई कर दिया गया। ज्योति याराजी ने 12.91 सेकंड के साथ दूसरे स्थान पर आ गईं। 12.74 सेकंड के साथ के साथ चीन की लिन यूवेई पहले स्थान पर रहीं। वहीं, वू यानी के डिस्क्वालिफाई होने से जापान की तनाका यूमि ने कांस्य पदक जीत लिया। उन्होंने 13.04 सेकंड में दौड़ को पूरा किया था। एक समय ऐसा था जब अधिकारी वू यानी के साथ-साथ ज्योति याराजी को भी डिस्क्वालिफाई करना चाहते थे। अगर ऐसा होता तो ज्योति के खाते में कोई पदक नहीं होता।

विश्वकप में जीत के लिए इंग्लैंड को हालातों से तालमेल बैठाना होगा

मुंबई । जोस बटलर की कप्तानी में टीम पांच अक्टूबर को गत उपविजेता न्यूजीलैंड के खिलाफ अहमदाबाद में अपने विश्वकप अभियान की शुरुआत करेगी विश्वकप में इस बाहर भाग ले रही सभी टीमों के लिए स्पिनरों का सामना करना चुनौती साबित होगा। इसी लिए अभी टीम ने दिग्गज स्पिनरों को शामिल किया है। इसी को ध्यान में रखते हुए इंग्लैंड ने भी अपनी टीम में स्पिनरों को पर्याप्त जगह दी है। इंग्लैंड ने इस विश्कप के लिए बेन स्टोक्स जैसे ऑलराउंडर की भी टीम में वापसी करायी है। टीम में गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों विभागों में विकल्प की कोई कमी नहीं है हालांकि उसे भारतीय हालातों से तालमेल बैठाना होगा। टीम के अधिकतर खिलाड़ियों को इंडियन प्रीमियर लीग में खेलने का भी लाभ भी भारत में मिलेगा। स्टोक्स की मौजूदगी से टीम काफी मजबूत दिख रही है। उनके पास ऐसे कई खिलाड़ी भी हैं जो जानते हैं कि वैश्विक टूर्नामेंट कैसे जीता जाता है। टीम का बल्लेबाजी क्रम लंबा है और इस प्रारूप में उसके पास बेहतरीन बल्लेबाज हैं जो किसी भी टीम को दबाव में ला सकते हैं। खराब फॉर्म में चल रहे जेसन रॉय के स्थान पर हैरी ब्रूक को शामिल करने से भी बल्लेबाजी और बेहतर हुई है। उनके पास जो रूट जैसे अनुभवी बल्लेबाज भी है। वहीं तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर रिजर्व अभी तक पूरी तरह नहीं फिट हुए हैं, इसलिए वह रिजर्व खिलाड़ी होंगे, लेकिन मार्क वुड की तेज गति और लेग स्पिनर आदिल राशिद भारतीय पिचों पर उनके लिए अहम होंगे। विश्व कप से पहले इंग्लैंड को उपमहाद्वीप के हालातों में ज्यादा खेलने का मौका नहीं मिला है। टीम ने घरेलू परिस्थितियों में न्यूजीलैंड को 3-1 से हराया था लेकिन टूर्नामेंट में खेल रही कुछ अन्य टीमों की तरह उसने हाल-फिलहाल में उपमहाद्वीप में नहीं खेला है ,जिसका उसे नुकसान होगा। टीम को आक्रामक बल्लेबाजी का पिछले कुछ समय में काफी फायदा मिला है लेकिन भारत की धीमी पिचों में इसकी परीक्षा होना बाकी है। इस विश्वकप में इंग्लैंड की आक्रामक खेल की रणनिति की भी परिक्षा होगी।

भारत की सुतीर्था और अहिका को टेबल टेनिस में कांस्य

हांगझोउ । भारत की सुतीर्था मुखर्जी और अहिका मुखर्जी को एशियाई खेलों की टेबल टेनिस के सेमीफाइनल में हार के कारण कांस्य पदक ही मिल पाया है। सुतीर्था और अहिका को इस स्पर्धा के महिला युगल सेमीफाइनल में उत्तर कोरियाई जोड़ी के हाथों कड़े मुकाबले में 3-4 से हार के साथ ही तीसरा स्थान ही मिल पाया। सुतीर्था और अहिका ने 2-3 से शुरुआत में पिछड़ने के बाद वापसी की पर सुगियोंग पाक और सुयोग चा की कोरियाई जोड़ी ने निर्णायक गेम में जीत दर्ज की। इस जोड़ी ने एक घंटे तक चले मुकाबले को 7-11, 11-8, 7-11, 11-8, 11-9, 5-11, 11-2 से जीता। इससे पहले सुतीर्था और अहिका ने क्वार्टर फाइनल में चीन की चेन मेंग और यिडि वांग को हराया था।

एशियाड में एथलेटिक्स में बरसे पदक

अर्जुन अवार्डी माधुरी की बेटी हरमिलन को 1500 मीटर में रजत

हांगझोऊ ।
एथलेटिक्स में पदकों की जमकर बारिश हुई। भारतीय एथलीटों ने दो स्वर्ण, तीन रजत और चार कांस्य पदक जीते। तजिंदर पाल सिंह तूर ने शॉटपुट (गोला फेंक) ने एशियाई खेलों में लगातार दूसरा स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने अंतिम थ्रो में 20.36 मीटर की दूरी नापकर सोना पक्का किया। तूर लगातार दो एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले चौथे भारतीय शॉटपुटर बने। दिन का आकर्षण अविनाश साबले रहे। वह 3000 मीटर स्टीपलचेज में स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय बनें। उन्होंने 8.19.50 मिनट के साथ गेम्स रिकॉर्ड बनाया। उत्तर प्रदेश में जन्मीं अर्जुन अवॉर्डी एथलीट माधुरी सक्सेना की बेटी हरमिलन बेंस ने 1500 मीटर में रजत जीता। प्रयागराज के अजय कुमार सरोज ने 1500 मीटर में रजत और 2018 के इस रेस के विजेता जिंसन जॉन्सन ने कांस्य पदक जीता। मुरली श्रीशंकर ने 8 मीटर की जंप लगाकर लंबी कूद में रजत जीता। 40 साल की डिस्कस थ्रोअर सीमा पूनिया ने कांस्य पदक जीतकर एशियाई खेलों में अपना लगातार तीसरा पदक जीता।

आंख बंद कर ध्यान लगाया और जीत लिया सोना - जकार्ता में 20.76 मीटर की दूरी के साथ स्वर्ण जीतने वाले तजिंदर पाल ने 20.06 की थ्रो के साथ बढ़त पर थे, लेकिन सऊदी अरब के मोहम्मद दाउदा तोलो ने चौथी थ्रो में 20.18 मीटर गोला फेंक दिया। यहां तूर दूसरे स्थान पर पिछड़ गए, लेकिन अंतिम थ्रो से पहले तूर ने आंख बंद कर ध्यान लगाया और लंबी सांस लेते हुए 20.36 मीटर दूर गोला फेंक दिया। तोलो को स्वर्ण जीतने के लिए अपनी अंतिम थ्रो इससे ज्यादा की फेंकनी थीं, लेकिन वह ऐसा नहीं कर पाए। स्वर्ण जीतते ही तूर की खुशी देखते बनती थी। वह दौड़कर अपने कोच प्रबीर के गले जा लगे।

लंबी बढ़त के साथ जीते साबले - अविनाश साबले के लिए 3000 मीटर स्टीपलचेज रेस जीतना ज्यादा कठिन काम नहीं रहा। इस साल डायमंड लीग में 8.11.63 मिनट का समय निकालते हुए राष्ट्रीय कीर्तिमान बनाने वाले साबले एक समय 80 मीटर की बढ़त पर चल रहे थे। वह इतनी बढ़त पर थे कि बड़े आराम से पीछे मुड़कर दूसरे एथलीटों को देख रहे थे। उन्होंने अंतिम क्षणों में ज्यादा जोर नहीं लगाया और आराम से फिनिश रेखा पार की। वरना उनका समय 8.19.50 मिनट से भी बेहतर हो सकता था। बावजूद इसके उन्होंने गेम्स रिकॉर्ड बनाया। जापान के आयोकी रयोमा (8.23.75) ने रजत जीता।

प्रयागराज के अजय सरोज दूसरे स्थान पर रहे - पुरुषों की 1500 मीटर रेस में अजय कुमार सरोज एक समय चौथे स्थान पर चल रहे थे और जिंसन दूसरे स्थान पर थे, लेकिन अंतिम क्षणों में अजय ने फर्राटा भरते हुए दूसरा स्थान हासिल कर लिया और जिंसन बमुश्किल कांस्य जीत पाए। कतर केमोहम्मद अलगारिनी ने 3.38.36 मिनट के साथ स्वर्ण जीता। अजय ने 3.38.94 मिनट का समय लिया, जबकि जिंसन 3.39.74 का समय निकाला। महिलाओं की 1500 मीटर में पटियाला की हरमिलन बेंस ने 4.12.74 मिनट के साथ रजत जीता। उनसे आगे बहरीन की विन्फ्रेड मुतिले यावी रहीं। उन्होंने 4.11.65 का समय लिया। हरमिलन की मां माधुरी भी लंबी दूरी की एथलीट थीं। उन्होंने कई अंतरराष्ट्रीय पदक जीते। उन्होंने अपनी बेटी को भी लंबी दूरी का एथलीट बनाया।

विवादों के बाद ज्योति ने जीता रजत - 100 मीटर बाधा दौड़ में ज्योति याराजी ने विवादों के बाद रजत पदक जीता। उन्हें चीन की वू यानी के साथ फाल्स स्टार्ट के लिए डिसक्वालिफाई कर दिया गया। रीप्ले में साफ दिखाई दिया की वू ने फाल्स स्टार्ट लिया था। ज्योति ने इसका जमकर विरोध किया। इसके बाद ज्योति और वू दोनों को रेस दौडने् के लिए कह दिया गया। यहां चीन की लिन यूवेई 12.74 सेकंड के साथ स्वर्ण जीता। वू दूसरे और ज्योति याराजी (12.91) तीसरे स्थान पर थीं, लेकिन बाद में वू को डिसक्वालिफाई कर ज्योति को रजत और जापान की यूमी तनाका (13.04) को कांस्य दिया गया। वहीं लंबी कूद में मुरली श्रीशंकर दुर्भाग्यशाली रहे जो स्वर्ण नहीं जीत पाए। वह तीन सेंटीमीटर से स्वर्ण जीतने से रह गए। चीन के वांग जियानान ने 8.22 मीटर के साथ स्वर्ण और मुरली श्रीशंकर ने 8.19 मीटर की जंप के साथ रजत जीता। जेस्विन एल्ड्रिन (7.76) सातवें स्थान पर रहे।

40 की उम्र में सीमा ने जीता कांस्य - डिस्कस थ्रो में सीमा पुनिया ने 58.62 मीटर की दूरी केसाथ कांस्य पदक जीता। उन्होंने चौथी थ्रो में यह दूरी नापी। सीमा ने 2014 के एशियाड में स्वर्ण, 2018 एशियाड में भी कांस्य पदक जीता था। यह उनका इन खेलों में तीसरा पदक है। चीन की फेंग बिन ने 67.93 मीटर के साथ स्वर्ण और इसी देश की जियांग झीचाओ ने 61.04 मीटर के साथ रजत जीता। वहीं हेप्टाथलन में नंदिनी अगासारा ने कांस्य पदक जीता। पिछले एशियाड की विजेता स्वप्ना बर्मन चौथे स्थान पर रहीं।

एशियाड में फिर विवाद

स्वप्ना का दावा- ट्रांसजेंडर एथलीट ने मेरा पदक छीना, बाद में हटाया पोस्ट

हांगझोऊ ।
एशियाई खेल 2023 में विवादों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अरुणाचल प्रदेश के खिलाड़ियों को चीन का वीजा नहीं मिलने पर खासा बवाल हुआ था। इस वजह से भारतीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने चीन जाने से इंकार कर दिया। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए भी उचित सुविधाएं नहीं मिली। ज्योति याराजी को चीनी खिलाड़ी की गलती में बलि का बकरा बनाया जा रहा था, लेकिन उनके विरोध करने पर उन्हें रजत पदक दिया गया। अब एक और भारतीय एथलीट ने विवाद को हवा दी है। जकार्ता में एशियाई खेलों के 2018 संस्करण में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय एथलीट स्वप्ना बर्मन ने आरोप लगाया कि महिलाओं के हेप्टाथलॉन में एक ट्रांसजेंडर महिला के कारण उन्हें अपना पदक गंवाना पड़ा। चीन के हांगझू में चल रहे एशियाई खेलों में बर्मन चौथे स्थान पर रहीं और उन्हें कोई पदक नहीं मिला। हालांकि, बाद में बर्मन ने अपना पोस्ट डिलीट कर लिया। एशियाई खेलों के पिछले संस्करण में 53.55 मीटर भाला फेंकने वाली स्वप्ना इस बार केवल 45.13 मीटर दूर ही भाला फेंक पाईं। बर्मन अंततः महिलाओं की हेप्टाथलॉन स्पर्धा में 5708 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहीं और केवल चार अंकों से कांस्य पदक से चूक गईं। तीसरा स्थान उनकी हमवतन नंदिनी अगासरा ने हासिल किया, जिन्होंने कुल 5712 अंक हासिल किए। प्रतियोगिता के एक दिन बाद, बर्मन ने सोशल मीडिया पर यह आरोप लगाते हुए विवाद खड़ा कर दिया कि एक ट्रांसजेंडर एथलीट के कारण उन्हें अपना पदक गंवाना पड़ा है। हालांकि, उन्होंने अपने पोस्ट में इवेंट के अपने प्रतिद्वंद्वी का नाम नहीं लिया। उन्होंने लिखा मैंने चीन के हांग्जो में आयोजित 19वें एशियाई खेलों में एक ट्रांसजेंडर महिला के कारण अपना एशियाई खेलों का कांस्य पदक खो दिया है।

विद्या रामराज ने की पीटी उषा की बराबरी, 39 साल बाद दोहराया इतिहास; 400 मीटर हर्डल रेस में कमाल

हांगझोऊ ।
एशियाई खेल 2023 में विद्या रामराज ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने महान एथलीट पीटी उषा के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। विद्या ने 55.43 सेकेंड में 400 मीटर रेस पूरी की। इसके साथ ही उन्होंने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में पीटी उषा के 39 साल पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। 1984 में पीटी उषा ने 55.42 सेकेंड में यह दौड़ पूरी की थी। अब विद्या ने भी यह कर दिखाया है। इससे पहले विद्या का बेस्ट रिकॉर्ड 55.43 सेकेंड था। वह हीट 1 से बहरीन की अमीनत ओए जमाल के साथ सीधे फाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं।

भाग लेने के साथ ही बनाया था रिकॉर्ड

विद्या की बहन नित्या भी एशियाई खेलों में भाग ले रही हैं। विद्या और नित्या भारत की पहली जुड़वा बहने हैं, जो एक साथ एशियाई खेलों में भाग ले रही हैं। नित्या का जन्म विद्या से एक मिनट पहले हुआ था। इन दोनों के पिता कभी अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए कोयंबटूर की गलियों में ऑटो-रिक्शा चलाते थे। नित्या महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ और विद्या 400 मीटर बाधा दौड़ में भाग लेती हैं।

रामराज और मीना की दोनों बेटियों की जन्म कोयंबटूर में हुआ था और 2014 तक एक स्थानीय सरकारी स्कूल में पढ़ते हुए बड़ी हुईं। 2014 में विद्या ने पदक जीता, लेकिन इसके आगे का सफर काफी मुश्किल था। कोच नेहपाल सिंह राठौड़ की मदद से उन्होंने फिर से कड़ी मेहनत की और 2021 फेडरेशन कप में 400 मीटर बाधा दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद ओपन नेशनल में डबल हासिल किया और इससे विद्या को रेलवे में नौकरी मिल गई। पलक्कड़ डिवीजन के वरिष्ठ क्लर्क बनने के बाद परिवार की हालत काफी बेहतर हुई। नित्या चेन्नई में आयकर विभाग में शामिल हैं और अब मल्टी-टास्किंग स्टाफ के रूप में चेन्नई में तैनात हैं।

परवीन का पदक के साथ ओलंपिक कोटा तय, दो बार की विश्व चैंपियन निकहत को कांस्य से करना पड़ा संतोष

हांगझोऊ ।
विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता भारतीय मुक्केबाज परवीन हुड्डा ने महिलाओं की 57 किग्रा स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बनाकर एशियाई खेलों में पदक सुनिश्चित करने के साथ पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल किया। विश्व चैंपियनशिप में 63 किग्रा में पदक जीतने वाली परवीन ने यहां क्वार्टर फाइनल में उज्बेकिस्तान की सितोरा तर्डिबेकोवा को सर्वसम्मत फैसले से हराया।

हालांकि, दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन को महिलाओं के 50 किग्रा भारवर्ग के सेमीफाइनल में थाईलैंड की रकास्त से हारकर कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। थाईलैंड की मुक्केबाज ने सेमीफाइनल मुकाबले में 2-1 के विभाजित फैसले से जीत दर्ज की। निकहत ने पहला राउंड जीत लिया था लेकिन उनकी प्रतिद्वंद्वी ने वापसी करते हुए अगले दोनों राउंड जीतकर फाइनल में प्रवेश किया।

राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैस्मिन लम्बोरिया 60 किग्रा क्वार्टर फाइनल मुकाबले में उत्तर कोरिया की मुक्केबाज वोन उन्गयोंग से दूसरे दौर में आरएससी (रेफरी द्वारा मैच रोकने) से हारने के बाद बाहर हो गईं। मौजूदा एशियाई चैंपियन परवीन अपने मुकाबले में शुरू से ही लय में दिखी। उन्होंने अपनी लंबाई का फायदा उठाते हुए 21 साल की प्रतिद्वंद्वी को बाएं और दाएं दोनों ओर से मुक्के जड़े।

परवीन ने शुरुआती दौर में आक्रामक रवैया अपनाया लेकिन इसके बाद तर्डिबेकोवा को अपने करीब आने का मौका दिया और फिर सटीक पंच जड़े। तर्डिबेकोवा ने भी इस दौरान कुछ अच्छे मूव बनाकर परवीन को पंच जड़े लेकिन यह काफी नहीं था। जैस्मिन ने पहला दौर 5-0 से अपने नाम किया। उन्होंने इसके बाद अपने 'हेड गियर' को सही तरीके से लगाने की मांग की।

भारतीय खिलाड़ी ने इसके बाद एकाग्रता गंवा दी और वोन ने उन्हें करारे हुक्स तथा जैब्स जड़ दिए। जैस्मिन इसके बाद बचाव की मुद्रा में आ गईं इसका फायदा उठाते हुए वोन ने उन्हें और पंच लगाए जिससे वह एक-एक कर तीन बार कोर्ट में गिर गईं।

तीसरी बार कोर्ट में गिरने के बाद वोन को विजेता घोषित कर दिया गया। निकहत (50 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) और नरेंद्र बेरवाल (92 किग्रा से अधिक) पहले ही अपने-अपने वर्ग में ओलंपिक कोटा हासिल कर चुके हैं।

भारत को अपनी धरती पर खेलने का लाभ विश्ककप में मिलेगा : मुरलीधरन

लखनऊ ।
श्रीलंका के दिग्गज स्पिनर रहे मुथैया मुरलीधरन ने कहा है कि भारत को अपनी धरती पर खेलने का फायदा विश्वकप में होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय बल्लेबाज और गेंदबाज फार्म में हैं जिनका फायदा टीम को होगा पर इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया की टीमें भी विश्व कप की प्रबल दावेदार हैं और ये भारत को कड़ी टक्कर देंगी। साथ ही कहा कि अनुभवी स्पिनर आर अश्विन भारतीय टीम के लिये अंतर पैदा करेंगे क्योंकि वह एक बेहतरीन गेंदबाज है जो बल्लेबाज के दिमाग को पढ़ने की क्षमता रखता है और उसे कभी भी परेशानी में डाल सकता है।

पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश के खिलाड़ी भारतीय उपमहाद्वीप की कंडीशन से भलींभांति वाकिफ है और ये टीमें भी विश्वकप में हैरान कर सकती हैं। मुरलीधरन ने अपने क्रिकेट करियर के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि 1996 का विश्व कप उनके क्रिकेट करियर का सबसे यादगार क्ष्ण था जब उनके देश ने विश्वकप जीता था। उन्होंने ने कहा कि उन्हे वीरेन्द्र सहवाग के सामने गेंदबाजी करना चुनौती भरा लगता था।

हालांकि उनके करियर में मिले 800 विकेट में से हर विकेट उनके लिए बेशकीमती है।

वहीं इस स्पिनर ने कहा कि विराट कोहली एक शीर्ष स्तर के बल्लेबाज हैं पर उनकी तुलना महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से नहीं की जा सकती। मुरली ने सचिन को क्रिकेट की दुनिया का अनूठा बल्लेबाज करार दिया है। मुरलीधरन ने कहा कि विराट की तुलना उनसे करना सही नहीं होगा। अपनी फिल्म '800 के प्रमोशन के सिलसिले में भारत आये मुरलीधरन ने कहा कि विराट के अलाव विश्व के अन्य बल्लेबाजों की तुलना भी सचिन से नहीं हो सकती। वह महान बल्लेबाज रहे हैं। सचिन ने 14 वर्ष की उम्र में रणजी खेलना शुरू किया जबकि मात्र 16 वर्ष की आयु में उन्होने पाकिस्तान के खिलाफ खेल कर अंतररष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण की उम्र में वकार युनूस जैसे गेंदबाजों का सामना किया। शतकों का शतक लगाने वाले सचिन जैसा प्रतिभाशाली बल्लेबाज केवल एक बार जन्म लेता है। उन्होंने कहा कि निसंदेह विराट एक बेहतरीन बल्लेबाज है मगर उनकी तुलना सचिन से करना गलत है। क्रिकेट के हर दौर में प्रतिभावान खिलाड़ी निकल कर सामने आते हैं मगर उनकी तुलना किसी अन्य से करना सही नहीं होता।

अश्विन जानते हैं कि चेन्नई में कैसे गेंदबाजी करनी है : पीयूष चावला

नई दिल्ली । पूर्व स्पिनर पीयूष चावला ने कहा है कि अनुभवी स्पिनर आर अश्विन जानते हैं कि चेन्नई स्टेडियम के हालात कैसे हैं और उन्हें किस प्रकार से गेंदबाजी करनी है। अश्विन को एकदिवसीय विश्वकप के लिए अंतिम समय पर भारतीय टीम में शामिल किया गया था। अश्विन को शुरुआत में विश्वकप के लिए जगह नहीं मिली थी पर स्पिनर अक्षर पटेल के फिट नहीं होने के कारण उन्हें अंतिम समय पर टीम में जगह मिली है। चावला ने कहा कि अश्विन अक्षर के समान विकल्प हैं क्योंकि वह गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं। चावला ने कहा, अक्षर के विश्व कप के लिए फिट नहीं होने के कारण अश्विन अपने अनुभव और पूर्व में उन्होंने जिस तरह से गेंदबाजी की है, उसके कारण पहली पसंद बने। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है। यह कुछ इस तरह है जैसा कि वह बल्लेबाजी कर सकता है, और एक बहुत ही अच्छा बल्लेबाज भी है। इसके अलावा इस पूर्व स्पिनर ने अश्विन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह एक होशियार क्रिकेटर हैं। उन्होंने कहा, अश्विन एक महान खिलाड़ी हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह सफेद गेंद या लाल गेंद क्रिकेट में गेंदबाजी कर रहे हैं, वह हमेशा खेल के बारे में सोचते रहते हैं। वह हमेशा खेल से जुड़े रहते हैं। हालांकि उन्होंने पिछले दो वर्षों में एकदिवसीय में बहुत अधिक क्रिकेट नहीं खेला है, वह वास्तव में एक अच्छे गेंदबाज हैं और टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

मोटापा कमजोर कर सकता है बच्चों की हड्डियां

एक नए अध्ययन से पता चला है कि मोटापा बच्चों की मांसपेशियों के साथ ही हड्डियों को भी कमजोर करता है। अध्ययन के अनुसार, मोटापे से जुड़ा एक्सट्रा फैट मांसपेशियों में जमा हो जाता है और यही फैट बच्चों की हड्डियों की कम वृद्धि के लिए जिम्मेदार है। इन स्थितियों से निपटने के लिए बच्चों को उचित आहार और शारीरिक गतिविधियों के माध्यम से एक स्वस्थ जीवन शैली की ओर प्रेरित करना चाहिए।

एंटीबायोटिक दवाएं खो रहीं अपना असर

बीमारी से जल्द ठीक होने के लिए लोग एंटीबायोटिक्स दवाओं को इस्तेमाल धड़ल्ले से करते हैं। लेकिन अब एंटीबायोटिक दवाओं के असर को लेकर सवाल उठने लगे हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि आज के समय में ऐंटीबायोटिक रेजिस्टेंस एक नई समस्या के रूप में उभर रहा है। ऐंटीबायोटिक रेजिस्टेंस वह स्थिति है जिसमें कोई बैक्टीरिया एंटीबायोटिक दवा के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता पैदा कर लेता है।

लंबी अवधि का डिप्रेशन बन सकता है मैनिक डिस्थीमिया

डिस्थीमिया हल्का लेकिन लंबी अवधि के डिप्रेशन का एक प्रकार है। इसके लक्षण कम से कम दो साल तक या उससे भी अधिक समय तक दिखाई दे सकते हैं। ये रोजमर्रा के काम और आनंद लेने की क्षमता पर असर करता है। इसमें व्यक्ति का स्वभाव नियमित रूप से खराब ही रहता है। हालांकि, इसके लक्षण गंभीर डिप्रेशन की तरह नहीं होते हैं। डिस्थीमिया में मानसिक कष्ट के साथ दैनिक गतिविधियों में रुचि कम हो जाती है।

रात में सोते वक्त स्मार्टफोन से बर्तें दूरी, हो सकता है अंधापन

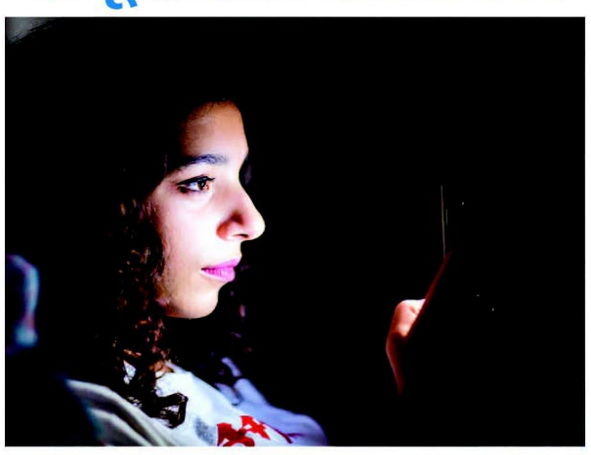

आज की जेनेरेशन ही नहीं बल्कि बड़े-बूढ़े तक सभी स्मार्टफोन के आदी हो चुके हैं। यहां तक कि रात को बिस्तर पर जाने के बाद भी सोने से पहले एक बार स्मार्टफोन जरूर चेक करते हैं। पर क्या आपको अंदाजा है कि आपकी ये आदत आपकी आंखों पर कितना बुरा असर डालती है। एक शोध के मुताबिक बत्ती बुझने के बाद अंधेरे में स्मार्टफोन का प्रयोग आपको अंधा बना सकता है। इसलिए अगर आप रात के अंधेरे में चैटिंग, पढ़ने या वीडियो आदि देखने जैसे काम करते है तो आपके अंधे होने की संभावना बढ़ जाती है। न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक दो महिलाओं में ट्रांजिएंट स्मार्टफोन ब्लाइंडनेस संक्रमण पाया गया। इसके अनुसार अंधेरे में स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते वक्त उसकी स्क्रीन को लगातार देखने के कारण वे एक आंख में अंधेपन की शिकार हो चुकी थीं। डॉक्टर्स के मना करने के बावजूद इन्होंने सावधानी नहीं बरती जिसके चलते अब ये पूरी तरह आंखों की रोशनी गंवा चुकी हैं।

इन महिलाओं में पहली महिला इंग्लैंड की 22 वर्षीय युवती है, जिसे रोजाना सोने या नींद में जाने से पहले टकटकी लगाकर स्मार्टफोन पर काम करने एवं उसे चलाने की आदत थी। बायीं करवट सोते हुए स्मार्टफोन की रोशनी से दांयी आंख सीधे तौर पर प्रभावित होती गई जिससे दाहिनी आंख में अंधापन महसूस किया गया।

वहीं इस बीमारी की दूसरी मरीज 40 वर्षीय एक महिला थी, जो इस बीमारी का शिकार तब हुई जब वो सुबह सूरज निकलने से पहले जागकर, उठने से पहले स्मार्टफोन पर खबरें पढ़ने की आदी थी। लगातार 1 साल तक इस आदत को दोहराने के बाद उन्होंने पाया कि उनकी आंखों की महत्वपूर्ण झिल्ली, कॉर्निया चोटग्रस्त हो चुकी थी। महिलाओं की शिकायत थी कि बार-बार 15 मिनट के लिए उनकी आंखों के आगे अंधेरा छा रहा है। उनके कई तरह के टेस्ट लिए गए, एमआरआई स्कैन और हार्ट टेस्ट भी किए गए। बावजूद इसके डॉक्टर्स को ऐसा कुछ नहीं मिला। आई स्पेशलिस्ट से मिलने के बाद ये समस्या सुलझी। डॉक्टर ने बताया कि दोनों महिलाएं बिस्तर पर करवट लेकर लेटी हुई थीं और एक आंख से फोन की स्क्रीन पर देख रही थीं। उनकी दूसरी आंख तकिए में धंसी हुई थी।

जिसके चलते उनकी एक आंख स्मार्टफोन का सामना अधिक कर रही थी। ऐसी स्थिति में एक रेटिना प्रकाश के साथ सामंजस्य बना रहा था और दूसरा अंधेरे के साथ। ऐसे में दोनों आंखों के कार्निया के बीच सही सामंजस्य नहीं बन पाता, और एक आंख प्रत्यक्ष तौर पर प्रभवित होती है। इस लिए रात में बिस्तर पर जाने या बत्ती बुझाने से पहले ही स्मार्टफोन के सारे काम निपटा लें।

बच्चों में चिकनगुनिया के ज्यादा लक्षण

वैसे तो चिकनगुनिया से सभी वर्गों के लोगों के लिए मुश्किलें बढ़ती ही जा रहीं है लेकिन ये बच्चों को ज्यादा बुरी तरह प्रभावित करता है। बच्चों को इस बीमारी के कारण अधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्हें बड़ों के मुकाबले रेशेज होने की आशंका भी अधिक होती है। हालांकि, बड़ों की तरह उन्हें जोड़ों में दर्द की दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ता। इस बीमारी से बच्चे काफी बुरी तरह प्रभावित होते हैं, लेकिन इससे उनकी मौत की आशंका बहुत ही कम होती है।

बच्चों को यह बीमारी होने का खतरा इसलिए अधिक होता है क्योंकि वे अक्सर दिन में भी सोते हैं। ऐसे में वे दिन में काटने वाले मच्छरों का आसान शिकार बन सकते हैं। अगर आप अपने बच्चे को चिकनगुनिया से बचाना चाहते हैं, तो आपको उन्हें मच्छरों से बचाने के सभी एहतियाती कदम उठाने होंगे। आमतौर पर बच्चों में चिकनगुनिया वायरल के लक्षणों को चार वर्गों में बांटा गया है।

वर्ग एक- शून्य से एक साल

इस वर्ग के बच्चों में चिकनगुनिया के लक्षणों को ढूंढना काफी मुश्किल होता है। इस वर्ग के बच्चों में यदि चिकनगुनिया पाया जाता है तो फीवर, कफ और सूजन से ही उसे पहचाना जा सकता है।

वर्ग दो- एक साल से पांच साल

इस कैटेगिरी में फीवर और कफ बहुत ज्यादा बढ़ जाता है। घुटनों में दर्द के साथ ही सूजन भी दिखाई पड़ती है। बच्चों को बहुत ज्यादा सेंसेशन होता है यदि उन्हें छुआ भी जाता है वे बहुत दर्द महसूस करते हैं। अपने स्वभाव से अलग व्यवहार करने लगते हैं।

वर्ग तीन- पांच साल से दस साल

फीवर, कफ और सूजन के साथ ही इस वर्ग के बच्चे बहुत ज्यादा मूवमेंट नहीं कर पाते। उन्हें हाईपर सीजिया हो जाता है। उनके घुटनों में बहुत दर्द रहता है। इस कैटेगिरी के बच्चेम काफी चिड़चिड़े हो जाते हैं। इस वायरल से बच्चों को कुछ भी खाना अच्छा नहीं लगता।

वर्ग चार- दस साल से ऊपर

इस वर्ग के बच्चों को चिकनगुनिया में तेज बुखार हो जाता है। उनकी पाचन क्रिया भी बिगड़ जाती है। बच्चे बिल्कुल भी मूवमेंट नहीं कर पाते। पूरी बॉडी में इन्हें सूजन आ जाती है।

जरूर करें ये उपाय

अगर आपके बच्चे में चिकनगुनिया के लक्षण नजर आएं, तो उसे तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। यह भी सम्भव है कि आपको लक्षण के रूप में केवल रेशेज और बुखार ही नजर आए। हो सकता है कि आपका बच्चा छोटा हो और यह बता पाने में असमर्थ हो कि उसे सिर अथवा जोड़ों में भी दर्द हो रहा है। यह भी सम्भव है कि वह अपनी तकलीफ को यह प्रकार से बयां न कर पा रहा हो। अगर आपका बच्चा थोड़ा बड़ा है, तो आप उससे पूछ सकते हैं कि क्या उसे शरीर के किसी अन्य अंग में भी दर्द हो रहा है। आपके लिए यह पता लगाना आसान नहीं कि आपकी नन्ही सी जान को सामान्य बुखार है अथवा चिकनगुनिया। तो, अगर आपको कोई समस्या नजर आती है, तो बेहतर यही है कि आप उसे डॉक्टर को दिखाएं।

रक्त जांच से होती है पुष्टि

डॉक्टर रोग की पुष्टि करने के लिए रक्त जांच कर सकता है। चिकनगुनिया और डेंगू के लक्षण समान होते हैं, इसलिए डॉक्टर रक्त जांच के बाद ही किसी फैसले पर पहुंच सकता है। और फिर उसी हिसाब से बच्चे का इलाज किया जा सकता है।

दवा नहीं, मगर लाइलाज नहीं

चिकनगुनिया के लिए कोई विशिष्ट दवा नहीं है। लेकिन, बच्चे को लक्षणों के आधार पर इलाज दिया जा सकता है। डॉक्टर की सुझाई दवा के साथ ही बच्चे को पूरा आराम करने दें। उसे पौष्टिक भोजन दें ताकि रोग के कारण शरीर को होने वाली क्षति की भरपाई की जा सके। साथ ही उसके माथे पर गीली पट्टियां अथवा बर्फ लगाते रहें, इससे उसे काफी आराम मिलेगा। अपने बच्चे के भोजन में तरल पदार्थों की मात्रा अधिक रखें। इससे वह डिहाइड्रेशन की समस्या से बचा रहेगा। दर्द होने पर दर्द निवारक दी जा सकती है। दवा देते समय बच्चे की उम्र का खयाल जरूर रखें। बच्चे को एस्प्रिन न दें। इस दवा की ज्यादा खुराक बच्चे को उल्टी की परेशानी दे सकती है। सूजन और जलन कम करने की दवाएं नहीं दी जानी चाहिए, इन दवाओं के प्रभाव के कारण बच्चे के रक्त में प्लेटलेट की संख्या कम हो सकती है।

खराब कोलेस्ट्राल को बाहर निकालें ये फूड्स

हम सभी जब कठोर डाइट पर होते हैं, तब कोशिश करते हैं कि फैट वाले फूड्स को दूर ही रखें। पर क्या आपको यह सही लगता है? जी नहीं, ऐसा करना बिल्कुल गलत है क्योंकि कुछ गुड फैट भी होते हैं जो हमारी बॉडी को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। गुड फैट प्राकृतिक चीजों में पाए जाते हैं और बैड फैट प्रोसेस्ड और पैकेट वाले फूड में पाए जाते हैं। गुड फैट का काम होता है हमारी त्वचा और बालों को स्वस्थ रखना तथा जोड़ों को लचीला बनाए रखना। दूसरी ओर बैड फैट अनहेल्दी होते हैं और कोलेस्ट्रॉल बढ़ाते हैं। आइए जानते हैं कुछ गुड फैट वाले फूड्स के नाम जो खराब कोलेस्ट्रॉल को शरीर से निकालते हैं तथा हमें स्वस्थ बनाने में मदद करते हैं।

एवाकाडो

एवाकाडो में मोनो सैचुरेटेड फैट होता है, जिससे दिमाग तेज होता है तथा हार्ट की बीमारियां नहीं होती। आपको रोजाना आधा एवाकाडो तो खाना ही चाहिए।

वर्जिन कोकोनट ऑइल

जब भी आप डाइट पर हों और वजन कम करने की सोंच रही हों, तो तेल का बहुत सोंच समझ कर प्रयोग करें। लेकिन अपना खाना वर्जिन कोकोनट ऑइल में बनाने से अच्छे कोलेस्ट्रॉल में बढ़ौत्तरी कर सकती हैं।

अखरोट

अखरोट में ओमेगा 3 फैटी एसिड, प्रोटीन, विटामिन और मिनरल्स होते हैं। यह शरीर में आई सूजन को कम करने में मददगार होते हें। साथ ही इसे खाने से खराब कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होता है तथा हृदय और फैटी लीवर की बीमारी नहीं होती।

जैतून का तेल

जैतून के तेल में विटामिन ए और ई पाया जाता है। साथ ही इसमें मैग्नीशियम भी होता है जो कि खराब कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करता है और हार्ट की बीमारी से बचाता है।

अंकुरित लहसुन में छुपे हैं सेहत के खजाने

लहसुन स्वास्थ्यवर्धक तो होता है यह तो आपको मालूम ही है, लेकिन एक नए अध्ययन में यह पता चला है कि अंकुरित लहसुन या अंकुर फूटे हुए पुराने लहसुन में ताजे लहसुन की अपेक्षा एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि अधिक होती है जो हमारे दिल को अधिक मजबूत और क्रियाशील बनाता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक लोग लहसुन का स्वास्थ्य संबंधी लाभ उठा रहे हैं। यह आम तौर पर कहा जाता है कि लहसुन या लहसुन पूरक पदार्थ खाने से कोलेस्ट्रॉल, रक्तचाप और दिल की बीमारियों के खतरे को प्राकृतिक तौर पर कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि लोग अंकुरित लहसुन से मिलने वाले फायदों पर अधिक गौर नहीं करते। जब बीज से अंकुरण निकलता है तो वे कई नए यौगिक बनाते हैं, जो छोटे पौधों को रोगाणुओं से बचाते हैं। यह बात पुराने लहसुन में अंकुरण होने पर भी पूरी तरह से सही होती है। अन्य शोधों में पता चला है कि अंकुरित फलियों और अनाजों में एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि बढ़ जाती है, इसलिए यह जानने की कोशिश की गई कि क्या लहसुन में भी यही बात लागू होती है। उन्होंने पाया कि लहसुन के पांच दिनों वाले अंकुरण में एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि ताजे लहसुन की अपेक्षा कहीं ज्यादा होती है। यहां तक कि इस अंकुरित लहसुन के अर्क ने प्रयोगशाला में भी क्षतिग्रस्त कोशिकाओं की रक्षा की।

हल्की सर्दी में काम के हैं पोंचू...

किसी जमाने में दादी-नानी के हाथों में क्रोशिया की सिलाई देखी जाती थी और घरों में क्रोशिया से बुने हुए तकिए के कवर, रुमाल, शो पीस और अन्य सामान आसानी से देखे जाते थे। बदलते वक्त और भागदौड़ की व्यस्त जिंदगी में घरों और बाजारों में क्रोशिया की बुनी हुई चीजें गायब होती चली गईं। बाजार में अब क्रोशिया से बने वेस्टर्न और इंडियन आउटफिट का बोलबाला शुरू हुआ है, जिसमें फैशन डिजाइनर नए-नए फ्यूजन के साथ कपड़ों को तैयार कर रहे हैं। इनहें पहनने से आप आकर्षक तो लगते ही हैं, साथ ही फैशन में एक नयापन भी आया है। आज हम आपके सामने क्रोशिया , सिल्क, वूलन आदि से बने पोंचू लेकर आए है जिनहें आप सर्दीयों के मौसम में भी पहन सकती है। दिन की नरम धूप हो या शाम की हल्की सर्दी, ऐसे समय में आपको सेफ रखते हैं पोंचू। इन्हें आप किसी भी ड्रेस के ऊपर पहन सकते है। आपकी सिंपल ड्रेस भी पोंचू से खूबसूरत बन जाती है। चलिए आज आप को बताते हैं पोंचू के भी कई वैराइटीज हैं जिसको लेकर आप एक्सपेरिमेंट कर सकती हैं।

क्रोशिया से बने पोंचू

क्रोशिया से बने पोंचू को गर्मी और सर्दी दोनो मौसम में पहना जा सकता है। गर्मियों में धागे से बने पोंचू और सर्दियों में ऊनी पोंचू पहने जाते हैं। इसे गर्मियों में बोरिंग ड्रेस को ग्लैमरस लुक देने और धूप से बचने के पहना जाता है।

निटेड पोंचू

जहां क्रोशे पोंचू गर्मियों के लिए उचित हैं वहीं निटेड पोंचू आपको ठंड से सुरक्षा देते हैं। ये अपको ट्रेंडी और वार्म लुक देते हैं।

एम्ब्रॉयडेड पोंचू

ये ट्रेडिशनल पोंचू हैं जो कई वैरायटी और पैटर्न व स्टाइल में मिलते हैं। ये बहुत एलेगेंट फैब्रिक में आते हैं।

सिल्क पोंचू

सिल्क पोंचू वजन में हल्के होते हैं जिन्हें आप बतौर एक्सेसरी पहन सकते हैं जो आपके पहनावे को नया लुक देंते है।

वूलन फैब्रिक पोंचू

वूलन फैब्रिक पोंचू सर्दियों से बचाव के लिए हैं। इन्हें ऊन से बुना नहीं जाता बल्कि वार्म वुलन फैब्रिक से बनाया जाता है। इनकी गर्माहट इनके फैब्रिक पर डिपेंड करती है। हुडेड और टर्टलनेक पोंचू विद हुड जैसे ज्यादातर पोंचू बच्चों के लिए बनाए जाते हैं।

रेसिपी

तिलवाले आलू

सामग्री

2 टेबल-स्पून भुना हुआ तिल, 1 1/2 कप उबले और छिले हुए बेबी पटॅटोस, 1 टेबल-स्पून तेल, 1/4 टी-स्पून ज़ीरा, 1/4 टी-स्पून सरसों, 4 - 6 कड़ी पत्ता, 2 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, नमक स्वादअनुसार, 1 टी-स्पून नींबू का रस, **सजाने के लिए:** 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

एक वौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करे और ज़ीरा, सरसों और कड़ी पत्ता डालें। जब बीज चटकने लगे, अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट; डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकेन्ड तक भून लें। बेबी पटॅटोस, हल्दी पाउडर और नमक डालकर मध्यम आंच पर 4 से 5 मिनट तक भून लें। आंच से हठाकर, तिल और नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिला लें। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

वैज मंचूरियन ग्रैवी

सामग्री

100 ग्राम गाजर (कद्दुकस की), 100 ग्राम गोभी (कद्दुकस की), 100 ग्राम फूलगोभी (कद्दुकस की), 2 टीस्पून नमक (ग्रैवी और मंचूरियन), 30 ग्राम मैदा, 30 ग्राम मक्की का आटा, 200 मि.ली. पानी, तेल तलने के लिए, 2 टेबलस्पून ओलिव ऑयल, 11/2 टीस्पून अदरक, 1 टेबलस्पून लहसुन, 50 ग्राम प्याज, 1 टेबलस्पून हरी मिर्च, 1 टीस्पून ग्रीन चिली सॉस, 1 टीस्पून रेड चिली सॉस, 1 टीस्पून सोया सॉस, 1 टीस्पून सिरका, 50 मि.ली. केचप, 1 टेबलस्पून कॉर्न फ्लौर पेस्ट

विधि

सबसे पहले एक बाऊल में गाजर,गोभी, फूलगोभी, 1 टीस्पून नमक, मैदा, मक्की का आटा में पानी डाल कर अच्छी तरह मिक्स कर लें। अब पेस्ट के छोटे-छोटे बॉल्स बना लें। इन बाल्स को अच्छे से फ्राई कर लें जब तक यह गोल्डन ब्राउन ना हो जाए। फिर इन्हें एक साइड में निकाल लें ताकि फालतू तेल निचूड़ जाए। दूसरी तरफ पैन रखें उसमें 2 टेबलस्पून ऑलिव ऑयल डाले और अच्छे से गर्म कर लें। अब इसमें अदरक, लहसुन, प्याज हरी मिर्च डालें और अच्छे से भून लें। अब इसमें पानी, नमक, हरी चिली सॉस, लाल चीली सॉस, सोया सॉस, सिरका और कैचप डालकर एक मिनट तक पकाएं। जब यह हल्की गाढ़ी हो जाए तो इसमें फ्राई बॉल्स और कॉर्न फ्लौर पेस्ट डालें। 2-3 मिनट तक पकाएं और गर्मागर्म सर्व करें।

तनाव घटाने के लिए लोग करते है कुछ ऐसा

आप तनाव महसूस कर रहे हैं। तो आप क्या करना चाहेंगे। जाहिर तौर पर म्यूजिक सुनना चाहेंगे या चहलकदमी करना चाहेंगे। पर दक्षिण कोरिया में आजकल लोग तनाव को भगाने के लिए मरने के बाद की लाइफ में जाना चाहते हैं। और ऐसा महसूस कराने के लिए बाकायदा कंपनियां भी हैं, जो ये काम कर रही हैं। जी हां, दक्षिण कोरिया में लोग 10 मिनट ताबूत में रहते हैं। मरने के बाद की जिंदगी को लेकर धर्मगुरुओं से ज्ञान भी लेते हैं। ताकि वो तनाव को भगा सकें। हैरानी की बात है कि ऐसा करने वाले बाद में कहते हैं कि उन्हें ऐसा करके अच्छा लगा। वांग योंग यो(67) नाम की महिला ने कहा कि 10 मिनिट मरने के बाद की जिंदगी बिताकर मुझमें नया उत्साह आ गया है। ऐसा लगता है कि मुझे नई जिंदगी मिली है। और मैं नई शुरुआत कर सकती हूं। कोरिया में तनाव घटाने के लिए लोग करते हैं मरने के बाद की जिंदगी का अहसास! सोचिए, आप तनाव महसूस कर रहे हैं। तो आप क्या करना चाहेंगे। जाहिर तौर पर म्यूजिक सुनना चाहेंगे या चहलकदमी करना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि मेरी मां मुझसे बहुत प्यार करती थी, वो कम उम्र में ही चली गई। वो बहुत खूबसूरत थी। दक्षिण कोरिया में मॉक फ्यूनरल मतलब मरने के बाद के अंतिम संस्कार का अभ्यास अब नया ट्रेंड बनता जा रहा है। ऐसा कराने के लिए तमाम कंपनियां भी मैदार में उतर चुकी हैं। और अब ये बड़ा बिजनेस बन चुका है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**